राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय राज्य स्तरीय मान्यता देने के खिलाफ दायर याचिका रद्द - 7

संयुक्त राष्ट्र ने कहा-भारत की वृद्धि दर रहेगा 6.6 प्रतिशत - 10

रणनीतिक स्वायत्तता बढ़ाने में फ्रांस भारत की साझेदारी का विशेष महत्व - 11

प्रो कुश्ती लीग की चुनौती के लिए तैयारी में जुटीं अंतिम पंघाल - 12

आज का मौसम
17.0° अधिकतम तापमान
9.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.58
सूर्यास्त 05.34

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष सप्तमी 8:24 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 10 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 341, पृष्ठ 12+4 ▪ मूल्य 6 रुपये

नवनिर्मित अशोक लेलैंड ईवी प्लांट के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी, रक्षा मंत्री राजनाथ व केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी।

यूपी संभावनाओं को परिणाम में बदलने वाला राज्य : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी, राजनाथ और कुमारस्वामी ने किया अशोक लेलैंड ईवी प्लांट का उद्घाटन

अमृत विचारः लखनऊ में शुक्रवार को डबल इंजन सरकार की निवेश, नवाचार व हरित भविष्य की नई उड़ान शुरू हुई। मुख्यमंत्री योगी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व भारी उद्योग व इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से लखनऊ में अशोक लेलैंड के इलेक्ट्रिक व्हीकल विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया।

योगी ने कहा कि यूपी अब संभावनाओं को परिणाम में बदलने वाला राज्य है। उन्होंने घोषणा की कि हिंदुजा समूह के साथ एमओयू कर हर साल 10 हजार युवाओं स्किल्ड करेंगे।

योगी ने सरोजनी नगर प्लांट पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि 2017 से पहले जिस यूपी को अराजकता और निवेश पलायन के लिए जाना जाता था, वही आज उत्सव का प्रदेश है। डबल इंजन सरकार की फास्ट-ट्रैक अप्रूवल प्रणाली, सुशासन और निवेशक-अनुकूल नीतियों के चलते मात्र 18 महीने में यह विश्वस्तरीय प्लांट तैयार हुआ। उन्होंने बताया कि इकाई की क्षमता अभी 2500 यूनिट/वर्ष है, जिसे चरणबद्ध ढंग से 5000 यूनिट तक बढ़ाया जाएगा। यह परियोजना हरित परिवहन, पर्यावरण संरक्षण और युवाओं के रोजगार, तीनों मोर्चों पर निर्णायक साबित होगी। योगी ने कहा कि यूपी में अब 34 सेक्टरियल पॉलिसी हैं। आज 75 जिलों में निवेश हो रहा है। देश के 55 प्रतिशत एक्सप्रेसवे, सबसे बड़ा रेल नेटवर्क, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, रैपिड रेल और वाटरवे, सब यूपी की लॉजिस्टिक ताकत हैं। ईवी इकोसिस्टम में यूपी की राष्ट्रीय हिस्सेदारी 19 प्रतिशत (वर्ष 2024) रही। 700 ई-बसें संचालित हैं। अगले लक्ष्य-यूपी को 2029-30 तक वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाना।

विकसित भारत का रास्ता यूपी से : सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह ईवी यूनिट स्वच्छ, हरित परिवहन के साथ भविष्य की तकनीक में देश को अग्रणी बनाएगी। उन्होंने रिकॉर्ड 18 महीनों में संयंत्र पूरा होने को मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की सफलता बताया। डिफेंस कॉरिडोर, सड़क-इन्फ्रा और औद्योगिक नीतियों ने रोजगार-सृजन को नई गति दी है। ईवी भविष्य है—पेट्रोलियम निर्भरता घटेगी और युवाओं को नई स्किल्स मिलेंगी।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को नई उड़ान

भारी उद्योग व इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में नेट-जीरो लक्ष्य की ओर ठोस रोडमैप तैयार है। फेम-2, पीएलआई ऑटो, एसीसी बैटरी और पीएम ई-ड्राइव जैसी योजनाओं से ईवी अपनाने में तेजी आई है। उन्होंने बताया कि 70,000 चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। लखनऊ का यह संयंत्र उन्नत विनिर्माण, घरेलू वैल्यू एडिशन और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा।

ईडी ने याचिका में कहा- मुख्यमंत्री ममता, शीर्ष पुलिस अधिकारियों की सीबीआई करे जांच

छापेमारी के दौरान राज्य सरकार द्वारा बाधा डालने पर हाईकोर्ट से जांच एजेंसी ने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

ईडी ने कोलकाता में राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक व उसके निदेशक के खिलाफ छापेमारी के दौरान बाधा डालने को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और अन्य के खिलाफ सीबीआई जांच का अनुरोध करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया है। याचिका में दावा किया गया है कि इन कार्रवाइयों के कारण उसके तलाशी अभियान पर सरकारी तंत्र का पूर्ण नियंत्रण हो गया।

ईडी ने आरोप लगाया कि इसमें सर्वोच्च राजनीतिक कार्यपालिका की प्रत्यक्ष संलिप्तता और पुलिस बल का दुरुपयोग हुआ है और मामले की सीबीआई जांच का अनुरोध किया है। इसमें हाईकोर्ट से आग्रह किया गया कि वह सीबीआई को प्राथमिकी दर्ज करने और पूरी घटना की जांच करने का निर्देश दे, जिसमें मुख्यमंत्री, पुलिस अधिकारी और इस मामले में मिलीभगत करने वाले सभी व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच शामिल हो। एजेंसी ने कहा कि सीबीआई द्वारा जांच आवश्यक है, क्योंकि कलकत्ता हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों ने लगातार यह माना है कि जहां राज्य में उच्च व प्रभावशाली लोग संज्ञेय अपराधों को अंजाम देने में शामिल होते हैं, वहां जांच सीबीआई को सौंप दी जानी चाहिए। याचिका में उसने यह भी अनुरोध किया है कि तलाशी के दौरान जिन सभी डिजिटल उपकरणों, रिकॉर्ड व दस्तावेजों को अवैध व जबरन' तरीके से हटा लिया गया था, इन्हें तुरंत जब्तकर सील किया जाए।

प्रदर्शन कर रहे टीएमसी सांसद को हटाती पुलिस।

गृह मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन टीएमसी सांसद हिरासत में

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए दिल्ली में गृह मंत्रालय कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे टीएमसी के कई सांसदों को शुक्रवार को हिरासत में ले लिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन और महुआ मोइत्रा के साथ पार्टी के अन्य नेताओं को हिरासत में लेकर संसद मार्ग थाने ले जाया गया। पुलिस ने कहा कि निषेधाज्ञा और सुरक्षा चिंताओं के चलते गृह मंत्रालय कार्यालय के बाहर प्रदर्शन की अनुमति नहीं है।

टीएमसी का दस्तावेजों के दुरुपयोग पर रोक का अनुरोध

कोलकाता। टीएमसी ने हाईकोर्ट में ईडी द्वारा की गई छापेमारी के खिलाफ याचिका दायर कर जब्त किए गए दस्तावेजों के दुरुपयोग पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। आरोप लगाया है कि ईडी ने आगामी चुनाव में टीएमसी के उपयोग के लिए रखे गए संवेदनशील और गोपनीय राजनीतिक डाटा को जब्त कर लिया और इससे मनमाने और दुर्भावनापूर्ण तरीके से सत्ता के दुरुपयोग का पता चलता है। जब्त सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक डाटा में गोपनीय राजनीतिक डाटा/जानकारी/दस्तावेज शामिल हैं।

ईडी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

कोलकाता। सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को ईडी की छापेमारी के संबंध में संघीय एजेंसी के खिलाफ दो शिकायत दर्ज कराई है। इस आधार पर कोलकाता और बिधाननगर पुलिस ने औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के साथ ईडी के खिलाफ हाईकोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया है।

अदालत कक्ष में अराजकता पर हाईकोर्ट ने सुनवाई 14 तक टाली

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने छापेमारी से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई शुक्रवार को अदालत कक्ष में अनियंत्रित भीड़ के कारण स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति शुभ्रा घोष ने अदालत कक्ष में मौजूद उन लोगों से बार-बार बाहर जाने का आग्रह किया, जो इन याचिकाओं से जुड़े नहीं थे। हालांकि, भीड़ में शामिल लोगों पर उनके आग्रह का कोई असर नहीं हुआ। इसके बाद याचिकाओं पर सुनवाई 14 जनवरी तक टाल दी गई। एजेंसी ने उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजय पॉल के समक्ष शुक्रवार को ही शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया, लेकिन उस पर विचार नहीं किया गया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति घोष द्वारा पारित न्यायिक आदेश में हस्तक्षेप न करना उचित समझा।

ब्रीफ न्यूज

केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान के संयुक्त निदेशक गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने शुक्रवार को केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान के संयुक्त निदेशक राजाराम मोहनराव चेन्नू को बेंगलुरु से 9 .5 लाख रुपये की रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि चेन्नू के आवास पर तलाशी के दौरान, सीबीआई ने चार लाख रुपये से अधिक मूल्य की विदेशी मुद्रा सहित करीब 3 .59 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की। विदेशी मुद्रा में अमेरिकी डॉलर, हांगकांग डॉलर, सिंगापुर डॉलर, इंडोनेशियाई रुपिया, मलेशियाई रिंगिट, यूरो, युआन (रेनमिन), स्वीडिश क्रोन और यूएई दिरहम शामिल है।

बजट सत्र 28 से केंद्रीय बजट एक फरवरी को होगा पेश

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होने की संभावना है और केंद्रीय बजट एक फरवरी, रविवार को पेश किया जाएगा। संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा तय किए गए संभावित कार्यक्रम का हवाला देते हुए अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 28 जनवरी को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। वर्ष के प्रथम सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति का पारंपरिक अभिभाषण होता है। बीटिंग रिट्रीट समारोह के कारण 29 जनवरी को दोनों सदनों की बैठक नहीं होगी।

50 हजार का इनामी डॉक्टर रमीज गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- केजीएमयू के जूनियर रेजिडेंट से यौन शोषण और मतांतरण के लिए उकसाने मामले में था फरार

अमृत विचारः केजीएमयू की महिला रेजिडेंट डाक्टर से यौन शोषण, गर्भपात और मतांतरण के लिए उकसाने वाले आरोपी डॉक्टर रमीज उर्फ रमीजउद्दीन नायक को चौक पुलिस ने शुक्रवार को सिटी रेलवे स्टेशन गेट के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रमीज की गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी रमीज हुसैनाबाद स्थित मुमताज कोर्ट अपार्टमेंट में अपने किराए के फ्लैट से दस्तावेज निकालकर कोर्ट में समर्पण करने की फिराक में था। आरोपी के पास से एक फोन और कुछ रुपये मिले हैं। मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने के बाद पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है।

डीसीपी पश्चिम ने बताया कि आरोपी डॉ. रमीज पीलीभीत के न्यूरिया स्थित मोहल्ला मोहम्मद यार खां कस्बे का रहने वाला है। उसका एक मकान खटीमा (उत्तराखंड) के सुभाष नगर स्थित दुर्गा नेहरू में भी है। केजीएमयू के पैथालॉजी विभाग में रेजिडेंट डॉक्टर रमीज ठाकुरगंज के हुसैनाबाद में शीश महल तालाब के पीछे मुमताज कोर्ट अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या-303 में रहता था। 23 दिसंबर को पैथालॉजी विभाग की जूनियर रेजिडेंट ने रमीज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता पश्चिम बंगाल की रहने वाली है। उसने आरोप लगाया है कि डॉ. रमीज से जुलाई 2025 में उसकी मुलाकात हुई थी। रमीज ने शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया था। यह कहकर धमकाया कि जब तक धर्म परिवर्तन कर इस्लाम धर्म नहीं स्वीकार करोगी, तब तक शादी नहीं करेगा। रमीज की बातों से आहत पीड़िता ने नींद की गोलियां खाकर जान देने की कोशिश की थी। डीसीपी ने बताया कि पीड़िता के मजिस्ट्रेट के समक्ष हुए बयान के बाद आरोपी डॉ. रमीज फरार हो गया था। बुधवार को चौक पुलिस ने हुसैनाबाद, पीलीभीत और खटीमा में रमीज के तीनों आवास पर कुर्की की नोटिस चस्पा की थी। पुलिस ने पांच दिसंबर को रमीज के पिता सलीमुद्दीन और मां खतीजा को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

हरदोई के जिला समाज कल्याण अधिकारी निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों, इलेक्ट्रीशियन व प्लंबर की नियुक्ति के लिए सेवा प्रदाता फर्म के चयन में शिथिलता तथा विभागीय कार्यों में लापरवाही बरतने पर हरदोई के जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाकांत को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण के निर्देश पर की गई। निलंबन आदेश अपर मुख्य सचिव वेंकटेश्वर लू ने जारी किए हैं। मामले की जांच उप निदेशक जे राम करेंगे।

राज्य मंत्री ने बताया कि हरदोई के चठिया और कछौना में संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में 14 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों और दो इलेक्ट्रीशियन/प्लंबर की श्रम संविदा पर तैनाती प्रस्तावित थी। इन पदों के लिए जेम पोर्टल के माध्यम से सेवा प्रदाता फर्म का चयन किया जाना था। जांच में सामने आया कि चयन प्रक्रिया में अनावश्यक देरी की गई।

लालू और अन्य के खिलाफ आरोप तय करने के आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली की एक कोर्ट ने शुक्रवार को राजद प्रमुख पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, उनके परिवार के सदस्यों व अन्य के खिलाफ जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में आरोप तय करने का आदेश दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि यादव ने रेल मंत्रालय को अपनी निजी जागीर के रूप में इस्तेमाल किया ताकि वह आपराधिक गतिविधि को अंजाम दे सकें। कोर्ट ने मामले में आरोप तय करने के लिए 23 जनवरी की तारीख तय की है।

अंकिता प्रकरण : सीबीआई जांच कराएगी धामी सरकार

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वर्गीय अंकिता भंडारी के माता-पिता के अनुरोध और उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए शुक्रवार को अंकिता भंडारी प्रकरण की सीबीआई से जांच कराए जाने की संस्तुति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य शुरू से अंत तक निष्पक्ष, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से न्याय सुनिश्चित करना रहा है और आगे भी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंकिता भंडारी के साथ हुई इस अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक घटना की जानकारी मिलते ही राज्य सरकार ने कार्रवाई की। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक महिला आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया।

अल्पसंख्यकों पर हमले चिंताजनक, दोषियों को न बचाए बांग्लादेश सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारतीय विदेश मंत्रालय की हिंसा पर दो टूक

भारत ने शुक्रवार को बांग्लादेश से कहा कि वह अपने यहां हो रहीं सांप्रदायिक घटनाओं पर अंकुश लगाए। बांग्लादेश में कुछ हफ्तों में कम से कम पांच हिंदू पुरुषों की हत्या किए जाने की पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार की ओर से की यह टिप्पणी आई है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम अल्पसंख्यकों के साथ-साथ उनके घरों और व्यवसायों पर चरमपंथियों द्वारा बार-बार किए जा रहे हमलों का चिंताजनक सिलसिला देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की सांप्रदायिक घटनाओं से तुरंत और सख्ती से निपटना जरूरी है। जायसवाल ने कहा कि हमने इस तरह की घटनाओं को व्यक्तिगत दुश्मनी, राजनीतिक मतभेदों या बाहरी कारणों से जोड़ने की एक चिंताजनक प्रवृत्ति देखी है। दोषियों को सरकार न बचाए।

18 दिन में 6 हिंदुओं की हत्या की गई

हाल ही में मालदीव की रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश में जब भी सरकार की पकड़ कमजोर होती है, तब हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा बढ़ जाती है। बढ़ते अत्याचारों की ओर इशारा करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा परिस्थितियां केवल हिंसक अपराधों का ही संकेत नहीं देतीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा करने में राज्य की विफलता को भी उजागर करती हैं। बांग्लादेश 18 दिनों में छह हिंदू पुरुषों की हत्या हो चुकी है।

हिमाचल : 500 फुट गहरी खाई में गिरी बस, 14 की मौत, 52 घायल

- सिरमौर जिले के हरिपुरधार में हुई बस दुर्घटनाग्रस्त

नाहन, एजेंसी

खाई में गिरी निजी बस के आसपास जमा लोग।

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में शुक्रवार दोपहर एक निजी बस के 500 फुट गहरी खाई में गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई और लगभग 52 अन्य यात्री घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई, जब शिमला से राजगढ़ होते हुए कुपवी जा रही बस हरिपुरधार गांव के पास सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी और पलट गई। बस में 39 लोगों के बैठने की व्यवस्था थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने घटना के प्रति शोक व्यक्त किया और कहा, मैं इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

कश्मकश अमेरिकी वाणिज्य मंत्री बोले-ट्रंप का ईगो हर्ट हुआ, भारत का जवाब-टिप्पणी गलत, 2025 में 8 बार बात हुई

मोदी ने ट्रंप को फोन नहीं किया, इसलिए रुकी ट्रेड-डील

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि भारत के साथ व्यापार समझौता इसलिए नहीं हो पाया क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को फोन नहीं किया। इससे ट्रंप का ईगो हर्ट हुआ। इस बीच, भारत ने जवाब दिया कि व्यापार समझौते के लिए वर्ष 2025 में आठ बार बात हुई, अमेरिकी मंत्री की टिप्पणी गलत है।

लुटनिक ने पॉडकास्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप समझौते चरणबद्ध तरीके से करते हैं। जो देश पहले चरण यानी पहली सीढ़ी पर सौदा करता है, उसे सबसे बेहतरीन शर्तें मिलती हैं। ट्रंप इस तरह से इसलिए काम करते हैं क्योंकि इस तरह से बातचीत में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन के साथ हुए समझौते के बाद हर किसी ने ट्रंप से पूछा कि अगला देश कौन सा होगा और राष्ट्रपति ने कई देशों के बारे में बात की। लुटनिक ने कहा कि हम भारत से बात कर रहे थे और भारत से कहा गया था कि उनके पास तीन शुक्रवार हैं। उन्हें यह काम पूरा करना ही होगा। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री ने कहा कि वह उन देशों के साथ समझौतों पर बातचीत करेंगे और पूरा सौदा तय करेंगे, लेकिन यह स्पष्ट होना चाहिए कि यह उनका (ट्रंप का) समझौता है। वही अंतिम निर्णय लेते हैं। वही समझौता करते हैं। उन्होंने कहा कि उनका कहना था कि व्यापार में मोदी को शामिल करने में सब कुछ तय रहा, पर कहा गया था कि मोदी से राष्ट्रपति को फोन करवाना होगा। भारत को ऐसा करने में असहजता महसूस हुई, इसलिए मोदी ने फोन नहीं किया।

भारत ने कहा है कि दोनों देश व्यापार समझौते को लेकर कई बार काफी करीब पहुंचे हैं और इस संबंध में अमेरिकी मंत्री की मीडिया में आई टिप्पणी सही नहीं है। भारत ने स्पष्ट किया है कि दोनों देशों के बीच परस्पर लाभकारी समझौते में उसकी अभी भी रूचि है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री मोदी व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच अच्छे संबंध हैं और दोनों नेता आठ बार टेलीफोन पर बात कर चुके हैं।

रूस से तेल खरीद और 500 प्रतिशत शुल्क वाले अमेरिकी विधेयक पर भारत की नजर

भारत ने कहा कि वह रूस से कच्चे तेल की खरीद पर 500 प्रतिशत शुल्क (टैरिफ) लगाने संबंधी प्रस्तावित अमेरिकी विधेयक से संबंधित घटनाक्रम पर करीब से नजर रखे हुए है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत और चीन उन चुनिंदा देशों में शामिल हैं जो रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदते हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित विधेयक की जानकारी है।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 10 जनवरी 2026 प्रदेश

न्यूज ब्रीफ

कौशांबी में 22.93 करोड़ से विकसित हो रहा बुद्ध थीम पार्क

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. में बौद्ध पर्यटन को सशक्त बनाने की दिशा में कौशांबी में विकसित हो रहा बुद्ध थीम पार्क एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। पर्यटन विभाग द्वारा कोसम इनाम गांव में 11 हेक्टेयर क्षेत्र में 22.93 करोड़ रुपये की लागत से इस महत्वाकांक्षी परियोजना को आकार दिया जा रहा है, जिसे वर्ष के अंत तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। पर्यटन मंत्री ने शुक्रवार को बताया कि यह थीम पार्क तेलंगाना के नागार्जुन सागर स्थित 'बुद्धवनम' की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है, जिसका मुख्य आकर्षण 'बुद्धचरित वनम' होगा। यहां भगवान बुद्ध के जन्म से लेकर महापरिनिर्वाण तक की जीवन यात्रा को कलात्मक मूर्तियों के माध्यम से दर्शाया जाएगा। विशेष रूप से स्तूप गैलरी में श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमार, दक्षिण कोरिया, नेपाल, तिब्बत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान सहित विभिन्न देशों के 13 प्रतिष्ठित स्तूपों की प्रतिकृतियां स्थापित की जाएंगी। साथ ही महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उप्र. के प्रमुख बौद्ध स्थलों का भी प्रतिनिधित्व किया जाएगा। प्रमुख सचिव पर्यटन अमृत अभिजात ने कहा कि यह परियोजना विरासत संरक्षण और आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का उत्कृष्ट उदाहरण बनेगी।

योजना बनाकर किसान करें आलू का भंडारण

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश प्रमुख आलू उत्पादक राज्यों में अग्रणी बना हुआ है। इस वर्ष भी अच्छी उपज होने की संभावना जताई जा रही है। उद्यान विभाग के अनुसार, प्रदेश में नये आलू की आवक मंडियों में मध्य दिसंबर से शुरू हो जाती है। मंडियों में नये आलू की अधिक आवक के चलते मांग-आपूर्ति के सिद्धांत के अनुसार, बाजार भाव पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। निदेशक उद्यान विभाग. भानु प्रकाश राम ने कहा कि आलू उत्पादक कृषक अपनी उपज की खुदाई, विपणन एवं भंडारण की योजना पहले से बनाएं। किसान बाजार भाव की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आलू का विक्रय या भंडारण करें, जिससे उन्हें अपनी उपज का अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके। बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 2243 निजी शीतगृह संचालित हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता लगभग 192 लाख मीट्रिक टन है। वर्ष 2025 में करीब 159 लाख मीट्रिक टन आलू का भंडारण किया गया था, जबकि लगभग 33 लाख मीट्रिक टन क्षमता खाली रही।

सपा ने बूथ पुनर्गठन पर उठाए सवाल

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत सामने आए "नो-मैपिंग" मतदाताओं और बूथ पुनर्गठन पर सवाल उठाए हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायत की। सपा का कहना है कि प्रदेश में एक करोड़ चार लाख से अधिक नो-मैपिंग मतदाताओं को नोटिस भेजे जा रहे हैं, जिनसे पहचान के लिए 2003 की मतदाता सूची या 12 निर्धारित दस्तावेजों में से एक मांगा जा रहा है। पार्टी ने मांग की है कि नो-मैपिंग मतदाताओं की सूची राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को भी दी जाए, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे।

यूपी दिवस की तैयारी ने पकड़ी रफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. की सांस्कृतिक गरिमा, विकास यात्रा और वैश्विक पहचान को सशक्त रूप से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले 'उत्तर प्रदेश दिवस-2026' की तैयारियों को गति मिल गयी है। इसी क्रम में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को राष्ट्र प्रेरणा स्थल पहुंचकर आयोजन की तैयारी का स्थलीय निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष यूपी दिवस की गूंज देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक पहुंचाने की योजना है, जिसके तहत प्रवासी उत्तर प्रदेश वासियों वाले देशों में भी आयोजन किए जाएंगे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि 24 से 26 जनवरी तक प्रस्तावित कार्यक्रमों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस वर्ष यूपी दिवस को पूर्व वर्षों की तुलना में अधिक भव्य, दिव्य और नव्य स्वरूप में आयोजित किया जाएगा, जिससे प्रदेश की गौरवशाली पहचान देश और विदेश तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश के गृह मंत्री अमित शाह को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

घर बैठे सुलझेंगे एसजीएसटी से जुड़े विवाद, मिलेगी राहत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **ई-ऑफिस प्रणाली से शिकायतों का होगा निस्तारण**

अमृत विचारः राज्य कर विभाग ने व्यापारियों और विभागीय कर्मचारियों की शिकायतों के तेज, पारदर्शी और ट्रैक योग्य निस्तारण के लिए ई-ऑफिस प्रणाली लागू कर दी है। इस नई व्यवस्था के तहत टैक्स से जुड़े विवाद अब घर बैठे ऑनलाइन सुलझाए जा सकेंगे। विभाग की प्रमुख सचिव कामिनी रतन चौहान ने बताया कि ई-ऑफिस से शिकायतों की पेंडेंसी खत्म होगी और शिकायतकर्ता को हर चरण की स्वचालित सूचना मिलती रहेगी।

उन्होंने कहा कि शिकायतों से जुड़ी समस्त पत्रावलियां शासन की निरंतर निगरानी में रहें, इसके लिए निस्तारण की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन किया जा रहा है। शासन के ई-ऑफिस से राज्य कर आयुक्त कार्यालय को जोड़ा जाएगा, जिससे विभागीय कार्यों के साथ-साथ शिकायतों का निस्तारण भी एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हो सकेगा।

नई प्रणाली के तहत जो भी शिकायतें प्राप्त होंगी, उन्हें ई-पर्ची में परिवर्तित कर ई-ऑफिस पर दर्ज किया जाएगा। इससे शिकायतों की ऑनलाइन ट्रैकिंग संभव होगी। व्यापारियों और कर्मचारियों को सीधे संवाद का अवसर देने के लिए प्रमुख सचिव ने हर बुधवार नियमित जनसुनवाई का निर्णय लिया है। समय सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक।

राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर मदरसा अशरफिया की मान्यता रद्द

आजमगढ़ के मुबारकपुर में है मदरसा, मिली भारी अनियमितता, देश के तीन बड़े मदरसों में शामिल

इंद्रभूषण दुबे, लखनऊ

आजमगढ़ का मदरसा अशरफिया

अमृत विचारः राष्ट्रविरोध गतिविधियों संलिप्त आजमगढ़ मुबारकपुर स्थित मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशरफिया मिस्बाहुल उलूम की मान्यता रद्द कर दी गई है। यह आदेश उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद ने शुक्रवार को जारी किया। मदरसा बोर्ड ने मदरसा प्रबंधन द्वारा की गई गंभीर, सुनियोजित और निरंतर अनियमितताएं, वित्तीय गड़बड़ियां और राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियों को आधार बताते हुए कार्रवाई की है।

परिषद के अभिलेखों के अनुसार, आजमगढ़ मुबारकपुर स्थित मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशरफिया मिस्बाहुल उलूम को मान्यता करीब 78 वर्ष पूर्व 28 सितंबर, 1948 को उच्च आलिया स्तर की स्थायी मान्यता प्रदान की गई थी। लेकिन उपलब्ध दस्तावेजों, विभागीय जांच, पंजीकृत एफआईआर और एटीएस की जांच रिपोर्ट के सम्यक परीक्षण में यह तथ्य निर्विवाद रूप से सामने आया कि मदरसा प्रबंधन ने मान्यता की शर्तों और मदरसा सेवा विनियमावली का घोर उल्लंघन किया। आजमगढ़ मुबारकपुर स्थित मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशरफिया मिस्बाहुल उलूम का नाम देश के तीन बड़े मदरसों में शामिल है। टॉप थ्री में मदरसा अशरफिया के अलावा नदवा और देवबंद का नाम शामिल है।

एटीएस रिपोर्ट ने बढ़ाई चिंता

एटीएस की जांच रिपोर्ट में शमसुल हुदा की गतिविधियों को अत्यंत गंभीर और संदिग्ध बताया गया है। साथ ही मदरसा प्रबंधन की समस्त गतिविधियों को राज्य की आंतरिक सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और शासन की पारदर्शी अनुदान प्रणाली के प्रतिकूल माना गया है। इससे संस्था की विश्वसनीयता, उद्देश्य और वैधानिक चरित्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं।

विदेश में इमाम, यहां से लेता रहा वेतन और पेंशन : जांच में सामने आया कि ब्रिटेन नागरिकता हासिल करने के बाद मौलाना शमसुल हुदा खान को अवैतनिक अवकाश के नाम पर पांच वर्ष सात माह तीन दिन तक मदरसे से अनियमित रूप से अनुपस्थित रखा गया। इतना ही नहीं, 502 दिनों का चिकित्सीय अवकाश मनमाने ढंग से स्वीकृत किया गया। गंभीर आरोप यह भी है कि भारत की नागरिकता का परित्याग कर ब्रिटेन की एक मस्जिद में इमाम के रूप में नियुक्त होकर विदेश में निवास करने के बावजूद मदरसे से वेतन आहरित कराया गया। सेवाओं के संतोषजनक सत्यापन के बिना स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्वीकृत कर पेंशन, जीपीएफ और अन्य सेवानिवृत्त देयकों का अवैध व कपटपूर्ण भुगतान किया गया। परिषद का स्पष्ट कहना है कि यह केवल सेवा नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि राजकोष को वित्तीय क्षति पहुंचाने वाला संगठित आपराधिक कृत्य है।

प्रबंधन की भूमिका संदिग्ध, एफआईआर में बढ़ा नाम : इन अनियमितताओं में मदरसा प्रबंधक सरफराज अहमद, प्रधानाचार्य मोहम्मद अहमद मिस्बाही और निजामुद्दीन की भूमिका प्रथम दृष्टया आपराधिक पाई गई है। इसी के कारण थाना मुबारकपुर, आजमगढ़ में 9 जून 2025 को दर्ज की गई एफआईआर में इनके नाम बढ़ाए गए हैं। मामले की जांच पुलिस कर रही है।

मुख्यमंत्री की घोषणा : 6 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग अगले माह

कहा- यूपी में इंडस्ट्री फर्स्ट, इन्वेस्टर्स फर्स्ट का मंत्र, निवेशक किसी भी सेक्टर में दे सकते हैं योगदान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **योगी ने राजनाथ समेत अन्य मंत्रियों के साथ अशोक लेलैंड के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण प्लांट का भ्रमण भी किया**

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि "इंडस्ट्री फर्स्ट, इन्वेस्टर्स फर्स्ट" के दृष्टिकोण से निवेशकों का पसंदीदा स्थल यूपी बन चुका है। उन्होंने घोषणा की कि अगले महीने 6 लाख करोड़ रुपये के अन्य निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग की जाएगी। जबकि पांच लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव अभी पाइपलाइन में और हैं, जिनकी ग्राउंड ब्रेकिंग भी जल्द कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी ने शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारी उद्योग व इस्पात मंत्री एचडी कुमार स्वामी और अपने मंत्रियों के साथ अशोक लेलैंड के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण प्लांट का भ्रमण भी किया। कार्यक्रम में योगी ने पीएम मोदी के विजन-2047 का जिक्र करते हुए कहा कि हर देशवासी ने भारत को विकसित-आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है। पिछले 8-9 वर्ष में यूपी में 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए। इसमें से 15 लाख करोड़ के प्रस्ताव की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। अगले महीने छह लाख करोड़ के अन्य निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग की जाएगी। पांच लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव अभी पाइपलाइन में और हैं, जिनकी यूपी में ग्राउंड ब्रेकिंग कराई जाएगी।

इस अवसर पर अशोक लेलैंड के चेयरमैन धीरज हिंदुजा ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि एमडी-सीईओ शेनू अग्रवाल ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, विधायक राजेश्वर सिंह, स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज सिंह आदि मौजूद रहे।

लखनऊ स्थित अशोक लेलैंड के प्लांट में इलेक्ट्रिक वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी व अन्य मंत्रीगण।

उत्पादन क्षमता बढ़ानी है 5000 यूनिट प्रतिवर्ष

योगी ने कहा कि अशोक लेलैंड की इस इकाई की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता अभी 2500 यूनिट प्रति वर्ष है। इसे चरणबद्ध ढंग से 5000 यूनिट प्रतिवर्ष तक बढ़ाना है। इसमें प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रदेश के हजारों युवाओं के लिए नौकरी व रोजगार की संभावनाएं भी विकसित हुई हैं।

देश की जीडीपी में 9.5 प्रतिशत का योगदान कर रहा यूपी

सीएम योगी ने कहा कि यूपी देश की जीडीपी में 9.5 प्रतिशत का योगदान कर रहा है। यूपी की जीएसडीपी इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 36 लाख करोड़ की हो जाएगी। प्रधानमंत्री ने 2027 में भारत की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के रूप में बदलने को कहा है तो हमने भी लक्ष्य तय किया है कि 2029-30 में यूपी वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनेगा।

गुंडों की जगह यूपी की पहचान बना उद्योग

अशोक लेलैंड कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण की नई यूनिट के उद्घाटन अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश कभी बीमारू राज्य और गुंडों-अपराधियों के नाम से पहचाना जाता था, आज वहां सीएम योगी की वजह से उद्योग की बड़ी-बड़ी इकाइयां स्थापित हो रही हैं। उन्होंने जिस तरह से प्रदेश की कानून-व्यवस्था और औद्योगिक निवेश के लिए सकारात्मक माहौल तैयार किया है, वह प्रशंसनीय है।

निवेश की कहानी एक परियोजना तक सीमित नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **ग्राउंड ब्रेकिंग से लेकर उत्पादन तक ठोस प्रगति**
- **यूपी की निवेश यात्रा लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही**

अमृत विचारः प्रदेश अब देश के प्रमुख निवेश और औद्योगिक विकास केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। बीते कुछ वर्षों में राज्य सरकार द्वारा किए गए व्यापक नीतिगत सुधार, सिंगल विंडो सिस्टम और तेज अनुमतियों का असर अब जमीन पर साफ दिखने लगा है। इसका ताजा और सशक्त उदाहरण अशोक लेलैंड का नया प्लांट है, जो यह साबित करता है कि प्रदेश में निवेश अब केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि तेजी से उत्पादन और रोजगार में बदल रहा है।

निवेश की कहानी सिर्फ एक परियोजना तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश की निवेश यात्रा लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। 2018 के उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट में राज्य को 4.28 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले। 2023 के यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में यह आंकड़ा बढ़कर करीब 35 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। अगले साल 45 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। ब्रेकिंग समारोहों के माध्यम से धरातल पर उतारने की ठोस शुरुआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने यह साबित किया है कि यहां निवेश के लिए केवल आकर्षक नीतियां ही नहीं, बल्कि मजबूत क्रियान्वयन व्यवस्था भी मौजूद है।

तेज अनुमतियां, उद्योग-अनुकूल माहौल, बेहतर बुनियादी ढांचा और प्रभावी प्रशासनिक सहयोग ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। अशोक लीलैंड के प्लांट में करीब 252 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। परियोजना की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 20 फरवरी 2024 को हुई थी और दो वर्षों से भी कम समय में प्लांट का धरातल पर उतर आना प्रदेश की बदली हुई कार्यसंस्कृति और मजबूत क्रियान्वयन क्षमता को दर्शाता है।

16,000 से ज्यादा परियोजनाओं का ग्राउंड ब्रेकिंग

योगी सरकार में अबतक 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश वाली 16,000 से ज्यादा परियोजनाओं का ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुका है। इनमें से 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की 8,300 से ज्यादा परियोजनाएं वाणिज्यिक संचालन में आ चुकी हैं। वहीं 10 लाख करोड़ रुपये मूल्य की 8,100 से अधिक परियोजनाएं क्रियान्वयनाधीन हैं। प्रदेश की औद्योगिक प्रगति औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में भी परिलक्षित हो रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मार्च 2025 के दौरान विनिर्माण सूचकांक 167.97 और सामान्य सूचकांक 157.73 है।

पेंशनर्स को कैशलेस चिकित्सा सुविधा जल्द, दूर होंगी दिक्कतें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने आश्वासन दिया कि पं. दीन दयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के क्रियान्वयन में आ रही दिक्कतों के समाधान के लिए गठित समिति की संस्तुतियों को शीघ्र लागू किया जाएगा। साथ ही पेंशनर्स के आश्रितों की आय सीमा बढ़ाने, तकनीकी परीक्षण के लिए निर्धारित 50 हजार रुपये की सीमा में वृद्धि करने की भी सहमति दी गयी है।

अपर मुख्य सचिव, विधानभवन स्थित सभागार में शुक्रवार को संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति, उप्र. के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक में प्रदेश के पेंशनर्स एवं उनके आश्रितों से जुड़ी चिकित्सा सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई और कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनी। बैठक में पेंशनर्स को हर बार अपरिहार्यता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की बाध्यता पर पुनर्विचार तथा एनपीएस के अंतर्गत नियुक्त कार्मिकों को सेवानिवृत्ति के बाद भी चिकित्सा सुविधा देने पर सहमति व्यक्त की गई। इसके अलावा सेवानिवृत्त शिक्षकों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करने और विधवा पुत्रवधू को परिवार की श्रेणी में शामिल करने जैसे विषयों पर भी सकारात्मक निर्णय लिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि इन सभी मामलों में की गई कार्रवाई की समीक्षा 25 जनवरी 2025 से पहले की जाए, जिसमें संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

जीसीसी इकाइयों को भूमि पर मिलेगी फ्रंट-एंड सब्सिडी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक की मंजूरी के बाद ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) इकाइयों के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी की गई है। इसके तहत पात्र इकाइयों को भूमि क्रय पर फ्रंट-एंड लैंड सब्सिडी दी जाएगी, जिससे प्रदेश में आईटी और सेवा आधारित उद्योगों को नई गति मिलने की उम्मीद है। नई एसओपी के अनुसार, प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में निवेश को संतुलित करने के उद्देश्य से भूमि सब्सिडी की दरें निर्धारित की गई हैं। पूर्वांचल और बुंदेलखंडः अधिकतम 50 प्रतिशत भूमि सब्सिडी मिलेगी, जबकि पश्चिमांचल (गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद को छोड़कर) एवं मध्यांचल को 40 प्रतिशत और गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद को 30 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। सरकार का उद्देश्य यह है कि विकसित क्षेत्रों के साथ-साथ पूर्वांचल और बुंदेलखंड जैसे अपेक्षाकृत पिछड़े क्षेत्रों में भी निवेश और रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ें।

डिजिटल मंडियों से बढ़ा कारोबार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **162 मंडियों में ई-नैम से खरीद व बिक्री में हुआ फायदा**
- **किसान ऑनलाइन बेच रहे वाजिब दामों पर उपज**

अमृत विचार : नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट (ई-नैम) से आपस में जुड़ी प्रदेश की 162 मंडियों में किसानों और व्यापारियों के लिए कारोबार आसान हो गया है। इस डिजिटल प्रणाली से दिन पर दिन किसान और व्यापारी जुड़ रहे हैं तो मंडी परिषद भी इनकी सुविधाओं को देखते हुए शेष मंडियों को ई-नैम से जोड़ने की तैयारी में है।

प्रदेश में कुल 251 मंडियां हैं। इनमें वर्ष 2016-17 में 66 मंडियां ई-नैम प्रणाली से जोड़ी गईं थी। इस प्रक्रिया में आपस में जुड़ी जिलों की मंडियों से किसान ऑनलाइन अपनी उपज प्रदर्शित करके वहां के व्यापारियों से सीधे संपर्क में आकर बिक्री करते हैं। व्यापारी स्वयं उपज भी मंगाते हैं। इसके अलावा मंडियों में बनी लैब में उपज का परीक्षण किया जाता है और उसी आधार पर ग्रेडिंग और दाम तय होते हैं। इससे किसानों को उनकी उपज के पूरे दाम मिलते हैं और भुगतान भी 24 घंटे के अंदर उनके खातों में आता है। इस प्रणाली से किसान और व्यापारियों को फायदा हुआ तो वर्ष 2017-18 में 34 मंडी, वर्ष 2020-21 में 25 मंडी, वर्ष 2024-25 में 37 मंडी ई-नैम से आपस में जोड़ी गई। इससे कारोबार की राह आसान होने पर मंडी परिषद ने शेष मंडियों को ई-नैम से जोड़ने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है।

40,935 कारोबारी व 33 लाख किसान जुड़े

करीब 10 वर्ष में ई-नैम से जुड़ी 162 मंडियों में 40,935 व्यापारी और 33,05,600 किसान डिजिटल कारोबार कर रहे हैं। कागजी प्रक्रिया के साथ समय की बचत हुई है और औने-पौने दामों में उपज की बिक्री रुकी है। वहीं, ऑनलाइन प्रणाली से मंडी समितियों के कार्यों में पारदर्शिता आई है और कार्य भी आसान हो गए हैं। इन वर्षों में कारोबार में भी तेजी से इजाफा हुआ है। अब तक 814.86 लाख मीट्रिक टन उपज किसानों ने बेची है।

पुनर्गठन राज्य उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिवों में 30 फीसदी बदलाव की तैयारी

मंत्रिमंडल विस्तार के साथ भाजपा संगठन में होगा बदलाव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, ओबीसी-एससी-एसटी मोर्चा में शामिल हो सकते नए चेहरे**

अमृत विचारः प्रदेश में खरमास बाद मंत्रिमंडल विस्तार के तुरंत बाद भारतीय जनता पार्टी संगठनात्मक ढांचे को पुनर्गठित करेगी। पार्टी के भीतर चल रही तैयारियों के अनुसार, राज्य इकाई में लगभग 30 फीसदी संगठनात्मक बदलाव किए जाने की योजना है। इसमें राज्य उपाध्यक्ष, महामंत्री सचिव स्तर के पद भी शामिल बताए जा रहे हैं। गंभीर, सधे हुए शब्दों पर विपक्ष पर धारदार हमला करने वाले प्रवक्ताओं समेत मीडिया टीम में भी युवा चेहरे शामिल हो सकते हैं।

भाजपा में नए प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी संभालने के बाद पंकज चौधरी अपने गृह व कार्य क्षेत्र वाले जिलों महाराजगंज और गोरखपुर के बाद मऊ और वाराणसी में स्वागत समारोह के जरिए नई भरोसेमंद टीम में कौन-कौन शामिल होगा, इसका खाका खींचते दिखे। राजधानी लखनऊ में उनकी नाम मात्र पहले सक्रियता नहीं थी, ऐसे में संगठन क्षमताओं के साथ अपनी बातें आमजन तक पहुंचाने के लिए पंचायत चुनाव और अगले साल विधानसभा चुनावों में उनकी अग्निपरीक्षा होनी है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित सूची को अंतिम रूप देने से पहले केंद्रीय नेतृत्व की सहमति ली जाएगी। माना जा रहा है कि अगले कुछ हफ्तों में यह प्रक्रिया पूरी कर संगठनात्मक बदलावों की औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी।

जातीय-सामाजिक संतुलन और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व पर जोर

सूत्रों के मुताबिक, संगठनात्मक फेरबदल में क्षेत्रीय संतुलन, सामाजिक प्रतिनिधित्व और प्रदर्शन को प्रमुख मानक बनाया गया है। कुछ पुराने पदाधिकारियों की भूमिका बदली जा सकती है, जबकि कई जिलों और मंडलों से उभरकर आए नेताओं को प्रदेश स्तर पर मौका मिल सकता है। सिर्फ मुख्य संगठन ही नहीं, बल्कि पार्टी के सभी प्रमुख मोर्चों में भी बदलाव की तैयारी है। युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, ओबीसी मोर्चा और एससी-एसटी मोर्चा के नेतृत्व में नए चेहरों को जिम्मेदारी देने पर गंभीर मंथन चल रहा है।

सरकार-संगठन समन्वय रहेगा केंद्रीय मुद्दा

संगठन में प्रस्तावित बदलावों के पीछे सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की रणनीति भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही सरकार की नीतियों और योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए संगठन को मजबूत करना प्राथमिकता मानी जा रही है। यही कारण है कि संगठन सचिवों की भूमिका पर विशेष फोकस है।

जीएसटी चोरी करने वाले गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विभिन्न राज्यों और उत्तर प्रदेश में जीएसटी चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा एसटीएफ ने शुक्रवार को किया। इस गिरोह ने कई राज्यों व उत्तर प्रदेश के ज्यादातर जिलों में बोगस फर्मों का पंजीकरण कर फर्जी इनवॉइस और ई-वे बिल के जरिए जीएसटी चोरी की।

एसटीएफ ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरोह ने फर्जी तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) बेचकर 100 करोड़ रुपये से अधिक की राजस्व क्षति पहुंचाई। एसटीएफ के डिप्टीएसपी प्रमेश कुमार शुक्ला के मुताबिक शुक्रवार को नोएडा कार्यालय में पूछताछ के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में नई दिल्ली के टैगोर गार्डेन के हरदीप सिंह उर्फ प्रिंस, कुतुब बिहार गोयला डेयरी भाई-भाई रोड ई-ब्लॉक निवासी जितेंद्र झा, पश्चिम बिहार प्राचीन अपार्टमेंट निवासी पुनीत अग्रवाल और विजय इन्क्लेव गली नंबर-7 नियर पालम सर डावरी रोड निवासी शिवम शामिल है।

एसटीएफ ने आरोपियों के पास से दो लैपटॉप, नौ मोबाइल फोन, तीन आधार कार्ड और 55,840 रुपये नकद बरामद किया है।

न्यूज ब्रीफ

टावर के उपकरण चोरी करने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, मलिहाबाद : मोबाइल टॉवर से और बिजली के तार चोरी करने वाले आरोपी को मलिहाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से तीन बोरी केबल, कटर, आरी समेत अन्य औजार बरामद किए हैं। एसीपी मलिहाबाद सुजीत दुबे ने बताया कि 28 दिसंबर की रात मुजासा गांव के पास एक टेलिकॉम कंपनी के मोबाइल टावर से बिजली के तार और उपकरण चोरी हुए थे। कंपनी के टेक्नीशियन अनुभव यादव ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी। जांच के दौरान पुलिस ने माल रोड रेलवे क्रॉसिंग के पास आरोपी को दबोच लिया। आरोपी विकास शुक्ला उर्फ बॉनबीटा निवासी मीरावां उन्नाव है। आरोपी अपने ससुराल मलिहाबाद के गढ़ी संजर खां में रह रहा था। आरोपी ने कबूला कि उसने तीन साथियों सुनील रावत, बसंतलाल उर्फ बसंता और यूनुस के साथ मिलकर लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में कई जगहों पर बिजली के तार, समरसेबल पंप और ट्रांसफार्मर के तार चोरी किए थे। आरोपी विकास शुक्ला के खिलाफ करीब 15 मामले दर्ज हैं।

युवक का बैग छीनकर बदमाश फरार

अमृत विचार, आलमबाग : कृष्णानगर में पांच दिन पूर्व दिल्ली के लिए बस पकड़ने जा रहे युवक का बैग छीनकर बदमाश फरार हो गया। जिसमें कंपनी का लैपटॉप, मोबाइल फोन, कपड़े व अन्य सामान था। पीड़ित ने घटना की शिकायत ऑनलाइन पुलिस से की है। पुलिस ने गुरुवार को रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मूलरूप से बलिया सिकंदरपुर निवासी सुबोध सांकृत्या ने बताया कि वह अपने गृह जनपद से पांच दिन पूर्व 3 जनवरी की शाम दिल्ली जाने के लिए बस पकड़ने लखनऊ पहुंचे थे। बारावीरवा नहर चौराहे से ट्रांसपोर्ट नगर दिल्ली की बस पकड़ने जा रहे थे। तभी एक बदमाश उनका बैग छीनकर फरार हो गया।

क्रिकेट टूर्नामेंट में गढ़ी टीम ने दर्ज की जीत

अमृत विचार, निगोहां : एसएनटी मैदान में आयोजित ग्राम सभा क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन शुक्रवार को दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। दिन का पहला मैच निगोहां और उदयपुर टीम के बीच खेला गया। टॉस जीतकर उदयपुर टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 91 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में निगोहां बाजार टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 11.2 ओवर में 6 विकेट से लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की। दूसरा मुकाबला कनकहा और गढ़ी टीमों के बीच खेला गया। टॉस जीतकर कनकहा टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 102 रन का मजबूत लक्ष्य खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गढ़ी टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मात्र 9.3 ओवर में ही जीत दर्ज कर ली।

आलमबाग बस अड्डे पर 950 बसों के लिए महज 45 प्लेटफार्म

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

आलमबाग बस अड्डे के बाहर जाम लगाती बसें।

अमृत विचार: चारबाग बस स्टेशन से रोडवेज बसों को आलमबाग बस अड्डे पर शिफ्ट करने का फैसला यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से लिया गया यह निर्णय जमीनी स्तर पर अव्यवस्था का रूप ले चुका है। आलमबाग बस अड्डे पर हालात ऐसे हैं कि बसें, यात्री और आसपास की सड़कें तीनों ही चरमराई नजर आ रही हैं।

आंकड़े बड़े, व्यवस्था कमजोर : आलमबाग बस अड्डे से प्रतिदिन करीब 950 रोडवेज बसों का संचालन किया जा रहा है। प्रत्येक बस की औसत क्षमता 52 यात्रियों की है। बसों के लिए कुल 45 प्लेटफार्म हैं, जबकि दावा किया जा रहा है कि हर दो मिनट में एक बस रवाना हो रही है। 45 प्लेटफॉर्म पर रोजाना औसतन 21–22 बसें प्रति प्लेटफॉर्म संचालित करनी पड़ रही हैं। एक बस को प्लेटफार्म पर खड़ा करने, यात्रियों को बैठाने और रवाना करने में कम से कम 8–10 मिनट का समय लगता है। ऐसे में हर दो मिनट में बस संचालन का दावा पूरी तरह अव्यावहारिक लगता है।

समय सारणी में टकराव, प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी

- बस संचालन के लिए बनाई गई समय सारणी आपस में टकरा रही है। कई बसें एक ही समय पर एक ही प्लेटफॉर्म पर पहुंच रही हैं, जिससे लंबी कतारें लग रही हैं। ड्राइवर और कंडक्टरों के बीच विवाद बढ़ रहा है और यात्रियों में भ्रम व नाराजगी भी बढ़ रही है।

200 मीटर में दर्जन भर बसें, सड़कें जाम

- बस अड्डे से बाहर महज 200 मीटर के दायरे में दर्जन भर बसें सड़क पर खड़ी हैं। प्लेटफॉर्म खाली न मिलने के कारण बसों को सड़क पर खड़ा किया जा रहा है, जिससे आसपास की मुख्य सड़कें पूरी तरह जाम हो रही हैं। लोकल ट्रैफिक ठप है और एम्बुलेंस व आपात सेवाओं की राह भी बाधित हो रही है।

चारबाग से शिफ्टिंग की जानकारी नहीं, यात्री परेशान

- सबसे अधिक परेशानी उन यात्रियों को हो रही है जिन्हें यह सूचना नहीं मिल पाई कि बसें चारबाग से हटकर आलमबाग आ चुकी हैं। दूर–दराज से आने वाले यात्री चारबाग पहुंचकर बसें न मिलने से भटक रहे हैं। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे ज्यादा कठिनाई हो रही है।

न सूचना बोर्ड, न कर्मचारी

- बस अड्डे पर पर्याप्त सूचना बोर्ड नहीं हैं और न ही मार्गदर्शन के लिए कर्मचारी तैनात हैं। यात्रियों को खुद ही अंदाजा लगाना पड़ रहा है कि उनकी बस किस प्लेटफॉर्म से चलेगी। कई यात्रियों ने घंटों इंतजार करने के बाद भी सही जानकारी न मिलने की शिकायत की।

सुधार की योजना

- राजेश कुमार सिंह, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, आलमबाग बस डिपो ने बताया कि बसों के संचालन के लिए नई समय सारणी बनाई जा रही है। कुछ दिनों में व्यवस्था बेहतर हो जाएगी। पूर्वांचल रूट की कुछ बसों को अवध बस स्टैंड पर शिफ्ट किया जा सकता है।

चलती कार में बेहोश हुआ युवक, पुलिस ने दरवाजा तोड़कर बचाई जान

अमृत विचार , निगोहां : थाने के पास शुक्रवार दोपहर एक चलती कार अचानक बीच सड़क पर रुक गई। काफी देर तक कार स्थिर खड़ी रहने पर राहगीरों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही निगोहां कस्बा इंचार्ज अनूप तिवारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। बाहर से आवाज देने और खटखटाने पर कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर कस्बा इंचार्ज ने कार का शीशा तोड़कर युवक को बाहर निकाला। युवक की पहचान मीरकनगर निवासी सरवन के रूप में हुई। परिजन को सूचना देकर मौके पर बुलाया गया। परिजन ने बेहोश सरवन को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। छानबीन में पता चला कि कार में लंबे समय तक एसी-ब्लोवर चलाने से ऑक्सीजन की कमी के कारण सरवन बेहोश हो गया था।

79.80 लाख बकाये पर नौ भवन सील

नगर निगम ने की कार्रवाई, एक भवन में संचालित थी दो बैंक, मौके पर भवन स्वामियों ने जमा किए 13,14,607

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

जोन–1 अंतर्गत बकाया पर भवन सील करती नगर निगम की टीम।

भवन सील कर गेट पर नोटिस चस्पा करता कर्मी।

अमृत विचार : नगर निगम ने शुक्रवार को जोन-1, 2 व 8 में अभियान चलाकर 79,80,225 गृहकर बकाया होने पर नौ भवन सील किए। इनमें जोन-1 अंतर्गत विधानसभा मार्ग स्थित व्यावसायिक भवन में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शाखाएं संचालित हैं। मौके पर कुछ भवन स्वामियों ने 13,14,607 आंशिक रूप में जमा किए।

नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर टीम ने पहले जोन-1 के जेसी बोस वार्ड में बकायेदारों के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान विधानसभा मार्ग स्थित अतुल चरण व अन्य के नाम दर्ज व्यावसायिक भवन 16,27,147 रुपये गृहकर बकाया होने पर सील कर दिया। भवन में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शाखाएं संचालित हैं। सीलिंग के दौरान भवन स्वामी ने 4 लाख रुपये जमा किए और 4 लाख रुपये चेक अग्रिम तिथि का दिया। इसी जोन के अंतर्गत कैंट रोड पर फरीदा इकबाल के भवन का 4,29,695 रुपये बकाया होने पर सील किया।

वहीं, जोन-2 अंतर्गत प्रीती जायसवाल के भवन का 65,046 रुपये बकाया होने पर सीलिंग की कार्रवाई के दौरान आपत्ति प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। निस्तारण के दौरान 55,045 रुपये जमा किए गए। वहीं, भवन स्वामी ईश्वर मॉल पर 58,337 रुपये बकाया होने पर सीलिंग की गई। इस दौरान आंशिक भुगतान 19 हजार रुपये किया गया। जोन-8 में वार्ड राजा बिजली पासी प्रथम क्षेत्र में 58 लाख रुपये बकाया होने पर पांच भवन एवं प्रतिष्ठान सील किए। कुर्की की कार्रवाई में एक भवन का 3,40,533 रुपये व दूसरे का 5,00,029 रुपये जमा किया गया।

आज और कल जमा करें गृहकर

- **अमृत विचार, लखनऊ:** नगर निगम के शनिवार और रविवार को सभी जोनल कार्यालय एवं कर काउंटर सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक खुले रहेंगे। इस दौरान भवन स्वामी अपना गृहकर व जलकर जमा कर सकेंगे। साथ ही भवन स्वामियों का कर निर्धारण, फीडिंग, संशोधन, आपत्तियों का निस्तारण तथा कर जमा कराने से संबंधित समस्त कार्य किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त सभी वार्डों में कर जमा कराने के लिए कैंप लगाकर व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाएगा। ताकि नागरिकों को अपने ही क्षेत्र में कर निर्धारण एवं कर भुगतान की सुविधा मिल सके।

सील किए गए भवन के गेट पर ताला लगाते कर्मचारी। अमृत विचार

सड़कों से हटाया अतिक्रमण, वसूला जुर्माना

- **अमृत विचार, लखनऊ :** नगर निगम ने शुक्रवार को शहर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। सड़क व फुटपाथ पर मिला सामान जब्त किया। साथ ही दुकानदारों से जुर्माना वसूला और दोबारा अतिक्रमण करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। जोन–3 में जोनल अधिकारी आकाश कुमार के नेतृत्व में अलीगंज क्षेत्र में यादव लोहा भंडार से कूड़ेघर तक दोनों पट्टियों पर सार्वजनिक मार्ग पर किया अतिक्रमण हटाया गया। इसी क्रम में जोन–5 अंतर्गत कानपुर रोड पर दरोगा खेड़ा से लखनऊ हॉस्पिटल, कृष्णानगर तक ठेले, ठेलिया, खुमचा, गुमटी और काउंटर हटाए। कुछ सामान जब्त किया। गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग पर 8 हजार रुपये शमन शुल्क भी वसूल किया। वहीं, जोन–8 में अवैध होल्डिंग, बैनर और पोस्टर के विरुद्ध वृहद अभियान चलाया गया। अमौसी एयरपोर्ट से स्कूटर इंडिया चौराहे तक और आसपास के क्षेत्रों में ठेले, खोमचे और अन्य अवैध ढांचे हटाए और बोर्ड, स्टैंडिंग बोर्ड, जूस काउंटर आदि सामान जब्त किया।

गंदगी और सिंगल यूज प्लास्टिक पर 76,400 जुर्माना

- टीम ने जोन–3 में केशव नगर रोड पर गंदगी, अतिक्रमण और सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग करने वाले 12 दुकानदारों को चिह्नित करके 21,400 रुपये जुर्माना जमा कराया। जोन–7 के अंतर्गत इंटीग्रल यूनिवर्सिटी कुर्सी रोड, दसौली कुर्सी रोड, टेढ़ीपुलिया चौराहा सहित आसपास के क्षेत्रों में अभियान चलाया गया। इस दौरान सुनील किराना स्टोर, मोहम्मद सुफियान, किंग बेकरी और अंग्रेजी शराब ठेका (दसौली कुर्सी रोड) समेत कई प्रतिष्ठानों में मिली 15 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथीन जब्त की सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर 50 हजार रुपये व गंदगी फैलाने पर 5 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया।

मजदूर का शव रखकर प्रदर्शन, कार्रवाई की मांग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- महानगर पुलिस ने समझा-बुझाकर परिवार को कराया शांत

अमृत विचार: गोमतीनगर के समता मूलक चौराहे के पास गोमती नदी में बुधवार को मिले महानगर निवासी मजदूर दिनेश कश्यप (35) के शव का शुक्रवार को पोस्टमार्टम हुआ। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजन के सुपुर्द कर दिया। शव घर लेकर पहुंचे परिवारवालों ने हत्या के आरोप लगाते हुए शव रखकर प्रदर्शन किया। हंगामे की सूचना पर एसीपी महानगर अंकित सिंह और इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार मिश्र मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। उसके बाद समझा-बुझाकर परिवार को शांत कराया।

महानगर इंस्पेक्टर अखिलेश मिश्रा ने बताया कि पेपर मिल कॉलोनी स्थित प्रेम बाजार तकिया निवासी दिनेश 1 जनवरी की सुबह पड़ोसियों से झगड़ा कर घर से चला गया था। 4 जनवरी को पत्नी ने गुमशुदगी दर्ज करायी थी। बुधवार को उसका शव गोमती नदी में मिला, लेकिन शिनाख्त नहीं हुई। गुरुवार को परिवार ने पोस्टमार्टम गृह पहुंचकर शव की शिनाख्त की थी। साथ ही परिवार ने पड़ोसी पर हत्या करने का आरोप लगाया था। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत की पुष्टि हुई है। उधर, शुक्रवार की शाम परिवार के लोग शव लेकर घर पहुंचे और उन्होंने प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिवारवालों ने कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने उन्हें कार्रवाई का आश्वासन देकर प्रदर्शन खत्म कराया। एसीपी महानगर अंकित सिंह ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे की मदद से छानबीन की जा रही है।

एक्सप्रेस-वे सर्विस रोड से नीचे गिरी कार व लोडर, तीन घायल

- **अमृत विचार , काकोरी :** थाना क्षेत्र के बबुरिया खेड़ा अंडरपास के पास आगरा एक्सप्रेस–वे की सर्विस रोड पर शुक्रवार रात अनियंत्रित एक कार और एक लोडर वाहन नीचे जा गिरे।

हादसे में कार सवार दो लोग और लोडर चालक घायल हो गए। सूचना पर काकोरी इंस्पेक्टर सतीश चन्द्र राठौर मौके पर पहुंचे। जहां राहगीरों की मदद से कार में फंसे मुनेंद्र और गिरधारी निवासी मिश्रिख सीतापुर को बाहर निकाला गया। दोनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भेजा गया है। वहीं, लोडर चालक सौरभ उर्फ मयंक मिश्रा निवासी गढ़ी फतेहाबाद हसनगंज उन्नाव को मामूली चोटें आईं। उसे परिजन के साथ उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया।

हार्डवेयर दुकान में लगी आग, थिनर व पेंट के डिब्बों में हुए धमाके

संवाददाता, सरोजनीनगर

- दुकान के पीछे की दीवार तोड़कर अंदर फंसी महिला कर्मी को सकुशल निकाला
- मीटर में शार्ट-सर्किट से लगी थी आग, बेसमेंट में अधिवक्ता भाई का चैंबर भी जला

अमृत विचार : बंथरा में शुक्रवार शाम विद्युत मीटर में हुए शार्ट सर्किट से एक हार्डवेयर दुकान में आग लग गई। आग की लपटें दुकान और बेसमेंट में बने अधिवक्ता के चैंबर तक पहुंच गईं। थिनर और पेंट के डिब्बों में तेज धमाके हुए। आग की लपटें देख दुकान मालिक और अधिवक्ता भाई बाहर भाग गए, लेकिन दुकान में काम कर रही युवती आमरीन बानो (25) धुएं में फंस गई। व्यवसायी और आसपास के लोगों ने दुकान के पीछे की दीवार तोड़कर महिला कर्मी को सकुशल बाहर निकाला।

सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से दुकान और बेसमेंट में रखे लाखों रुपये का सामान, लैपटॉप और जरूरी कागजात जलकर बर्बाद हो गए।

बंथरा बाजार निवासी निखिल गुप्ता की शुभारंभ हार्डवेयर नामक दुकान में पेंट व अन्य सामग्री रखी थी। दुकान के बेसमेंट में निखिल के छोटे भाई अधिवक्ता राजीव गुप्ता का कार्यालय था। शुक्रवार को शाम करीब 5 बजे मीटर के पास शार्ट-सर्किट हुआ और नीचे रखे पेंट व थिनर में चिंगारी गई। कुछ ही देर में धमाका हुआ और आग की लपटें दुकान व नीचे कार्यालय तक फैल गई।

चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग भी पहुंचे। निखिल और राजीव ने उनकी मदद से आमरीन को बाहर निकाला और दमकल तथा पुलिस को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने में करीब डेढ़ घंटे तक कड़ी मशक्कत की।

स्पा एंड मसाज सेंटर में लगी आग, फर्नीचर जला

- **अमृत विचार , गोसाईंगंज :** सुशांत गोल्फ सिटी स्थित एडीएस स्पा एंड मसाज सेंटर में शुक्रवार तड़के अचानक आग लग गई। घटना के बाद आसपास के इलाके में अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। थाना क्षेत्र के मिलेनियम पैलेस बिल्डिंग के दूसरे तल पर एडीएस स्पा एंड मसाज सेंटर संचालित है। शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे स्पा सेंटर से धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। आग लगते ही आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और लोगों ने शोर मचाकर एक–दूसरे को सूचना दी। आग की लपटें बढ़ती देख वहां मौजूद गार्ड और अन्य लोगों ने भवन में लगे अग्निशमन उपकरणों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती चली गई। स्थिति बेकाबू होते देख तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी गई। जानकारी मिलने पर स्पा सेंटर के मालिक धनंजय भी मौके पर पहुंच गए।

बंथरा में पेंट की दुकान में आग लगने के बाद हुआ नुकसान देखते लोग। अमृत विचार

प्रतियोगिता में मोटे अनाजों से बनाई रेसिपी

संवाददाता, बख्शी का तालाब

रागी के हलवा में प्रथम स्थान पाने वाली टीम को प्रशस्ति पत्र देते अधिकारी।

अमृत विचार : बख्शी का तालाब स्थित चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय में श्री अन्न (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यक्रम योजनान्तर्गत मिलेट रेसिपी विकास एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम एवं कृषि सूचना तंत्र के सुद्धढ़ीकरण के अंतर्गत जनपद स्तरीय रवी उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत फीता काटकर पूर्व सांसद एवं आवास व शहरी कार्य राज्य मंत्री कौशल किशोर ने की। उन्होंने कहा कि एक समय था कि मोटे अनाज की खेती अधिक मात्रा में होती थी। आज मोटा अनाज गायब हो गया है जिस कारण से बीमारियां बढ़ती चली जा रही हैं। उन्होंने किसानों को भारत सरकार की कृषि संबंधी योजनाओं की जानकारी भी दी और मोटे अनाज की खेती करने पर जोर दिया। महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ.टीपी सिंह ने मोटे अनाजों का चिकित्सीय महत्व बताया और उन्होंने कहा कि गेहूं चावल में ग्लाइसेमिक इंडेक्स बढ़ रहा है। महाविद्यालय के कृषि कीट विज्ञान सह -आचार्य डॉ.सत्येंद्र कुमार सिंह ने किसानों को आम की फसल पर जाला कीट प्रबंधन तथा जायद की फसलों में सब्जी वर्गीय एवं मीठे फलों की खेती तथा मिलेट्स की खेती करने पर जोर दिया। कहा की मीठे फलों से आमदनी अधिक मिलती है और लागत कम आती है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेंद्र कुमार सिंह ने मशरूम की खेती तथा मिलेट्स की खेती करने पर चर्चा की कार्यक्रम में भूमि संरक्षण अधिकारी संगीता कटियार, खंड विकास अधिकारी बीकेटी पूजा पांडे, कृषि विभाग के सुरेश कुमार राजपूत, रूपेंद्र कुमार, अनूप यादव, सुनील कुमार, गगन, सचेंद्र सिंह, अविनाश सिंह, मोहिनी सैनी, कोमल यादव, नगमा, नीलांजना टंडन, प्रियंका शिवहरे, सचींद्र बैश्य, सिल्की खरे, दीपक यादव तथा कृषि महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी तथा 300 से अधिक महिला पुरुष किसान एवं छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

पूर्व सांसद ने लगाई चौपाल, सुनीं समस्याएं

माल, संवाददाता

- हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग विभाग का नहीं पहुंचा प्रतिनिधि

अमृत विचार : माल क्षेत्र के जानकीनगर गांव में पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क की बन रही बाउंड्री से मार्ग बंद होने और पानी निकासी की समस्या को लेकर पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व मोहनलालगंज के पूर्व सांसद कौशल किशोर ने तहसील प्रशासन के साथ चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं।

माल क्षेत्र के अटारी में प्रदेश के सबसे बड़े पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। यह पार्क लगभग एक हजार एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है। निर्माण के दौरान जानकीनगर गांव और हरदोई के कटियार गांव के मार्गों को बाउंड्री बनाकर बंद किया जा रहा है। साथ ही आंट, गढ़ी, रैकवार खेड़ा, विशुनपुर, जानकीनगर, जलौली आदि गांवों का बरसाती पानी खेतों में खुदे खाजों से होकर झींगणी के रास्ते गोमती नदी में जाता था, जिसका निर्माण वर्ष 2005 में तत्कालीन ग्राम प्रधान दिनेश सिंह ने कराया था, लेकिन अब उस निकासी मार्ग को भी बंद किया जा रहा है।

ग्रामीणों की शिकायत पर शुक्रवार को जानकीनगर गांव में पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व पूर्व सांसद कौशल किशोर ने मलिहाबाद तहसील प्रशासन और संडीला तहसील प्रशासन के अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और वैकल्पिक समाधान कराने का आश्वासन दिया। कौशल किशोर ने कहा कि शासन को ग्रामीणों के हस्ताक्षर कराकर बाउंड्री के नीचे अंडरपास तथा पानी की निकासी के लिए ड्रेन निर्माण का प्रस्ताव उपजिलाधिकारी मलिहाबाद और उपजिलाधिकारी संडीला के माध्यम से भेजा जाएगा।

इस मौके पर नायब तहसीलदार मलिहाबाद अजय कुमार जायसवाल, संडीला कानूनगो, लेखपाल, ग्राम प्रधान आंट गढ़ी सौरा दिनेश सिंह, ग्राम प्रधान रामनगर राधाकृष्ण, गोपाल रावत, हरिओम राज सहित हल्का प्रभारी मान्धाता सिंह, एसआई हरिओम, महिला एसआई खुशबू यादव मौजूद रहे।

टोल प्लाजा पर नेत्र परीक्षण शिविर

अमृत विचार, निगोहां : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत शुक्रवार को लखनऊ–रायबरेली टोलवे लिमिटेड द्वारा निगोहां टोल प्लाजा पर वाहन चालकों के लिए निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। टोल प्लाजा से गुजर रहे 60 से अधिक वाहन चालकों के साथ ही आसपास के ग्रामीणों ने भी नेत्र परीक्षण कराया। जांच के बाद 20 लोगों को मौके पर ही चश्मा वितरित किया गया। शिविर में पहुंचे नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सुप्रवाह तिवारी और डॉ. शशिकांत चौधरी ने बताया कि जांच के दौरान किसी भी व्यक्ति में मोतियाबिंद के लक्षण नहीं पाए गए। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को आवश्यकता थी, उन्हें चश्मा और आई ड्रॉप भी उपलब्ध कराए गए।

विशेषज्ञ चिकित्सकों के अभाव में उद्देश्य से भटके 34 ट्रॉमा सेंटर्स

सामान्य अस्पतालों की तरह काम कर रहे करोड़ों रुपये की लागत से बने ये ट्रामा सेंटर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं और गंभीर मरीजों के त्वरित इलाज के उद्देश्य से स्थापित किए गए 36 ट्रामा सेंटर बदहाली का शिकार हैं। इनमें स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित 34 ट्रामा सेंटरों में न तो विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध हैं और न ही सीटी स्कैन जैसी जरूरी जांच सुविधाएं। हालात यह हैं कि करोड़ों रुपये की लागत से बने ये ट्रामा सेंटर सामान्य अस्पतालों की तरह काम कर रहे हैं। जबकि गंभीर मरीजों को गोल्डन आवर में इलाज उपलब्ध कराने के लिए सरकार स्टेट ट्रामा केयर पालिसी बना रही है।

शासन की ओर से ट्रॉमा सेंटरों के संचालन के लिए न केवल उपकरणों, साज-सज्जा और संसाधनों के लिए बजट उपलब्ध कराया जा चुका है, बल्कि डॉक्टरों समेत पूरे स्टाफ के 50 पद प्रत्येक ट्रॉमा सेंटर के लिए सृजित कर भेजे गए हैं। हकीकत है कि जबतक विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती और जांच सुविधाएं शुरू नहीं होतीं, तब तक ट्रामा सेंटर अपने उद्देश्य को पूरा नहीं कर पाएंगे।

प्रत्येक ट्रामा सेंटर के लिए पद सृजित: प्रत्येक ट्रामा सेंटर संचालन के लिए दो एनेस्थेटिस्ट, दो आर्थोपैडिक सर्जन, दो जनरल सर्जन और तीन इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर के पद स्वीकृत हैं। इसके साथ ही 15 स्टाफ नर्स, ओटी टेक्नीशियन, एक्स-रे व लैब टेक्नीशियन, नर्सिंग अटेंडेंट और मल्टी टास्क वर्कर के पद भी तय किए गए हैं।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति के लिए लोक सेवा आयोग में अधियाचन भेजा गया है। सरकारी सेवा में आकर्षण बढ़ाने के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों को सीधे ग्रेड टू में ज्वाइनिंग दी जा रही है। फिलवक्त उपलब्ध चिकित्सकों के माध्यम से ट्रामा सेंटर्स संचालित हो रहे हैं। डिजिटल एक्स-रे समेत अन्य समस्त सुविधाएं उपलब्ध हैं।

-डॉ. रतन पाल सिंह सुमन, स्वास्थ्य महानिदेशक उप्र.

कहां है ट्रॉमा सेंटर्स

- अलीगढ़, अमेठी, आजमगढ़, बहराइच, बलिया, बांदा, बाराबंकी, बस्ती, भदोही, बिजनौर, बुलंदशहर, इटावा, गाजियाबाद, हापुड़, हाथरस, जालौन, जौनपुर, झांसी, कन्नौज, कानपुर नगर, कौशांबी, लखीमपुर खीरी, लखनऊ जानकीपुरम, मुरादाबाद, मुजफ्फर नगर, प्रतापगढ़ ,लालगंज, प्रयागराज, सहारनपुर, सीतापुर, उन्नाव, वाराणसी, औरैया।

राजधानी में जाम रोज का काम

लाटूश रोड पर लगा भयंकर जाम। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण रोजगार को मजबूती देगा जी-राम-जी अधिनियम

अमृत विचार, लखनऊ : नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि विकसित भारत जी-राम-जी नए अधिनियम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ेगी और पलायन पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी भत्ता अब एक वास्तविक कानूनी अधिकार होगा और समय पर काम न मिलने पर यह स्वतः देय होगा। नगर विकास मंत्री ने शुक्रवार को विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण), विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम को ग्रामीण सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि मजदूरी भुगतान को पूरी तरह पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है। भुगतान में देरी होने पर श्रमिक को प्रतिदिन मुआवजा भी दिया जाएगा, जिससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। साथ ही बताया कि विकास कार्यों की योजना ग्राम सभा के माध्यम से तय की जाएगी और ग्राम स्तर पर विकसित ग्राम पंचायत योजना बनेगी।

भ्रष्टाचार चरम पर और महिलाएं सुरक्षित नहीं : अखिलेश यादव

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर हैं और महिलाएं व बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। महिला सुरक्षा और भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा सरकार के सभी दावे पूरी तरह झूठे साबित हो चुके हैं।

सपा प्रमुख ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा का तथाकथित 'जीरो टॉलरेंस' अब जीरो होकर रह गया है। मेरठ में मां पर जानलेवा हमला और बेटी के अपहरण की घटना अत्यंत गंभीर है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है। जब सरकार से जनता की उम्मीद ही खत्म हो जाए, तो उससे बड़ा दुर्भाग्य कुछ नहीं हो सकता।

आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार और लूट के कारण अपराध राज्य से निकलकर अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच चुके हैं।

आत्महत्या के लिए विवश करने वाले पिता-पुत्र गिरफ्तार

अमृत विचार, उन्नाव : थाना क्षेत्र के गांव सेलापुर निवासी गुलाब शंकर की 18 वर्षीय पुत्री ज्योती का शव बीते बुधवार घर से आधा किलोमीटर दूर राममिलन के खेत में खड़े नीम के पेड़ से दुपट्टे से लटका मिला था। पिता गुलाब शंकर ने आरोप लगाया कि गांव के रामजी और उसके पिता राकेश ने बेटी को आत्महत्या के लिए विवश किया। थाना पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने रामजी और राकेश को कालीमिट्टी चौराहे पर हफीजाबाद मार्ग से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

आर्थिक तंगी से पीड़ित अधेड़ ने दी जान

अमृत विचार, उन्नाव : सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पहली खेड़ा में आर्थिक तंगी से परेशान अधेड़ जगजीवन राम (57) ने घर में फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। शुक्रवार दोपहर के समय वह घर पर अकेला था, क्योंकि पत्नी माया देवी और छोटी बेटी अनामिका बाजार से राशन लेने गई थीं। इस दौरान जगजीवन राम ने घर के आंगन में छत के कुंडे से फांसी लगाई। थोड़ी देर बाद घर लौटी पत्नी और बेटी ने शव लटका देखा और उनके होश उड़ गए।

'एक जेल-एक उत्पाद' योजना प्रभावी ढंग से लागू करें : दारा सिंह

- **कारागार विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान ने 'एक जेल-एक उत्पाद' योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर देते हुए कहा कि कारागारों में तैयार उत्पादों को मेलों, प्रदर्शनों और सार्वजनिक आयोजनों के माध्यम से आमजन तक पहुंचाया जाए, जिससे बंदियों के पुनर्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभाग का मूल उद्देश्य बंदियों का सुधार, पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है।

कारागार मंत्री, शुक्रवार को कारागार एवं सुधार सेवाएं विभाग की समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्होंने मुख्यालय में स्थापित एआई सक्षम वीडियो वॉल 'जार्विस' की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए इसकी प्रभावशीलता पर जानकारी ली। मंत्री दारा सिंह चौहान ने निर्देश दिए कि सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता सुनिश्चित की जाए और संवेदनशील बंदियों की लाइव निगरानी लगातार की जाए। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पीसीओ संचालन, आकस्मिक तलाशी, रात्रिकालीन गश्त, ड्यूटी परिवर्तन तथा नवीन निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

कारागार मंत्री ने चेतावनी दी कि लापरवाही से उत्पन्न किसी भी घटना पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में महानिदेशक कारागार पी.सी. मीना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भव्यता, गरिमा और गौरव के साथ मनेगा गणतंत्र दिवस : गोयल

- **मुख्य सचिव ने की गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी की समीक्षा**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल ने शुक्रवार को सचिवालय में गणतंत्र दिवस-2026 के आयोजन की तैयारी की उच्च स्तरीय समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गणतंत्र दिवस समारोह पूर्ण भव्यता, गरिमा और राष्ट्रगौरव के अनुरूप आयोजित किया जाए, जिसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

मुख्य सचिव ने अति विशिष्ट अतिथियों एवं महानुभावों के लिए सचिवालय परिसर के भीतर समुचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही विधान भवन के समक्ष स्थित मुख्य भवन एवं लोक भवन के वाह्य भाग की रंगाई-पुताई और व्यापक सफाई कार्य समय से पूर्ण कराने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि विधान भवन एवं लोक भवन के सामने स्थापित चौधरी चरण सिंह, गोविंद वल्लभ पंत और अटल बिहारी वाजपेयी सहित सभी महापुरुषों की प्रतिमाओं की विधिवत सफाई कराई जाए, ताकि समारोह के दौरान परिसर स्वच्छ और सम्मानजनक दिखाई दे।

मुख्य सचिव ने लोक भवन, विधान भवन, बापू भवन, नवीन भवन, शास्त्री भवन, योजना भवन, दरबारी लाल शर्मा भवन एवं विकास भवन को आकर्षक विद्युत सजावट से प्रकाशमान करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विधान भवन एवं लोक भवन की फसाड लाइटिंग तथा समस्त विद्युत सजावट की ट्रायल 24 जनवरी को अनिवार्य रूप से कर ली जाए, ताकि किसी तकनीकी खामी की संभावना न रहे।

सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्य सचिव ने शासन और प्रशासन के बीच पूर्ण समन्वय स्थापित कर सभी सुरक्षा मानकों का गहन परीक्षण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और आपातकालीन व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की चूक नहीं होनी चाहिए।

बैठक में प्रमुख सचिव पर्यटन अमृत अभिजात सहित संबंधित विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अब तक 4.61 लाख से अधिक परिवारों को मिला पक्का घर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में प्रदेश में मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण का क्रियान्वयन हो रहा है। योजनाअंतर्गत समाज के सबसे निचले पायदान पर स्थित जरूतमंद लोगों को आवासीय सुविधा न केवल उपलब्ध करायी जा रही है। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत वर्ष 2018-19 से अब तक 4.61 लाख आवास आवंटित किये गये हैं, जिसके सापेक्ष 3.65 लाख आवासों का निर्माण पूर्ण हो गया है, शेष आवास निर्माणाधीन है।

खीरी, प्रयागराज, जौनपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, बलरामपुर, कानपुर देहात, कानपुर नगर एवं सोनभद्र में क्लस्टर में आवास निर्माण कराये गये हैं। वर्ष 2024-25 में मुसहर वर्ग को 50,037, वनटांगिया को 5,324, कुष्ठ रोगियों को 5,410, दैवीय आपदा से प्रभावित लोगों को 93,300, कालाजार से प्रभावित को 254, जेई/एईएस से प्रभावित को 684, थारू जाति को 3,332, कोल को 29,923, सहरिया को 7,385, चेरो को 5,773, बैगा को 1,973, नटों को 2,798, दिव्यांगजनों को 91062, बंजारा लोगों को 5,096 एवं निराश्रित विधवा महिला (आयु 18 वर्ष से 40 वर्ष) 41,854 आवास दिये गये। वर्ष 2025 में सपेरा (सपेरिया) विमुक्त जाति, जोगी (अन्य पिछड़ा वर्ग) एवं चेरो (अनुसूचित जाति) भी मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण की प्राथमिकता सूची में सम्मिलित किया गया है।

नगर निगम की ओर से कराए जा रहे सौंदर्यीकरण के तहत पार्क रोड स्थित दीवार पर पेंट करते मजदूर। अमृत विचार

विद्यालयों में नियमित समाचार पत्र पठन को बढ़ावा दें : पूजा यादव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के विद्यालयों में नियमित समाचार पत्र पठन की संस्कृति विकसित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। उप्र. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की सचिव पूजा यादव ने शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग को पत्र भेजकर सभी विहान आवासीय विद्यालयों में दैनिक दिनचर्या के तहत न्यूज पेपर रीडिंग गतिविधि को लागू कराने के निर्देश दिए हैं।

सचिव ने कहा कि पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान, भाषाई दक्षता तथा तार्किक और आलोचनात्मक सोच का विकास आवश्यक है। इसी उद्देश्य से छात्रों को हिंदी एवं अंग्रेजी के प्रतिष्ठित समाचार पत्रों के नियमित पठन के लिए प्रेरित किया जाएगा। निर्देशों के अनुसार विद्यालयों के पुस्तकालयों में गुणवत्तापूर्ण समाचार पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे तथा प्रार्थना सभा के बाद कक्षा संचालन से पूर्व प्रतिदिन 10 मिनट समाचार पठन के लिए निर्धारित होंगे।

इसके साथ ही प्रतिदिन पांच नए शब्द उनके अर्थ सहित बोर्ड पर प्रदर्शित किए जाएंगे और विद्यालय परिसर में 'आज का सुविचार' अंकित किया जाएगा। कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए साप्ताहिक संपादकीय लेखन या समूह चर्चा आयोजित की जाएगी, जबकि कनिष्ठ वर्ग के लिए विज्ञान और खेल आधारित न्यूज क्लिपिंग गतिविधियां कराई जाएंगी।

पूजा यादव ने बताया कि यह पहल छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के साथ-साथ उन्हें जागरूक, जिम्मेदार और विचारशील नागरिक बनाने में सहायक होगी। वर्तमान में प्रदेश के 12 जिलों में 24 विहान आवासीय विद्यालय संचालित हैं।

समाजसेवियों ने गरीबों में बांटी तहरी

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार: कड़ाके की सर्दी को देखते हुए शुक्रवार को राजधानी मार्ग स्थित अंबिकापुरम के पास समाजसेवियों द्वारा तहरी का वितरण किया गया। सुबह से शुरू हुआ तहरी वितरण दोपहर तक लगातार चलता रहा। इस दौरान राहगीरों, मजदूरों और जरूरतमंद लोगों ने सर्द मौसम में गर्मागर्म तहरी का आनंद लिया। ठंड से राहत मिलने पर लोगों ने समाजसेवियों के इस प्रयास की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि सर्दी के मौसम में जरूरतमंदों की मदद करना उनका उद्देश्य है, ताकि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे। तहरी वितरण के दौरान व्यवस्था भी बनाए रखी गई।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव : कानपुर-लखनऊ हाईवे पर अजगैन थाना क्षेत्र स्थित नवाबगंज पंछी बिहार के सामने शुक्रवार को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने उसे नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आसीवन थाना क्षेत्र के ग्राम उदशाह निवासी अब्दुल (30) पुत्र स्व. मुन्ने मियां चेन्नई में नौकरी करता था और पत्नी गुड़िया की बीमारी के कारण घर आया था। पत्नी का इलाज उन्नाव के एक अस्पताल में चल रहा था, लेकिन आराम न मिलने पर गुरुवार को वह लखनऊ के किसी अस्पताल में उपचार के लिए बाइक से अपने घर जा रहा था। बाइक पर दो बेटे हसन और हुसैन तथा साली सबीना को बस में बैठा कर पत्नी को अस्पताल भेजा था।

नवीन यातायात पुल पर लगेंगे अर्पण कलश

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव

अमृत विचार: नवीन यातायात पुल पर लोग घरों से निकलने वाली पूजन सामग्री, फूल-मालाएं व मूर्तियां आकर रख देते हैं। इसके चलते आस्था के फूल लोगों के पैरों तले आ जाते हैं। मामले की जानकारी मिलते ही नगर पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे ने मौके का निरीक्षण कर फूलों के सम्मानजनक विसर्जन के लिए अर्पण कलश स्थापित करने के निर्देश दिए।

बताया गया कि नए पुल की शुरुआत में लोग नौकरी पर जाते समय या विभिन्न पर्वों की पूजा के बाद निकलने वाले फूल और मूर्तियां वहीं रख देते हैं। नगर पालिका द्वारा समय-समय पर इन्हें हटाया जाता रहा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से लोडर न आने के कारण यहां फूलों, मालाओं व मूर्तियों का अंबार लग गया था। शुक्रवार को लोगों की शिकायत पर नगर पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप पांडे और स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी अनूप शुक्ला के साथ मौके पर पहुंचीं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आस्था के फूल इधर-उधर न फेंकें। उन्होंने बताया कि दुर्गा मंदिर के बाहर, नगर के घाटों और नवीन पुल पर अर्पण कलश लगवाया जायेगा।

4366 गौ-आश्रय स्थलों पर पुख्ता निगरानी

- **65 जिलों में सीसीटीवी आधारित मॉनिटरिंग लागू, शेष जनपदों में प्रक्रिया जारी**
- **20 जिलों के विकास भवनों से केंद्रीकृत कंट्रोल रूम के जरिए सतत निगरानी**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य के 65 जिलों के 4366 गौ-आश्रय स्थलों पर सीसीटीवी के माध्यम से मजबूत निगरानी तंत्र लागू किया गया है। शेष जिलों में भी निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके साथ ही हरदोई, आगरा, जालौन सहित 20 जिलों के विकास भवनों में केंद्रीकृत निगरानी कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जिनके जरिए गौ-आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं पर रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है।

योगी सरकार निराश्रित गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन को प्राथमिकता देते हुए गौ-आश्रय स्थलों पर शेड, स्वच्छ भोजन व पेयजल, खड़ंजा, भूसा भंडार गृह, उपचार कक्ष, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और सोलर लाइट जैसी सुविधाओं को व्यवस्थित ढंग से विकसित कर रही है। इसका उद्देश्य न केवल गोवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, बल्कि आश्रय स्थलों को आत्मनिर्भर और टिकाऊ बनाना भी है।

20 जिलों में कंट्रोल रूम से कड़ी निगरानी: प्रमुख सचिव

- पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम के अनुसार, बेहतर समन्वय और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए हरदोई, आगरा, जालौन, झांसी, सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली, जौनपुर, अयोध्या, आजमगढ़, पीलीभीत, कौशांबी, शामली, बस्ती, अंबेडकरनगर, बलिया, एटा, अमरोहा, फर्रुखाबाद और चंदौली में कंट्रोल रूम कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि निगरानी तंत्र के सुदृढ़ होने से किसी भी लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई संभव हो पा रही है, जिससे व्यवस्थाएं अधिक जिम्मेदाराना ढंग से संचालित हो रही हैं।

आस्था | 11 को निकलेगा नगर कीर्तन, गुरुद्वारे में गुरु सिंह सभा द्वारा तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप

धूमधाम से मनाया जाएगा गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: गुरु गोबिंद सिंह जी के पावन प्रकाश पर्व को लेकर गुरुद्वारा में गुरु सिंह सभा ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। शुक्रवार को गुरुद्वारा परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता दौरान आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस धार्मिक और सामाजिक आयोजन में शामिल होने की अपील की है।

गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष सरदार अरविन्दर सिंह ने बताया कि प्रकाश पर्व श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रविवार को नगर कीर्तन यात्रा निकाली जाएगी। यह नगर कीर्तन दोपहर 1 बजे गुरुद्वारा साहब से प्रारंभ होगा और शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए शाम 5:30 बजे पुनः गुरुद्वारा साहब में आकर संपन्न होगा। नगर कीर्तन का मार्ग गुरुद्वारा से शुरू होकर बड़े चौराहे, छोटे चौराहे, छिपयाना, दादा मिया चौराहा, धवन रोड, गुरु तेग बहादुर मार्ग, स्टेशन रोड और आईबीपी चौराहे से होते हुए तय किया गया है। समिति के अनुसार, पूरे मार्ग पर संगत और श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। नगर कीर्तन के दौरान कई विशेष आकर्षण भी रहेंगे। बच्चों द्वारा पारंपरिक सिख मार्शल आर्ट गतका का प्रदर्शन किया जाएगा, जो दर्शकों के लिए खास आकर्षण होगा। इसके साथ ही पूरे मार्ग में शबद कीर्तन की गूंज रहेगी, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहेगा।

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते समिति के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

13 जनवरी को गुरुद्वारा साहिब में शब्द कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान रागी जत्थों द्वारा गुरुबाणी का गायन होगा, जिसके पश्चात श्रद्धालुओं के लिए गुरु का लंगर वितरित किया जाएगा। इस दौरान गुरुद्वारा कमेटी के उपाध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह भाटिया, सरदार गुरप्रीत सिंह रेशु, सेक्रेटरी सरदार कुलदीप सिंह, कोषाध्यक्ष सरदार जरनैल सिंह, मीडिया प्रभारी सरदार इंदरजीत, सरदार जसमीत सिंह, सरदार कुंवरप्रीत सिंह, वरुण सूरी, जोगिंदर सिंह, जगजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

चोरी का खुलासा करने वाली टीम सम्मानित

उन्नाव, अमृत विचार : बीते 1 नवम्बर को सफीपुर थाना क्षेत्र में एक घर में सोने-चांदी के आभूषण और नगदी चोरी होने के मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 20 लाख रुपये मूल्य के आभूषण और 1,82,420 रुपये नगदी बरामद किए। खुलासे में लगी पुलिस टीम को एसएसपी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। टीम में क्षेत्राधिकारी सफीपुर सोनम सिंह, थानाध्यक्ष सुब्रतनारायण, उपनिरीक्षक संजय कुमार पांडेय, योगेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य आरक्षी सुनील कुमार, अजनी कुमार पांडेय, गोविंद लाल और आरक्षी रोहित कुमार, राघवेन्द्र गुर्जर, समर बहादुर, गौरव कुमार, जितेन्द्र शामिल थे। इस अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षु) संचित शर्मा, एएसपी प्रेमचन्द्र और पुलिस उपाधीक्षक सुश्री बिनी सिंह भी उपस्थित रहीं।

न्यूज ब्रीफ

77 किलो पोस्ता का छिलका बरामद

बाराबंकी, अमृत विचार : थाना जैदपुर पुलिस टीम ने 2 मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से कुल 77 किलो 610 ग्राम अवैध पोस्ता छिलका का बुरादा व घटना में प्रयुक्त 2 वाहन बरामद किए हैं। थाना जैदपुर पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त उस्मान पुत्र मो0 खलील निवासी ग्राम बंजारन पुरवा कस्बा थाना जैदपुर, फिरोज पुत्र स्व0 मो0 हलीम निवासी पल्हरी थाना सफदरगंज को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से कुल 77 किलो 610 ग्राम अवैध पोस्ता छिलका का बुरादा व घटना में प्रयुक्त दो अदद वाहन बरामद किया गया। इनके विरूद्ध थाना जैदपुर पर क्रमश: एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया। चांदबाबू व सलमान की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

जरूरतमंदों में वितरित किए गए कंबल

सूरतगंज, बाराबंकी : जमीयत उलेमा हिंद यूनिट बेलहरा की ओर से नगर पंचायत के मोहल्ला बखरियाटोला, सौरंगा और भटूवामऊ में शुक्रवार को जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए। कंबल पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने जमीयत उलेमा हिंद का आभार व्यक्त किया। जमीयत उलेमा यूनिट बेलहरा के नवनियुक्त अध्यक्ष मौलाना अतीकुर्रहमान मज़ाहिरी ने कहा कि जरूरतमंदों और असहायों की मदद जमीयत की प्राथमिकता है और यह काम भविष्य में भी जारी रहेगा। इस अवसर पर बेलहरा यूनिट के कई समाजसेवी मौजूद रहे।

यज्ञ सम्राट ने बताया सत्संग का महत्व

मसौली, बाराबंकी : कस्बा मसौली स्थित बाबा रामशरण दास भगवत दास कुटी हनुमान मंदिर प्रांगण में चल रहे विराट रुद्र महायज्ञ के दौरान प्रयागराज लहुरी (काशी) से पधारे यज्ञ सम्राट स्वामी प्रमोदानंद जी महाराज ने भक्तों को सत्संग के महत्व पर प्रवचन दिया। उन्होंने कहा कि सत्संग से मन की नकारात्मक शक्तियां नष्ट होती हैं, बुद्धि का विकास होता है और ईश्वर के प्रति भक्ति व श्रद्धा जागृत होती है।

भवन निर्माण को धन प्रबंध का प्रस्ताव पारित

हैदरगढ़, बाराबंकी : सहकारी गन्ना विकास सीमित हैदरगढ़ की बैठक शुक्रवार को अध्यक्ष राजकुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सदस्यों ने प्रस्ताव पारित किया कि कार्यालय और भवन निर्माण के लिए स्थानीय प्रतिनिधियों एवं चीनी मिल से धन का प्रबंध कराया जाए, ताकि किसानों को अधिक लाभ मिल सके। बैठक में बृजेश त्रिपाठी, चंद्रभान मिश्रा, विजय प्रताप सिंह, पुनीत मिश्रा, ओमप्रकाश और मनोज शुक्ला रहे।

बालश्रम के खिलाफ चलाया अभियान

बाराबंकी, अमृत विचार : जिला प्रोबेशन अधिकारी सूरज सिंह के निर्देश पर श्रम विभाग, पुलिस, बाल कल्याण समिति और चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और प्रमुख चौराहों पर बेसहारा बच्चों का चिन्हांकन एवं पुनर्वास अभियान चलाया। अभियान के दौरान होटल, ढाबा, मेडिकल स्टोर और अन्य दुकानों पर छापेमारी की गई और संचालकों को चेतावनी दी गई कि बाल श्रम पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। अभियान में बाल कल्याण समिति, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, एएचटीयू संरक्षण अधिकारी मौजूद रहे।

मासिक समन्वय बैठक हुई आयोजित

बाराबंकी, अमृत विचार : अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में एएचटीयू, एसजेपीयू की मासिक समन्वय बैठक की गई। एएसपी उत्तरी विकास चन्द्र त्रिपाठी द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में हुई मासिक समन्वय बैठक में सभी थानों की पुलिस बाल कल्याण इकाई में नियुक्त अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। बैठक में बाल कल्याण और बाल संरक्षण से जुड़े बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गयी।

ऑनलाइन आवेदन शुरू

बाराबंकी, अमृत विचार : जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी एजाजुल हक खां ने बताया कि दिव्यांगजन शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत विवाह सम्पन्न दिव्यांग दम्पतियों को आर्थिक सहायता दी जाती है। युवक दिव्यांग होने पर 15,000 रुपये, युवती दिव्यांग होने पर 20,000 रुपये और दोनों दिव्यांग होने पर 35,000 रुपये पुरस्कार मिलेगा। योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। योजना की पात्रता में उम्र सीमा, आयकर का दाता न होना, अपराधिक मामले में दंडित न होना और न्यूनतम 40 प्रतिशत दिव्यांगता होना शामिल है।

प्रेमी-प्रेमिका के एक साथ फंदे से लटके मिले शव

देर रात दावत के बहाने घर से निकला था युवक

संवाददाता, हरदोई/टड़ियावां

अमृत विचार। साथ जीने और साथ मरने की कसम खा चुके प्रेमी-प्रेमिका शादी कर अपनी अलग दुनिया बसाना चाह रहे थे। लेकिन समाज व परिवार ने उन्हें एक नहीं होने दिया। जिसके चलते युवक दावत के बहाने घर से निकला। उधर प्रेमिका भी देर रात परिजनों को बताये बिना घर से निकल गई। दोनों ने बाग में एक ही पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उधर दोनों के गायब होने का पता होते ही उनके घर वाले सारी रात ढूंढते रहे। उसी बीच अगली सुबह दोनों के शव लटके हुए देख कर इलाके में सनसनी फैल गई।इसका पता होते ही एएसपी पूर्वी सुबोध गौतम और सीओ हरियिवां अजीत सिंह चौहान वहां पहुंचे और पड़ताल शुरु कर दी, वहीं फोरेंसिक टीम जांच में जुटी है।

मृतक जितेंद्र की फाइल फोटो।

शुक्रवार कोहरे की धुंध छटने के बीच टड़ियावां थाने के दौलतपुर से पीलवान खेड़ा जाने वाले रास्ते पर खेतों पर जा रहे किसानों ने वहां एक पेड़ में युवक और युवती के शव फांसी पर लटके हुए देखे। उधर रात से इधर-उधर भटक रहे दौलतपुर और पैढ़ाई के लोग वहां पहुंचे। जिन्होने फांसी पर लटक रहे दोनों शवों की पहचान की। युवक दौलतपुर निवासी छुन्ना का 19 वर्षीय पुत्र जितेंद्र और युवती पैढ़ाई के खुशीराम की 18 वर्षीय पुत्री सपना थी। दोनों गुरुवार की रात से गायब थे,जितेंद्र के घर वालों ने बताया कि रात करीब साढ़े 9 बजे वह दावत में जाने के लिए घर से निकला था,उधर सपना दबे पांव निकली थी। जैसा कि बताते है कि जितेंद्र और सपना के बीच करीब एक-डेढ़ साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। जितेंद्र सपना के मकान के सामने रहने वाले राम औतार राठौर का ट्रैक्टर चलाता था, उसका वहां आना-जाना रहता था, उसी बीच दोनों में मुलाकात हुई, किसी को भनक तक नहीं लगी कि कब उनका यार परवान चढ़ गया। दोनों शादी करने के लिए उतावाले थे,लेकिन जाति-पाति के बंधन ने उन्हे बांध रखा था। इधर ऐसा बताया गया है कि सपना को ढूंढ रहे उसके घर वाले जितेंद्र के यहां पहुंचे,उसी से दोनों के एक साथ गायब होने का पता चला। उसके बाद शुक्रवार की सुबह गोपामऊ पुलिस चौकी पर दोनों के गायब होने की तहरीर दी गई,लेकिन उसी बीच दोनों के शव लटके देखे गए। प्रेमी-प्रेमिका की आत्महत्या की खबर सुनते ही एएसपी पूर्वी सुबोध गौतम और सीओ हरियावां अजीत सिंह चौहान पुलिस टीम के साथ वहां पहुंचे और इस बारे में दोनों के घर वालों से पूछताछ करते हुए पड़ताल की।

फरवरी में तय थी थी शादी, सपना नहीं थी राजी: सपना की शादी उसके घर वालों ने रिश्तेदारी में तय कर दी थी,फरवरी में बारात आनी थी। लेकिन सपना राजी नहीं थी, वह जितेंद्र को ही पति मान चुकी थी। उधर तीन भाइयों में सबसे छोटे जितेंद्र की शादी की बातचीत शुरु की गई, लेकिन जितेंद्र ने ही मना कर दिया था।

फांसी लगाने से पहले प्रेमी ने प्रेमिका की भरी मांग

जितेंद्र और सपना ने जहां अपनी ज़िंदगी खत्म की,वहीं पर सिंदूर की खाली डिब्बी पड़ी हुई थी और सपना की मांग में सिंदूर भरा हुआ था। ऐसा कहा जा रहा है कि दोनों ने साथ जीने और साथ मरने की जो कसम खाई थी,मरने से पहले उसे पूरा कर दिया। जीते जी तो जितेंद्र सपना की मांग नहीं भर सका,लेकिन मरने से कुछ लम्हा पहले उसने मांग में सिंदूर भर कर सपना को पत्नी बनाया,वहीं सपना ने उसे अपन पति मान लिया,उसके बाद जितेंद्र ने अपने मफलर और सपना ने शाल का फंदा बना कर एक साथ झूल गए।

सागर बेकर्स की टीम ने जीता मैच

देवा, बाराबंकी: सलारपुर गांव में शुक्रवार को प्रीमियम लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में सिंह इलेवन विशुनपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 7 विकेट खोकर 82 रन बनाए। जवाब में जिगनी इलेवन सूरतगंज 65 रन ही बना सकी और 17 रन से मुकाबला हार गई। दूसरे मुकाबले में सागर इलेवन बसारा ने 8 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 96 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सागर बेकर्स देवा ने मात्र 6.2 ओवर में 3 विकेट खोकर जीत दर्ज की। टीम की जीत में बल्लेबाज कैफ ने 19 गेंदों में 53 रन की पारी खेली।

50 करोड़ की सीयूसीईटी स्कॉलरशिप लॉन्च

बाराबंकी, अमृत विचार: देश की पहली एआई-ऑगमेंटेड प्राइवेट यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश (सीयू यूपी) ने 2026-27 सत्र के लिए 50 करोड़ रुपये की सीयूसीईटी स्कॉलरशिप लॉन्च की और अपना एडमिशन व स्कॉलरशिप पोर्टल 'सीयूसीईटी 2026' जारी किया। शुक्रवार को बाराबंकी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की गई। यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. अजय यादव ने बताया कि पहले सत्र में 2000 से अधिक छात्रों ने करोड़ों रुपये की छात्रवृत्ति का लाभ उठाकर उच्च शिक्षा के सपने साकार किए। उन्होंने कहा कि सीयू यूपी का उद्देश्य प्रदेश को ज्ञान और तकनीक आधारित विकास केंद्र के रूप में स्थापित करना है। 2500 करोड़ रुपये की लागत से तैयार एआई-सपोर्टेड कैंपस में एप्पल विज़न प्रो लैब, एआई-एमएल रिसर्च सेंटर, माइक्रोसॉफ्ट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। यूनिवर्सिटी ने कृषि, डेटा एनालिटिक्स, क्वांटम रिसर्च और साइबर सिक्योरिटी सहित 22 पीएचडी प्रोग्राम्स भी शुरू किए हैं। 'कैंपस टैंक' और 'सीयू एआई स्पेस' जैसी पहल से अब तक 1000 से अधिक स्टार्टअप्स को 6 मिलियन अमेरिकी डॉलर की फंडिंग मिली। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा शुरू की गई 'नारी योजना' से महिलाओं को तकनीक और शोध में अवसर मिल रहे हैं।

सीयूसीईटी स्कॉलरशिप लॉन्च करते रजिस्ट्रार व अन्य। अमृत विचार

श्रीरामलला के भोग की होगी फूड सेफ्टी ऑडिट

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में विराजमान प्रभु श्री रामलला और राजा राम को प्रतिदिन अर्पित होने वाले भोग-प्रसाद की शुद्धता और गुणवत्ता अब फूड सेफ्टी मानकों पर परखी जाएगी। इसके लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की विभागीय ऑडिट टीम राम मंदिर परिसर स्थित सीता रसोई का विस्तृत परीक्षण करेगी। ऑडिट में सभी मानक पूरे पाए जाने पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को फूड सर्टिफिकेशन प्रदान किया जाएगा। खाद्य आयुक्त माणिक चन्द्र सिंह ने बताया कि धार्मिक स्थलों पर देवता को अर्पित किए जाने वाले भोग-प्रसाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए यह सर्टिफिकेशन प्रक्रिया अपनाई जाती है।

प्रसाद बनाने की देंगे विशेष ट्रेनिंग: खाद्य आयुक्त ने बताया कि रसोई में कार्यरत कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें उन्हें फूड सेफ्टी, हाइजीन, स्टोरेज और प्रसाद निर्माण के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी जिससे भगवान श्रीराम को अर्पित होने वाला भोग पूरी तरह शुद्ध और सुरक्षित रहे।

समस्याओं का त्वरित निदान, जेई की सराहना

चौपाल में मौजूद अधिशासी अभियंता। अमृत विचार

देवा, बाराबंकी : धर्मपुर गांव में शारदा नहर स्थित माइनर पर सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल की अध्यक्षता अधिशासी अभियंता राजीव कुमार ने की। किसानों ने जूनियर इंजीनियर बद्री विशाल के काम की खुले तौर पर प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि बद्री विशाल के कार्यभार संभालने के बाद क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था में व्यापक सुधार हुआ है। वे प्रतिदिन नहरों का निरीक्षण करते हैं, माइनरों की स्थिति देखते हैं और किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान करते हैं। किसानों ने कहा कि पहली बार सभी किसानों को समय पर और जरूरत के अनुसार पानी उपलब्ध कराया गया। धर्मपुर माइनर में उच्च गुणवत्ता की सिल्ट सफाई के कारण नहरों की क्षमता बढ़ी और खेतों तक पानी निर्बाध रूप से पहुंचा। अधिशासी अभियंता राजीव कुमार ने भी टीम के प्रयासों की सराहना की और किसानों को निरंतर सहयोग का भरोसा दिलाया।

जरूरतमंदों को बांटे गये कंबल

कंबल वितरित करते भाजपा नेता गौरीकांत दीक्षित। अमृत विचार

रामनगर, बाराबंकी : ग्राम पंचायत थाल खुर्द व ग्राम गोंदौरा में भाजपा नेता गौरीकांत दीक्षित ने कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने कहा ठंड में किसी भी जरूरतमंद को परेशानी न हो यही संकल्प है। बताया रामनगर विसं क्षेत्र के विभिन्न गांवों में कंबल वितरण किया जा रहा है। इस मौके पर अमित तिवारी, उमेश सिंह, रोशन शुक्ला, सुमित शुक्ला गोरे, हरिओम तिवारी, अनमोल मिश्र, प्रधान ब्रजेश शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति और सामाजिक कार्यकर्ता रहे।

मादक पदार्थ तस्कर को 10 साल का कारावास

बाराबंकी, अमृत विचार : न्यायालय ने मादक पदार्थ तस्कर को 10 वर्ष कारावास व एक लाख के अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। थाना जैदपुर पर मादक पदार्थ के तस्करी के बारे में अभियुक्त तेगबहादुर सिंह उर्फ मिन्टू को न्यायालय अपर जिला सत्र न्यायाधीश ने दोषसिद्ध करार दिया गया और 10 वर्ष कारावास व अर्थदण्ड से दण्डित किया। वहीं अभियुक्त इस्तियाक को एक्ट में दोषमुक्त किया गया। विवरण के अनुसार 12 जुलाई 2012 को वादी उपनिरीक्षक राजीव रंजन श्रीवास्तव ने अभियुक्त पर मारफीन बरामद होने के आधार पर केस दर्ज किया। तत्कालीन विवेचक उपनिरीक्षक सदानंद आर्या ने साक्ष्य संकलन कर विवेचना पूर्णकर अभियुक्तगण के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया।

एकमुश्त समाधान योजना लागू

बाराबंकी, अमृत विचार : उप्र अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लि. बाराबंकी ने बकायेदारों के लिए ओटीएस 1 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक लागू की है। योजना के तहत बकायेदार बकाया राशि का एकमुश्त भुगतान कर अधिकतम दंड ब्याज व चक्रवृद्धि ब्याज में माफी का लाभ उठा सकते हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी अभिलाषा त्रिपाठी ने बताया ऐसे बकायेदार जिनके ऋण ओवरड्यू हैं और जो एकमुश्त अदायगी करना चाहते हैं, वे कार्यालय या संबंधित विखं के खंड विकास अधिकारी से संपर्क कर योजना का लाभ उठा सकते हैं।

एसपी ने दिए बेहतर प्रशिक्षण के निर्देश

बाराबंकी, अमृत विचार : एसपी ने साप्ताहिक परेड की सलामी लेने के बाद परेड का निरीक्षण किया। अधिकारी ने रिजर्व पुलिस लाइंस स्थित परेड ग्राउण्ड में शुक्रवार की परेड की सलामी ली। तत्पश्चात परेड में पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए दौड़ कराई। इस मौके पर एसपी ने रिक्रूट आरक्षियों की परेड, अनुशासन एवं शारीरिक क्षमता की भी समीक्षा की। एसपी ने यूपी 112 पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर संबंधित पीआरवी के मानक के अनुसार समस्त आवश्यक उपकरणों को अपने पास रखने व उनके सुव्यवस्थित रखरखाव व साफ-सफाई के लिए निर्देशित किया।

खच्चर खाते से 3.88 लाख की साइबर ठगी, 3 पर रिपोर्ट

बाराबंकी, अमृत विचार: बाराबंकी एक बार फिर चर्चा में है। इस बार वजह है म्यूल अकाउंट के जरिए विभिन्न राज्यों से 3.88 लाख रुपये की साइबर ठगी। इस नए ट्रेंड को लेकर साइबर सेल सतर्क हो गया है, वहीं इस मामले में पश्चिम बंगाल व बाराबंकी के तीन लोगों के खिलाफ साइबर क्राइम के तहत मामला दर्ज हुआ है। जानकारी के अनुसार डीजी साइबर क्राइम के निर्देश पर म्यूल अकाउंट्स की जांच की जा रही है। इसी क्रम में फेडरल बैंक बाराबंकी की शाखा में संचालित खाते की जांच साइबर सेल द्वारा की गई। जांच में यह खाता हर्षित सिंह पुत्र स्वर्गीय शम्भू सिंह निवासी लखपेड़ा बाग के नाम पाया गया। इस खाते के माध्यम से विभिन्न राज्यों के तीन पीड़ितों से कुल 3,88,326 रुपये की साइबर ठगी की गई। इसमें गौतमबुद्ध नगर, आंध्र प्रदेश के नदयाल और द्वारका इलूरू के आवेदक शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि हर्षित सिंह ने अपना बैंक खाता अपने दोस्त आदर्श वर्मा निवासी कोटवाधाम थाना बदोसराय को कमीशन पर बेच दिया था। बदले में उसे अलग-अलग तिथियों में कुल 8,100 रुपये कमीशन के रूप में दिए गए। आदर्श वर्मा ने खाते से संबंधित एटीएम कार्ड, पासबुक अपने पास रख ली और खाते में पंजीकृत मोबाइल नंबर बदलकर पश्चिम बंगाल निवासी निरंजन मालाकार के नाम दर्ज मोबाइल नंबर जुड़वा दिया। इसके बाद आरोपियों द्वारा फर्जी तरीके से यूपीआई बनाकर और अन्य डिजिटल माध्यमों से साइबर ठगी की गई तथा ठगी की रकम निकाली गई।

नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष राम सिंह उर्फ भुल्लन वर्मा को हार्ट अटैक

बाराबंकी, अमृत विचार: भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राम सिंह उर्फ भुल्लन वर्मा को शुक्रवार को हार्टअटैक आ गया। सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें जिला चिकित्सालय स्थित ट्रामा सेंटर लाया गया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर देख उन्हें लारी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां उनका ऑपरेशन किया गया। फिलहाल जिलाध्यक्ष की हालत स्थित है। सूत्रों के अनुसार, राम सिंह वर्मा को शाम के समय सीने में दर्द महसूस हुआ, जिसके कुछ ही देर बाद तबीयत काफी बिगड़ने लगी। फिलहाल उनका इलाज लारी मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में चल रहा है। जहां ऑपरेशन के बाद उनकी स्थिति में सुधार बताया जा रहा है और डॉक्टरों की टीम लगातार निगरानी कर रही है। घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में चिंता की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और समर्थक उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना कर रहे हैं। राज्यमंत्री सतीश शर्मा समेत पार्टी के आला नेताओं ने अस्पताल प्रशासन से संपर्क कर इलाज की जानकारी ली और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

5 लाख की स्मैक के साथ 3 गिरफ्तार

शिकंजा

संवाददाता बलरामपुर

अमृत विचार: जनपद में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बलरामपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना कोतवाली देहात पुलिस ने करीब पांच लाख रुपये कीमत की स्मैक के साथ तीन अभियुक्तों और एक अभियुक्ता को गिरफ्तार कर मादक पदार्थों की तस्करी के एक सक्रिय गिरोह का पर्दाफाश किया है।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी नगर ज्योतिश्री के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक गिरिजेश तिवारी के नेतृत्व में कोतवाली देहात पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सेखुईया तिराहा के पास मुखबिर की सटीक सूचना पर एक कार को रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन के अंदर से 49.15 ग्राम स्मैक पाउडर और स्मैक की तौल में प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद किया गया। बरामदगी के बाद मौके से तीन पुरुष और एक महिला को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अमन, मो. अहमद, वसीम उर्फ मिट्टी का तेल और सबा परवीन के रूप में हुई है, जो सभी जनपद बहराइच के निवासी बताए गए हैं। पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि वे स्मैक को बहराइच से लाकर बलरामपुर में बिक्री के लिए ले जा रहे थे। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त लंबे समय से नशे के कारोबार में संलिप्त थे और जिले में स्मैक की सप्लाई करने की फिराक में थे। इस कार्रवाई से नशा तस्करों के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। बरामदगी के आधार पर सभी अभियुक्तों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नशे के कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

सीसीटीवी फुटेज और फिरौती के पत्र रिकवरी को लेकर बहस

कुशाग्र हत्याकांड

कानपुर, अमृत विचार: शहर के चर्चित कुशाग्र हत्याकांड में बचाव पक्ष के अधिवक्ता की अंतिम बहस शुक्रवार को भी जारी रही। उन्होंने अभियुक्त प्रभात का पक्ष रखते हुए पूरी मामले में बहस की। मामले में अगली सुनवाई सोमवार को होगी।

30 अक्तूबर 2023 को जयपुरिया स्कूल हाईस्कूल के छात्र कुशाग्र कनोडिया की कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में पूर्व ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसका प्रेमी प्रभात शुक्ला, और सहयोगी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों की निशानदेही पर शव प्रभात शुक्ला के घर से बरामद किया गया था। शुक्रवार को तीन हत्यारोपियों को जेल से कोर्ट के समक्ष लाया गया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता भास्कर मिश्रा ने बताया बचाव पक्ष के अधिवक्ता ओम नरायण ने सीसीटीवी फुटेज, घटना की टाइमिंग और फिरौती के पत्र रिकवरी को लेकर बहस की। अभी बची हुई बहस सोमवार को होगी। अन्य दो आरोपियों की भी बहस सोमवार को होगी।

निर्देश | कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लोक सभागार में अफसरों के साथ की बैठक

डीएम ने की ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लोक सभागार में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के घटक प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय परियोजना अनुमोदन समिति की बैठक हुई। बैठक में जनपद की चयनित ग्राम पंचायतों में कराए जा रहे विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि पी.एम.-अजय योजना के अंतर्गत जनपद की कुल 46 ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है। इनमें विकास खंड बंकी, दरियाबाद, पूरेडलई एवं फतेहपुर की एक-एक, सूरतगंज की दो, देवा की तीन, रामनगर की चार, हरख की नौ, निन्दूरा की दस तथा सिद्धौर की 14 ग्राम पंचायतें शामिल हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि पी.एम.-अजय योजना केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य अनुसूचित जाति बहुल ग्राम पंचायतों का समग्र विकास करना है। योजना के तहत ग्रामों में आधारभूत अवस्थापना सुविधाओं का विकास, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण तथा ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार सुनिश्चित किया जाना है। बैठक में चयनित ग्राम पंचायतों की ग्राम विकास योजनाओं (वीडीपी) के अनुमोदन, क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं उच्च गुणवत्ता के साथ कराए जाएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के जेई स्तर के अधिकारी प्रत्येक स्तर पर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करेंगे, जिससे कार्य समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूर्ण हो सकें।

बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी। अमृत विचार

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

गैंगरेप में पॉक्सो न लगाने को कहने पर हटे एसीपी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: सचेंडी में गैंगरेप पीड़िता किशोरी के मजिस्ट्रेटी बयान दर्ज हुए। वहीं उसके घर के बाहर 24 घंटे दो पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। जांच में पनकी एसीपी की भूमिका भी संदिग्ध मिलने पर उन्हें पुलिस कमिश्नर ने जांच के दौरान हटा दिया है। जांच में सामने आया कि तत्कालीन थाना प्रभारी से पॉक्सो न लगाने और तहरीर बदलवाने के लिए एसीपी शिखर ने ही कहा था। वहीं कमिश्नर ने भीमसेन चौकी इंचार्ज दिनेश कुमार को भी सस्पेंड कर दिया है। मजिस्ट्रेट के सवालों का जवाब देते हुए पीड़िता रो पड़ी। 48 मिनट में उसने बयान दर्ज कराए। बीच-बीच में भाई उसे तसल्ली देता रहा। पूरी प्रक्रिया कंपलीट होने के बाद रात साढ़े आठ बजे पीड़िता अपने घर पहुंची। पुलिस अधिकारियों के आदेश पर पीड़िता के घर पर 24 घंटे दो पुलिसकर्मी की तैनाती रहेगी। आदेश है कि बिना आदेश किसी को भी पीड़िता से बात करने न दिया जाए। वहीं जांच में यह बात भी सामने आई है कि तत्कालीन थाना प्रभारी विक्रम सिंह (सस्पेंड) को रिपोर्ट में पॉक्सो न लगाने और तहरीर बदलवाने के लिए एसीपी पनकी शिखर ने ही कहा था। एसीपी की भूमिका की जांच शुरू हुई है।

न्यूज ब्रीफ

पोखरी की जमीन से हटवाया अतिक्रमण

कुशीनगर, अमृत विचार : हाटा तहसील क्षेत्र के पोखरी की जमीन पर अतिक्रमण कर बनवाए गये तीन पक्के मकानों को तहसील प्रशासन ने जेसीबी की सहायता से गिराया। क्षेत्र के रामपुर पौटवा निवासी संजय सिंह ने उच्च न्यायालय इलाहाबाद में याचिका दाखिल कर बताया था कि गांव की पोखरी पर अवैध कब्जा कर कुछ लोग मकान बना लिए हैं। जिससे गांव में जलनिकासी की समस्या के साथ ही जलसंरक्षण में भी कठिनाई आ रही है। हाइकोर्ट के निर्देश पर तहसील प्रशासन ने पोखरी की जमीन की पैमाइश कराया तो गांव के दया सिंह, गंगा सिंह व मुनीब सिंह द्वारा बनवाए गये पक्के मकान पोखरी की जमीन में पाये गये। शुक्रवार की दोपहर नायब तहसीलदार सुनील सिंह, मय फोर्स जेसीबी लेकर पहुंचे और पोखरी की जमीन पर बने तीनों मकानों को जेसीबी से गिरा दिया गया।

छप्पर में आग लगने से 10 बकरियां जलीं

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र कठेला समयमाता अन्तर्गत शुक्रवार को ग्राम पंचायत कठेला गर्वी टोला तेलियाडीह निवासी राम सुभग के छप्पर में आग लग गई। जिसके चलते 10 बकरियों की जलकर मौत हो गई है। पड़ोसियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। इस सम्बन्ध में हल्का लेखपाल रणधीर यादव ने बताया कि मौके पर जाकर जांच करके तहसील पर रिपोर्ट प्रेषित कर दी गई। वहीं गरीब पीड़ित राम सुभग ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग किया है।

34 वांछित वारंटियों को किया गिरफ्तार

कुशीनगर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक कुशीनगर केशव कुमार के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध एवं वांछित वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को जनपद के विभिन्न थानों द्वारा कार्यवाही करते हुए कुल 34 वांछित/वारण्टियों को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की गई।

बहराइच में दोषी को हुई फांसी की सजा

10 वर्षीय चचेरे भाई को उतारा था मौत के घाट

बहराइच, एजेंसी। जिले की एक अदालत ने तांत्रिक के कहने पर अपने 10 वर्षीय चचेरे भाई की हत्या के आरोपी को दोषी करार देते हुए शुक्रवार को फांसी की सजा सुनाई और उस पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

फ़ौजदारी के अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) सुनील कुमार जायसवाल ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (चतुर्थ) सुनील प्रसाद की कोर्ट ने आरोपी अनूप वर्मा को दोषी करार देते हुए उसे फांसी की सजा सुनाई और उस पर एक लाख रुपये जुर्माना भी लगाया। उन्होंने बताया कि नानपारा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परसा अगैया निवासी अनूप वर्मा का ढाई वर्षीय पुत्र सत्यम मानसिक तौर पर बीमार रहता था और काफी इलाज के बावजूद उसके ठीक ना होने पर अनूप एक तांत्रिक के बहकावे में आ गया। तांत्रिक ने उससे उसके परिवार के किसी अन्य बच्चे की बलि देने को कहा। 23 मार्च 2023 को घर के सभी लोग जब एक मुंडन समारोह में गये हुए थे। अनूप एवं उसके सगे भाई का दस वर्षीय पुत्र विवेक वर्मा घर पर थे। उन्होंने बताया कि विवेक को टाफी दिलाने के बहाने अनूप खेत में ले गया और फावड़े से गला काटकर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि जब शव बरामद हुआ तो बच्चे के शरीर पर नौ घाव थे। जायसवाल ने बताया कि पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की तो अनूप वर्मा, एक अन्य व्यक्ति चिंताराम तथा तांत्रिक जंगली का नाम सामने आया। पुलिस ने पूछताछ की तो अनूप ने अपना जुर्म कबूल कर लिया और उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया लोहे का फावड़ा भी बरामद कर लिया गया।

ठोस साक्ष्य तय करेंगे अतिरिक्त आरोपी की भूमिका : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि सीआरपीसी की धारा 319 के तहत किसी व्यक्ति को अतिरिक्त आरोपी के रूप में तलब करने का निर्णय केवल मुकदमे के दौरान दर्ज साक्ष्यों के आधार पर ही लिया जा सकता है। आरोपपत्र या केस डायरी में उपलब्ध सामग्री को इस प्रयोजन के लिए साक्ष्य नहीं माना जा सकता। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति चवन प्रकाश की एकलपीठ ने दहेज हत्या के एक मामले में मृतका के सास, ससुर और देवर को अतिरिक्त आरोपी बनाए जाने की मांग को खारिज करते हुए की।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धारा 319 के तहत दी गई शक्ति असाधारण प्रकृति की है और इसका प्रयोग अत्यंत सावधानी तथा संयम के साथ किया जाना चाहिए। कोर्ट ने दोहराया कि केवल प्रथम दृष्टया मामला होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ट्रायल के दौरान सामने आए साक्ष्यों से यह प्रतीत होना चाहिए कि प्रथम दृष्टया से अधिक ठोस मामला बनता है। मामले के अनुसार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/फास्ट ट्रैक कोर्ट, कौशांबी ने आठ नवंबर 2024 को पति के परिजनों को तलब करने से इनकार कर दिया था। मृतका राधिका के पिता मान सिंह ने इसी आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट के समक्ष आपराधिक पुनरीक्षण याचिका दाखिल की। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि धारा 319 में प्रयुक्त 'साक्ष्य' का आशय केवल ट्रायल के दौरान रिकॉर्ड किए गए साक्ष्यों से है।

विधि विभाग से अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता के अधिकारों के संबंध में रिपोर्ट तलब

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य के विधि विभाग से रिपोर्ट के माध्यम से यह स्पष्ट करने को कहा कि क्या यूपी सरकार के अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता (एडिशनल चीफ स्टैंडिंग काउंसिल) किसी ऐसे मामले में निजी पक्ष की ओर से प्रस्तुत हो सकते हैं, जिसमें राज्य सरकार स्वयं एक पक्षकार हो। कोर्ट ने राज्य विधि अधिकारियों के अधिकारों और कर्तव्यों की सीमा के संबंध में स्थिति स्पष्ट करने की आवश्यकता जताई। वर्ष 2018 में मीरा देवी द्वारा दाखिल आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति दिवेश चंद्र सामंत की एकलपीठ ने प्रमुख सचिव (विधि) एवं विधि परामर्शी को निर्देश दिया कि वे दो सप्ताह के भीतर इस विषय में लागू नियमों, शर्तों और प्रावधानों सहित विस्तृत रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करें। वर्तमान याचिका में परिवार न्यायालय, कुशीनगर के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें सीआरपीसी धारा 125 के तहत भरण-पोषण की उनकी अर्जी खारिज कर दी गई थी।

माता-पिता के विवाद से नाबालिग का पासपोर्ट अधिकार बाधित नहीं

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवाद के आधार पर एक नाबालिग बच्ची का पासपोर्ट जारी न करने के मामले में कहा कि माता-पिता के बीच चल रहे वैवाहिक या आपराधिक विवाद के आधार पर किसी नाबालिग बच्चे के पासपोर्ट आवेदन को न तो रोका जा सकता है। इस कृत्य को नाबालिग के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करार देते हुए न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने पासपोर्ट अधिकारियों को निर्देश दिया कि मां द्वारा आवश्यक औपचारिकताएं पूरी किए जाने के बाद चार सप्ताह के भीतर बच्ची पोयम जैसवार का पासपोर्ट जारी किया जाए, बशर्ते कोई वैधानिक प्रतिबंध न हो। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पासपोर्ट प्राप्त करना और विदेश यात्रा का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभिन्न हिस्सा है। प्रशासनिक औपचारिकताओं या माता-पिता की आपसी रंजिश को इस अधिकार के आड़े नहीं आने दिया जा सकता। मामले के अनुसार दो वर्षीय बच्ची के पासपोर्ट के लिए उसकी मां ने आवेदन किया था। पिता द्वारा सहमति न देने और मां द्वारा याची के पिता और अन्य परिवारीजनों के खिलाफ आईपीसी तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत पुलिस स्टेशन महिला थाना, जौनपुर में दर्ज आपराधिक मामले के कारण पासपोर्ट आवेदन पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कोर्ट ने कहा कि माता-पिता के बीच लंबित आपराधिक या वैवाहिक विवाद पासपोर्ट से इनकार का कोई वैध आधार नहीं है।

पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए : डीएम

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता विकास खण्ड शोहरतगढ़ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत एकडेंगा भावपुर में ग्राम चौपाल-गांव की समस्या गांव में समाधान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र लाभार्थियों को सभी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। पात्र लोगो का आयुष्मान कार्ड बनवाये। आयुष्मान कार्ड से 05 लाख तक का निःशुल्क इलाज की सुविधा है। किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत फसलों के क्षति पूर्ति का भुगतान एवं किसान सम्मान निधि की समस्याओं का निराकरण कराएं। कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों से उन्होंने कहा कि यदि किसी को पेंशन से जुड़ी समस्या है, जैसे वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन या दिव्यांग पेंशन नहीं मिल रही है, तो वे तुरंत जानकारी दें। ब्लॉक स्तर के कर्मचारी मौके पर मौजूद हैं और समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इसके अलावा जिलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि महिलाओं को सरकार की ओर से आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

कार्यकर्ता मेरे लिए सर्वोपरि : पंकज

वाराणसी, अमृत विचार। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि पार्टी जो भी दायित्व सौंपे, उसे निष्ठा और ईमानदारी से निभाना ही सच्ची संगठन निष्ठा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान में जुटने का आह्वान किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने रोहनिया के जगतपुर स्थित गोकुल धाम रिसोर्ट में काशी क्षेत्र के सभी 16 जिलों के पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की तो दो टूक कहा कि कार्यकर्ता मेरे लिए सर्वोपरि हैं और संगठन ही हमारी असली पहचान है। प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि योगी सरकार ने बीमारू कहे जाने वाले उत्तर प्रदेश को एक नई पहचान दी है। बुधवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में राज्यसभा सांसद से लेकर राज्यमंत्री, विधायकों को स्वागत में लगाया गया था। बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय, राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य, प्रदेश महामंत्री संजय राय, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी, कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, सांसद सीमा द्विवेदी, सांसद साधना सिंह, प्रदेश मंत्री शंकर गिरी, अनामिका चौधरी, मीना चौबे, मनीष कपूर, जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, सह मीडिया प्रभारी संतोष सोलापुरकर, नम्रता चौरसिया, रानिका जायसवाल समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पंकज चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष।

ग्राहक सेवा संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। शोहरतगढ़ फार्मर रजिस्ट्री वितरण के दौरान तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव के साथ हाथापाई के मामले में पुलिस ने ग्राहक सेवा केन्द्र संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बता दें कि गुरुवार दोपहर शोहरतगढ़ तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव, लेखपाल के पति ऋषभ सिंह के साथ ग्राम नकाही स्थित सहज जनसेवा केन्द्र पहुंचे थे। यहां फार्मर रजिस्ट्री वितरण और पंजीकरण का कार्य होना था। जिसको लेकर आरोप लगाया गया कि केन्द्र संचालक जीतू चौधरी ने तत्काल कार्य करने में असमर्थता जताई और बाद में रजिस्ट्री करने की बात कही। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में नोक-झोक शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। मौके पर मौजूद कुछ ग्रामीण भी विवाद में शामिल हो गये। शोहरतगढ़ थाने में तहसीलदार के अर्दली राम प्रकाश ने तहरीर देकर एक नामजद और अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। वहीं दूसरे पक्ष के कुछ ग्रामीणों ने बताया कि पहले तहसीलदार द्वारा विवाद उत्पन्न किया गया, जिससे स्थिति बिगड़ी। थानाध्यक्ष शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी।

स्वामी विवेकानंद युवा पखवारा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं व अतिथि। अमृत विचार

विवेकानंद युवा पखवारा पर गूंजा उठो, जागो का संदेश

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। एकल अभियान के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद युवा पखवारा दिवस के उपलक्ष्य में संच उदयराजगंज अंचल की ओर से चिल्हिया स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम से पूर्व क्षेत्र में जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं, स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर समाज को सकारात्मक संदेश दिया। रैली में उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको जैसे प्रेरणादायी नारों के साथ युवाओं ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को जन-जन तक पहुंचाया।

ब्रिटिश मौलाना की सरपरस्ती में चल रहे मदरसे की मान्यता की गई निलंबित

जिला संवाददाता, संतकबीर नगर

अमृत विचार। खलीलाबाद में ब्रिटिश मौलाना की सरपरस्ती में संचालित मदरसा कुल्लियातुल बनातिर रजविया (निस्वा) पर प्रशासन और उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद ने सख्त कार्रवाई की है। मदरसा भवन सील होने के बाद परिषद ने उसकी मान्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी है। वहीं, मदरसे में पढ़ने वाली 336 छात्राओं को जिले के अन्य मान्यता प्राप्त मदरसों और विद्यालयों में नामांकन कराने के निर्देश दिए गए हैं।

खलीलाबाद नगर क्षेत्र में संचालित मदरसा कुल्लियातुल बनातिर रजविया (निस्वा) को लेकर लंबे समय से जांच चल रही थी। 3 नवंबर को एसडीएम खलीलाबाद ने बिना मान्यता के संचालन पाए जाने पर मदरसा भवन को सील कर दिया था। इसके बाद उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद के रजिस्ट्रार ने 7 जनवरी को मदरसे की मान्यता को निलंबित करने का आदेश जारी किया। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने मदरसे में पंजीकृत 336 छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। इसके तहत छात्राओं का नामांकन खलीलाबाद के छह मान्यता प्राप्त मदरसों और विद्यालयों में कराया जाएगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रवीण मिश्रा ने मदरसा प्रबंधक को छात्राओं से संपर्क कर उनकी सुविधा के अनुसार नामांकन सुनिश्चित कराने को कहा है। उल्लेखनीय है कि मामले में दुधारा क्षेत्र के देवरिया लाल, चाईंकला निवासी ब्रिटिश मौलाना शमसुल हुदा ख़ान की भूमिका भी जांच में सामने आई है। वह आज़मगढ़ जिले के एक अनुदानित मदरसे में आलिया शिक्षक था और बिना अनुमति वर्ष 2007 से 2017 तक ब्रिटेन में रहा। इसी दौरान उसने 2013 में ब्रिटिश नागरिकता हासिल की और वर्ष 2017 में खलीलाबाद में मदरसे का संचालन शुरू किया।

कार्यालय-जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जनपद-अमेठी।

पत्रांक :-समग्र शिक्षा/के0जी0बी0वी0/2628/2025-26 दिनांक- 09 जनवरी, 2026

विज्ञप्ति/सूचना

महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक लखनऊ के पत्रांकः-के0जी0बी0वी0/7562/2025-26 दिनाकंः-31.12.2025 के क्रम में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में रिक्त पदों पर चयन/पदस्थापन किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं जो **विशेष अनुज्ञा याचिका संख्या-13553/2022 स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर बनाम सरोज मौर्या व अन्य में मा0 उच्च न्यायालय द्वारा पारित अन्तिम आदेश के अधीन होगी।** कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में शैक्षिक व शिक्षणेत्तर कर्मियों के नवीन चयन/पदस्थापन/संविदा के सम्बन्ध में राज्य परियोजना निदेशक, लखनऊ के पत्रांकः के0जी0बी0वी0/शिक्षक/8362/2020-21 दिनांकः 04.01.2021 के साथ संलग्न, अपर मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन पत्रांक संख्या-1553/68-5-2020 दिनांक 11 दिसम्बर, 2020 के क्रम में जिलाधिकारी महोदय के अनुमोदन दिनांक-08.01.2026 के अनुपालन में जनपद अमेठी में संचालित 13 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में **(कक्षा 6 से 8 तक)** शैक्षिक व शिक्षणेत्तर कार्मिकों के रिक्त पदों पर निर्धारित अर्हता रखने वाले अभ्यर्थियों से शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए संविदा पर कार्य करने हेतु पंजीकृत डाक के माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। सेवा अनुबन्ध के आधार पर निर्धारित मानदेय पर रिक्त पदों की आवश्यकता का विवरण एवं अर्हता निम्नवत् है-

क्र सं	पद नाम व विषय	आयु 01.04. 2025	कुल रिक्त पद	आरक्षित रिक्त पदों की संख्या	मानदेय	अनिवार्य शैक्षिक व प्रशिक्षण अर्हता
1	पूर्णकालिक शिक्षिका गणित	25-45	05	अनारक्षित-02 अनु0जाति-02 EWS-01	25410/- प्रतिमाह	गणित (P.C.M.) वर्ग से प्रशिक्षित स्नातक तथा एन0सी0टी0ई0 से मान्य बी0एड0/एल0टी0/समकक्ष एवं उच्च प्राथमिक स्तर की टी0ई0टी0 परीक्षा उत्तीर्ण।
2	पूर्णकालिक शिक्षिका विज्ञान	25-45	03	अनारक्षित-01 अनु0जाति-01 EWS-01	25410/- प्रतिमाह	विज्ञान (Z.B.C.) वर्ग से प्रशिक्षित स्नातक तथा एन0सी0टी0ई0 से मान्य बी0एड0/एल0टी0/समकक्ष एवं उच्च प्राथमिक स्तर की टी0 ई0टी0 परीक्षा उत्तीर्ण।
3	पूर्णकालिक शिक्षिका हिन्दी/संस्कृत	25-45	02	अनारक्षित-01 EWS-01	25410/- प्रतिमाह	भाषा (हिन्दी एवं संस्कृत) से प्रशिक्षित स्नातक तथा एन0सी0टी0ई0 से मान्य बी0एड/एल0टी0/समकक्ष एवं उच्च प्राथमिक स्तर की टी0ई0टी0 परीक्षा उत्तीर्ण।
4	अंशकालिक शिक्षिका स्काउट गाइड एवं शारीरिक शिक्षा	25-45	01	EWS-01	12790/- प्रतिमाह	बी0पी0एड0/सी0पी0एड0/डी0पी0एड0/एन0सी0 टी0ई0 से मान्य प्रशिक्षित स्नातक उपाधि।
5	अंशकालिक शिक्षिका कम्प्यूटर शिक्षक	25-45	04	अनारक्षित-02 अनु0जाति-02	12790/- प्रतिमाह	एन0सी0टी0ई0 से मान्य बी0एड0/समकक्ष एल0 टी0 इसके अतिरिक्त पी0जी0डी0सी0ए0/बी0सी0ए0/ बी0एस0सी0 कम्प्यूटर साइन्स अथवा स्नातक सहित डी0ओ0ई0ए0सी0सी0 या समकक्ष संस्था से ओ0 लेवल/ए0 लेवल डिप्लोमा।
6	चौकीदार	25-45	01	EWS-01	7505/- प्रतिमाह	कक्षा-8 उत्तीर्ण।
7	सहायक रसोईयां	25-45	06	अनारक्षित-02 अनु0जाति-02 EWS-02	6755/- प्रतिमाह	कक्षा-8 उत्तीर्ण।
		योग-	22			

आवेदन पत्र पंजीकृत डाक से **सेवा में, कार्यालय-जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सैठा रोड, निकट आर0टी0ओ0 ऑफिस, गौरीगंज, जनपद-अमेठी पिन कोड-227409** के कार्यालय में इस प्रकार से प्रेषित किया जाय कि आवेदन पत्र **निर्धारित तिथि दिनांक-24.01.2026 को सायं 05:00 बजे तक** अवश्य प्राप्त हो जाय। साधारण डाक से दस्ती के रूप में एवं निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त होने वाले आवेदन पत्र किसी भी दशा में स्वीकार नहीं किये जायेंगे। **सभी पदों पर केवल महिला अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकती है।** उक्त विज्ञप्ति एवं मय प्रारूप **www.amethi.nic.in** पर विस्तृत रूप से उपलब्ध है।

(संजय तिवारी)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
जनपद-अमेठी।

रेलवे के उत्कृष्ट कर्मचारी सम्मानित

गोरखपुर, अमृत विचार। भारत सरकार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (यशोभूमि), द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्वोत्तर रेलवे के तीन कर्मचारियों सहित भारतीय रेल के कुल 100 समर्पित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय रेल में असाधारण योगदान के लिये प्रतिष्ठित 70वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2025 प्रदान कर सम्मानित किया। अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित होने वालों में पूर्वोत्तर रेलवे के यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सी एंड डब्ल्यू) के पद पर कार्यरत दिलीप कुमार गौतम, मुख्य यातायात निरीक्षक, मथुरा छावनी भगवान सहाय मीना और सीवान कचहरी में ट्रैक मैंटेनर के पद पर कार्यरत राजन कुमार यादव शामिल रहे।

ट्रेनों के संचालन में परिवर्तन

गोरखपुर, अमृत विचार। वाराणसी मंडल के रजवारी-कादीपुर स्टेशनों के मध्य समपार संख्या-09 पर सीमित ऊंचाई के सब-वे निर्माण के लिए गर्डर लांचिंग के परिप्रेक्ष्य में ब्लॉक लिये जाने के कारण गाड़ियों का नियंत्रण रहेगा। 55131 बलिया-प्रयागराज रामबाग सवारी गाड़ी 10 एवं 16 जनवरी को मार्ग में 60 मिनट, 65109 आजमगढ़-वाराणसी सिटी मेमू गाड़ी 10 एवं 16 जनवरी को मार्ग में 30 मिनट, 22428 आनन्द विहार टर्मिनल-बलिया एक्सप्रेस 11 जनवरी को मार्ग में 15 मिनट और 15159 छपरा-दुर्ग एक्सप्रेस 11 जनवरी को मार्ग में 10 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी। जबकि 65106 वाराणसी सिटी-गाजीपुर सिटी मेमू गाड़ी 11 जनवरी को वाराणसी सिटी से 60 मिनट तथा 17 जनवरी को वाराणसी सिटी से 160 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी। 05101 झूसी रिंग रेल विशेष गाड़ी 17 जनवरी को झूसी से 60 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।

लखनऊ विकास प्राधिकरण

(ISO 14001 : 2004, ISO 9001 : 2008 प्रमाणित संस्था)

प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ0प्र0) टोल-फ्रीः 1800 1800 5000, वेबसाइटः http://www.ldalucknow.in

-: सार्वजनिक सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय/व्यावसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण/नामान्तरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया है:-

क्र सं.	मूल आवंटी का नाम	भवन/ भूखण्ड संख्या	योजना का नाम	मृत्यु दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं के नाम	मूल आवंटी से (मृतक) का सम्बन्ध
1.	स्व0 शान्ता देवी	भूखण्ड सं0 C-2/185	विशाल खण्ड गोमती नगर योजना	03.09.2025	श्री पूरन बहादुर कार्की, श्री भोज बहादुर कार्की	श्रीमती रेखा अजमी	पुत्री-वि0
2.	स्व0 राम औतार सचान	भूखण्ड सं0 4/227	विवेक खण्ड गोमती नगर योजना	05.05.2021	श्री जितेन्द्र सिंह	रजिस्टर्ड वसीयत के आधार पर	----
3.	स्व0 मुन्नी गुप्ता	भवन सं0 MIG-2/387	रश्मि खण्ड शारदा नगर योजना	31.08.2025	श्रीमती मंजू गुप्ता श्रीमती माया गुप्ता	वसीयतनामा	बहनें
4.	जी0डी0 बिष्ट	भूखण्ड सं0 बी-924	सेक्टर-बी महानगर योजना	25.02.1964	श्रीमती कमला, श्रीमती चन्द्रा त्रिपाठी, श्रीमती इन्दिरा जोशी (पुत्रियाँ), श्री सुरेश चन्द्र बिष्ट (पुत्र), श्रीमती दीप त्रिपाठी (पुत्री), श्रीमती माया बिष्ट (पुत्रवधु) एवं श्री सुमित बिष्ट (पौत्र) पुत्री/पुत्र/पुत्रवधु/पौत्र स्व0जी0डी0 बिष्ट	----	पुत्री/पुत्र/ पुत्रवधु/ पौत्र
5.	श्री यादवेन्द्र द्विवेदी	भूखण्ड सं0 सी-2/186	विराम खण्ड गोमती नगर योजना	24.08.2018	श्रीमती मधुलिका द्विवेदी	(1) श्री शशांक द्विवेदी (पुत्र) (2) श्रीमती मोनिका पाण्डेय (पुत्री)	पत्नी

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कालम-6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरा हाई स्कूल परीक्षा वर्ष 2023 अनुक्रमांक 1231423684 व इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2025 अनुक्रमांक 2256184194 के प्रमाण पत्र सह अंक पत्र वास्तव में कहीं खो गए हैं **अनूप कुमार पुत्र राजकुमार ग्राम पिपरी पोस्ट रठगांव बिधूना औरैया**

सूचना

मेरा हाईस्कूल बारिश 2012 अनुक्रमांक 17098 58 की अंक तालिका व प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है। **- महजबीन बानो पुत्री रिफाकत हुसैन निवासी ग्राम अजीजलपुर, पोस्ट-ताजपुर, जनपद फर्रूखाबाद**

सूचना

सूचित हो कि मेरा नाम **मोमिना पत्नी रमजान अली ग्राम निपानिया दा0 थवई पयागपुर जिला बहराइच** है त्रुटिवश मेरे आधार में मेरा नाम ननकना पत्नी रमजान अली लिख गया है जो गलत है मुझे मोमिना पत्नी रमजान अली के नाम से जाना एवं पहचान जावें।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा बीटीसी चतुर्थ सेमेस्टर की मार्कशीट वर्ष. 2019 अनुक्रमांक (182560103) 12 दिसंबर 2025 को कहीं गुम हो गया है। शपथी **प्रमोद कुमार यादव पुत्र जगनारायन यादव ग्राम पोस्ट - धोबहा थाना - इटवा जिला - सिद्धार्थनगर**

सूचना

सूचित हो कि मेरा नाम **फातिमा पत्नी वाहिद अली ग्राम जोगा पुरवा निपानिया दा0 थवई पयागपुर जिला बहराइच** है त्रुटिवश मेरे आधार में मेरा नाम अमीना पत्नी वाहिद अली लिख गया है जो गलत है मुझे फातिमा पत्नी वाहिद अली के नाम से जाना एवं पहचान जावें।

सूचना

सूचित हो कि मेरा नाम **फातिमा बानो पत्नी रमजान ग्राम डेरवा हरवंशपुर पयागपुर जिला बहराइच** है त्रुटिवश मेरे आधार में मेरा नाम खतूना पत्नी रमजान लिख गया है जो गलत है मुझे फातिमा बानो पत्नी रमजान के नाम से जाना एवं पहचान जावें।

Notice

In the academic records of my daughter Anukriti Pandey, her mother's name is mentioned as Poonam Pandey whereas the mother's name is Punam. Punam w/o Yashwant Pandey, Village & Post Liloi kala, Tehsil - Tarabganj, Gonda (UP)

सूचना

पहले मेरा नाम MAUZADUL HAQUE था अब मैने बदलकर अपना नाम MAUJUDULAHAK रख लिया है भविष्य में मुझे MAUJUDULAHAK के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- MASUDUL HAQUE R-O- HOUSE NO-287, PANDARI, THANA KURSI, BARABANKI

सूचना

मैं प्रदीप कुमार उर्फ प्रदीप जुग्गीलाल पटेल निवासी - मकान संख्या 545 KASU 244 शुक्ला बिहार कालोनी, पैरा राजाजीपुरम बरादरी आवास विकास कालोनी लखनऊ (उत्तर प्रदेश), मेरे गृह स्थानांतरण (घर बदलने) के दौरान मेरे कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज गुम हो गए जिनमें मुख्य रूप से रजिस्ट्री दस्तावेज़ एवं पावर ऑफ अर्टीनी शामिल हैं। उपरोक्त रजिस्ट्री एवं पावर ऑफ अर्टीनी से संबंधित विवरण भूखण्ड नंबर 1 खसरा संख्या 912 पृष्ठ भूमि संख्या 199/6436 तारीख 8 अक्टूबर 2003 ग्राम पारा वार्ड आलमनगर तहसील व जिला लखनऊ पावर ऑफ अर्टीनी संख्या 155/168/416 दिनांक 07/12/2011 मेरे अभिलेखों के अनुसार हैं जो गुम हो चुके हैं।

सूचना

मै ASHVARY PARTAP SINGH पुत्र श्री RAJESH PARTAP SINGH निवासी-ग्राम-कोल्हुईपुर, पो0-मंझीगवॉ, थाना-दिलीपुर, प्रतापगढ़ उ0प्र0 सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर ASHVARY PRATAP SINGH S/0-RAJESH PRATAP SINGH रख लिया है, अतः आज से मुझे ASHVARY PRATAP SINGH S/0 RAJESH PRATAP SINGH के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम **मोईनुदीन पुत्र रियाजुल आरफीन उर्फ हासिम निवासी रायपुर,अछई जनपद रायबरेली, यूपी 229802** है। यही नाम मेरे आधार कार्ड और अन्य अभिलेखों में दर्ज है, जो सही और सत्य है। किन्तु मेरे ड्राइविंग लाइसेंस UP33 20130009089 में मेरे पिता का नाम रियाजुल आरफीन के स्थान पर रियाजुल अहमद हो गया है, जो गलत और त्रुटिपूर्ण है। जिसके स्थान पर पिता का नाम रियाजुल आरफीन होना चाहिए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **नफीस अहमद पुत्र रहमतुल्ला निवासी- सदर बाजार कसगरान कस्बा व तहसील करनैलगंज जनपद गोंडा** का निवासी हूँ। मेरे समस्त अभिलेख में जन्मतिथि 08/10/1975 दर्ज है, जोकि सही एवं सत्य है। भविष्य में मेरे अन्य अभिलेख का सत्यापन इसी जन्मतिथि के आधार पर माना जाए।

सूचना

सूचित किया जाता है कि **अभिराज यादव पुत्र मनोज कुमार यादव निवासी ग्राम गंगापुर कोतवाली मुर्तिहा तहसील मिहीपुरवा** ने हाईस्कूल परीक्षा 2025 संत पीटर इंटर कालेज से कैंडीडेट आईडी-8439503 विद्यालय UP-226/1256849 से उत्तीर्ण की है। अभिराज यादव का हाईस्कूल मूल अंकपत्र 31.12.2025 को स्थानीय बाजार में गिरकर गुम हो गया है।

सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि मोहम्मद खालिक पुत्र रमजान निवासी ग्राम व पोस्ट खेमापुर अम्बेडकरनगर का मूल निवासी हू। प्रार्थी के आधार कार्ड पर खालिक लिखा है जबकि अन्य अभिलेखों में मो. खालिक लिखा है। दोनो नाम एक ही व्यक्ति के है। प्रार्थी दोनो नामो से जाना पहचाना जाता है। **प्रार्थी मोहम्मद खालिक पुत्र रमजान निवासी ग्राम व पोस्ट खेमापुर अम्बेडकरनगर**

न्यूज ब्रीफ

शबरीमाला मामले में ईडी ने दर्ज किया केस

नई दिल्ली। ईडी ने शुक्रवार को केरल में शबरीमाला स्वर्ण चोरी के संबंध में धनशोधन का मामला दर्ज किया। अधिकारियों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट दर्ज की है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस मामले की जांच केरल उच्च न्यायालय की देखरेख में गठित राज्य विशेष जांच दल कर रहा है। एसआईटी सोने की चोरी की घटना से जुड़े दो मामलों की जांच कर रही है और अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में भूकंप के झटके

राजकोट। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में गुरुवार रात से शुक्रवार अपराह्न के बीच भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटकों की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.6 से 3.8 के बीच रही। भूकंप के कम से कम 12 झटके महसूस किए गए। भूकंप के कारण राजकोट जिले के तीन तालुकों के लोगों में दहशत फैल गई, जिसके चलते कई लोगों ने एहतियात के तौर पर खेतों में शरण ली।

मिसाइलों के लिए इंजन का परीक्षण

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने स्क्रैमजेट कंबस्टर का लंबी अवधि का सफल जमीनी परीक्षण करके हाइपरसोनिक मिसाइलों के विकास क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को स्क्रैमजेट-संचालित हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकी पर अद्यतन जानकारी साझा करते हुए कहा कि हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) ने इस तरह की मिसाइलों के विकास के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है।

बांधवगढ़ अभयारण्य में दूसरे बाघ की मौत

उमरिया। मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य में एक कुएं में बाघ का शव मिला है। वन विभाग के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि अभयारण्य में पिछले दो दिनों में बाघ की मौत का यह दूसरा मामला है। इससे पहले बुधवार को बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य के कथली बीट क्षेत्र में एक मादा बाघ शावक का शव मिला था। इसके किसी जंगली जानवर से संघर्ष के बाद मारे जाने की आशंका जताई गई थी।

भाजपा के हथियार के रूप में काम कर रही ईडी : ममता

मुख्यमंत्री ने दस किलोमीटर लंबे विशाल विरोध मार्च के बाद की रैली

- बोलीं- छापेमारी स्थल पर टीएमसी अध्यक्ष के रूप में हस्तक्षेप किया, न कि मुख्यमंत्री के रूप में

कोलकाता, एजेंसी

ईडी के खिलाफ रैली निकालतीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की रणनीति को चोरी करने को ईडी भाजपा के हथियार के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि ईडी द्वारा 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' (आई-पैक) के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर छापेमारी के दौरान उनका वहां पहुंचना गलत नहीं था। ममता ने दस किलोमीटर लंबे विशाल विरोध मार्च के बाद यहां आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने छापेमारी स्थल पर विशुद्ध रूप से तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष के रूप में हस्तक्षेप किया था, न कि मुख्यमंत्री के रूप में।

उन्होंने छापेमारी स्थल पर पहुंचने के संदर्भ में कहा कि मैंने कल जो कुछ भी किया, वह टीएमसी अध्यक्ष के तौर पर किया। मैंने कुछ भी गैरकानूनी नहीं किया है। 'आई-पैक' टीएमसी को राजनीतिक परामर्श सेवा मुहैया कराती है। बनर्जी ने आरोप लगाया कि एजेंसी सुबह-सुबह परिसर में दाखिल हुई और जब तक वह पहुंचीं, तब तक बहुत सारा सामान पहले ही ले जाया जा चुका था। टीएमसी प्रमुख ने कहा कि आप सुबह छह बजे परिसर में दाखिल हुए। मैं पूर्वाह्न 11.45 बजे पहुंची। तब तक कई चीजें चोरी हो चुकी होंगी। उन्होंने ईडी पर 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले उनकी पार्टी के रणनीतिक दस्तावेजों तक पहुंचने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने केंद्र के साथ अपने टकराव को बढ़ाते हुए दावा किया कि सभी एजेंसियों पर कब्जा कर लिया गया है। उन्होंने भाजपा पर कई राज्यों की सत्ता पर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि आपने ताकत के बल पर महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार की सत्ता पर कब्जा किया। क्या आपको लगता है कि आप बंगाल पर भी कब्जा कर सकते हैं? बनर्जी ने कहा कि कोई भी राजनीतिक हमला उनके संकल्प को और मजबूत करता है।

ममता ने छापे के दौरान संवेदनशील सामग्री हटाने की कोशिश की : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की एक निजी राजनीतिक परामर्श कंपनी के कार्यालय पर ईडी की छापेमारी के दौरान उनके आचरण को लेकर शुक्रवार को निंदा की। केंद्र में सत्तारूढ़ और पश्चिम बंगाल की मुख्य विपक्षी पार्टी ने आरोप लगाया कि बनर्जी के कृत्यों से संकेत मिलता है कि उन्होंने कुछ संवेदनशील चीज को बचाने की कोशिश की, जिससे वह और उनकी पार्टी कथित कोयला तस्करी से जुड़े धनशोधन के मामले में फंस सकती हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि उन्हें मामले की जांच कर रहे ईडी के अधिकारियों को धमकाने और छापेमारी के दौरान उनसे दस्तावेज छीनने के लिए आरोपी बनाया जाना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी की बर्बर कार्रवाई की परिस्थितियां संदिग्ध हैं। प्रसाद ने आरोप लगाया कि बनर्जी, राज्य पुलिस अधिकारियों के साथ, एक निजी परामर्श कंपनी के परिसर में जबरन दाखिल हुईं, जहां एक जांच चल रही थी। उन्होंने ईडी के अधिकारियों को धमकाया और कागजात छीनकर ले गईं। गत 14 वर्षों से मुख्यमंत्री रहने के कारण उन्हें शासन के तौर-तरीकों की अच्छी जानकारी है। वे अतीत में केंद्रीय मंत्री के रूप में भी कार्य कर चुकी हैं। प्रसाद ने आरोप लगाते हुए सवाल किया, इसका मतलब है कि वह कोई संवेदनशील चीज बचाने की कोशिश कर रही थीं, जो उन्हें और उनके दल को फंसा सकती थी। उन्हें किस बात का डर था? ईडी ने आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री कोयला तस्करी से जुड़े मामले में छापेमारी के दौरान आई-पैक के निदेशक प्रतीक जैन के आवास में जबरन दाखिल हुईं और दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित महत्वपूर्ण सबूत अपने साथ ले गईं। भाजपा नेता ने कहा कि हम ममता बनर्जी के गैरजिम्मेदाराना आचरण की निंदा करते हैं। जांच में बाधा डालना और फाइलें छीन लेना गंभीर अपराध हैं।

काम के दबाव में कोर्ट कर्मी ने भवन से कूदकर दी जान

नई दिल्ली। दिल्ली में साकेत अदालत परिसर के अंदर शुक्रवार सुबह एक दिव्यांग कर्मचारी ने एक इमारत से कूदकर त्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार साकेत अदालत में लगभग तीन महीने तक अहलमद के रूप में काम करने वाले 43 वर्षीय हरीश सिंह महार ने अपने सुसाइड नोट में आत्महत्या करने का कारण बताया है। अदालत के अधिवक्ताओं और कर्मचारियों ने बताया कि मृतक ने अपने सुसाइड नोट में काम के अत्यधिक दबाव और ओवरटाइम काम करने को कारण बताया। महार ने लिखा कि 60 प्रतिशत दिव्यांग होने के कारण यह नौकरी उनके लिए बहुत कठिन थी। पुलिस ने बताया कि अदालत के एक कर्मचारी के इमारत से कूदने की घटना के संबंध में सुबह 10:24 बजे पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। फरीदाबाद निवासी महार ने अपने सुसाइड नोट में कहा कि आज मैं कार्यालय के काम के दबाव के कारण आत्महत्या कर रहा हूं। मैं अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रहा हूं। इसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं है।

पूर्व सैनिक को डिजिटल अरेस्ट रख 98 लाख ठगे

- जालसाजों ने खुद को बताया सीबीआई-आरबीआई का अधिकारी

बिलासपुर, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर के एक सेवानिवृत्त सैनिक को जालसाजों ने 15 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट में रखकर 98 लाख रुपये की ठगी की है। अधिकारियों ने बताया कि जालसाजों ने फर्जी सीबीआई, आरबीआई और अदालती अधिकारी बनकर पीड़ित को धमकाया और दावा किया कि वह धन शोधन के एक मामले में शामिल है। यहां तक कि फर्जी वीडियो कॉल का इस्तेमाल कर फर्जी अदालती कार्यवाही दिखाई गई। पुलिस ने बताया कि पीड़ित को 15 से 30 दिसंबर तक डिजिटल अरेस्ट किया गया था।

मंडी स्थित केंद्रीय प्रभाग के साइबर अपराध पुलिस स्टेशन में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि साइबर पुलिस इस मामले में तथ्यों की छानबीन कर रही है। कुछ अज्ञात लोगों ने फोन और वीडियो कॉल के माध्यम से शिकायतकर्ता से संपर्क किया और खुद को दूरसंचार विभाग, सीबीआई, आरबीआई और अदालत का अधिकारी बताया। जालसाजों ने उसे गलत जानकारी दी कि उसके नाम पर एक फर्जी सिम कार्ड जारी किया गया है और वह धन शोधन के मामले में शामिल है।

बुजुर्ग से एक करोड़ की ठगी में पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक ऑपरेशंस शाखा ने एक बुजुर्ग व्यक्ति से लगभग एक करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में निजी बैंक के दो कर्मचारियों सहित पांच लोगों को गिरफ्तार करने के बाद एक डिजिटल अरेस्ट गिरोह का भंडाफोड़ किया।

ठंड से कांप रहा समूचा उत्तर भारत, घरों में कैद हुए लोग

नई दिल्ली, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में शीतलहर चरम पर है, कई जगहों पर पारा शून्य से नीचे चला गया है, बर्फबारी भी हो रही है। अनंतनाग जिले में बर्फ की चादर से ढकीं चट्टानें। • एजेंसी

पहाड़ों पर हो रही निरंतर बर्फबारी ने मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ा दिया है। शीतलहर के चलने से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। एक ओर जहां पहाड़ों पर तापमान शून्य से नीचे चला गया है तो मैदानों में कोहरे और चल रही शीतलहर ने लोगों को घरों में रहने के लिए मजबूर किया दिया है।

दिल्ली में शुक्रवार का दिन सबसे ठंडा रहा। जहां न्यूनतम तापमान सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया जबकि शहर के कई स्थानों पर हल्की बारिश भी हुई। न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री रहा, जो सामान्य तापमान से 2.3 डिग्री कम था। शहरभर के मौसम स्टेशनों के अनुसार, सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री रहा, पालम में 5.0 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, आगामी दिनों में दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में शीत लहर की स्थिति बनी रहेगी। इस बीच, दिल्ली की वायु गुणवत्ता अत्यंत खराब श्रेणी में रही, और एक्यूआई 325 दर्ज किया गया।

झारखंड में शुक्रवार को शीतलहर जारी है और राज्य के 13 जिलों में पारा 10 डिग्री से नीचे है। आईएमडी के अनुसार, राज्य का सबसे कम, 1.5 डिग्री तापमान खूंटी का रहा। डालटनगंज में 3.2 डिग्री और बोकारो में 3.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी के अनुसार, जिन जिलों में तापमान 10 डिग्री से नीचे है, उनमें बोकारो, देवघर, पूर्वी सिंहभूम, कोडरमा, हजारीबाग, लातेहार, डालटनगंज (पलामू), लोहरदगा, पाकुड़, रांची, सरायकेला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम शामिल हैं। गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, लोहरदगा, गुमला और हजारीबाग जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। इन जिलों में हल्की शीतलहर हो सकती है। बोकारो, रामगढ़, रांची, खूंटी, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिलों के लिए येलो अलर्ट है। इन जिलों में शीतलहर की यह स्थिति शनिवार सुबह 8:30 बजे तक बने रहने की संभावना है।

हरियाणा और पंजाब के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को तापमान पांच डिग्री से नीचे गिर गया। मौसम विभाग के अनुसार, सिरसा हरियाणा का सबसे ठंडा रहा, जहां तापमान चार डिग्री रहा। नारनौल भी भीषण ठंड की चपेट में रहा, जहां पारा 4.5 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, करनाल में 5.8, भिवानी में 5, हिसार में 5.1 और रोहतक में 6, अंबाला में 6.4 और फरीदाबाद में 6.8 डिग्री तापमान रहा। पंजाब में बठिंडा का पारा 4.4 डिग्री रहा।

कश्मीर में भीषण ठंड, पारा शून्य से नीचे

श्रीनगर। कश्मीर में तापमान हिमांक बिंदु से कई डिग्री नीचे गिरने से श्रीनगर में सबसे ठंडी रात दर्ज की गई, जिससे शुक्रवार को डल झील के कुछ हिस्से जम गए। अधिकारियों के अनुसार, श्रीनगर में गुरुवार रात न्यूनतम तापमान -6.0 डिग्री नीचे रहा। दक्षिण कश्मीर का पहलगाम सबसे ठंडा स्थान रहा। यहां पारा -7.6 डिग्री रहा। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग में पारा -7.2 डिग्री, मध्य कश्मीर के गांदेरबल जिले का सोनमर्ग में पारा -5.4 डिग्री दर्ज किया गया। काजीगुंड में -6.2 डिग्री, कोकरनाग में -3.2 डिग्री और कुपवाड़ा में -5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कश्मीर घाटी इस समय ''चिल्ला-ए-कलां'' की चपेट में है। इस दौरान हिमपात की संभावना सबसे अधिक होती है।

राजस्थान शीतलहर की चपेट में, कई जगह बारिश

जयपुर। राजस्थान के कई इलाकों में शीतलहर चल रही है और 24 घंटे में कई जगह हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के कुछ भागों में घना से अति घना कोहरा, शीत लहर व अति शीत दिन दर्ज किये गए। सर्वाधिक बारिश झुंझुनू में 5.0 मिलीमीटर हुई। इस दौरान न्यूनतम तापमान जैसलमेर में 4.6 डिग्री दर्ज किया गया। राज्य में एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा 1-2 दिन कुछ भागों में अति घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। अनेक जगह शीतलहर जारी रहेगी।

धमकियों से डरने वाला नहीं जन कार्य करता रहूंगा : बोस

- जान से मारने की धमकी भरा ईमेल मिलने का प. बंगाल के राज्यपाल ने किया उल्लेख

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने शुक्रवार को कहा कि वह राज्य की जनता के लिए काम करते रहेंगे और कोई भी ताकत उन्हें रोक नहीं सकती। गुरुवार रात जान से मारने की धमकी भरा ईमेल मिलने का उल्लेख करते हुए बोस ने कहा कि यह बंगाल की जनता के लिए मेरी लड़ाई को रोकने का प्रयास है।

उन्होंने कहा कि उन्हें पहले भी ऐसी धमकियां मिल चुकी हैं। बोस ने कहा कि वह बिना सुरक्षा गार्डों के भी कोलकाता की सड़कों पर उतरेंगे और बंगाल की जनता उनकी रक्षा करेगी। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, "इस तरह की धमकियां मुझे बंगाल की जनता के लिए काम करने से नहीं रोक सकतीं। बंगाल मेरा घर है, मैं बंगाल का बेटा हूं। इस धरती के लिए जान देने से मुझे डर नहीं लगता। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब मुझे जान से मारने की धमकी मिली है। पिछले साल मुर्शिदाबाद दौरे के दौरान किसी ने मुझे एक देसी बम थमा दिया था। मेरे सहायक ने तुरंत उसे लेकर पानी से भरे टब में डाल दिया। वह बिल्कुल बाल बाल बचने वाली स्थिति थी। इसी महीने अपना 75वां जन्मदिन मनाने वाले राज्यपाल ने कहा कि यह धमकी संभवतः राज्य की जनता की पीड़ा से जुड़े मुद्दों पर उनके मुखर रुख से जुड़ी हो सकती है। अधिकारियों ने बताया कि बोस को धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसके बाद उनकी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। ईमेल भेजने वाले ने राज्यपाल को विस्फोट से मार डालने की धमकी दी थी और उसने ईमेल में अपना मोबाइल नंबर भी लिखा था। बोस को जेड-प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई है, अब लगभग 60-70 केंद्रीय बल उनकी सुरक्षा के लिए तैनात किए गए हैं। लोक भवन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने कोलकाता के पास सॉल्ट लेक इलाके से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 63 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में शुक्रवार को 63 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया तथा उनमें से 36 पर 1.19 करोड़ रुपये से अधिक का इनाम घोषित था। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह केवल आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि विश्वास, परिवर्तन और नए जीवन की ओर सार्थक कदम है।

पुलिस ने बताया कि जिले में जारी नक्सल विरोधी मोर्चे पर सुरक्षाबलों को शुक्रवार को महत्वपूर्ण सफलता मिली जब पूना मारगेम अभियान से प्रभावित होकर 36 इनामी समेत 63 माओवादी समाज की मुख्यधारा में शामिल हो गए। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में 18 महिलाएं हैं। आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादी दक्षिण बस्तर, पश्चिम बस्तर, अबूझमाड़ और ओडिशा में सक्रिय थे। उनमें 36 माओवादियों पर एक करोड़ 19 लाख 50 हजार का इनाम घोषित था।

आतंक के खिलाफ नई पीढ़ी की ढाल एनआईडीएमएस

गुरुग्राम, एजेंसी

- शाह ने एनएसजी के राष्ट्रीय आईईडी डेटा मंच की शुरुआत की
- देश में होने वाले बम विस्फोटों के खिलाफ होगा व्यापक प्रतिरोधक

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय डिजिटल आईईडी डेटा प्रबंधन मंच की शुरुआत की, जो आतंकवाद के खिलाफ अगली पीढ़ी के सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करेगा। देश में होने वाले सभी प्रकार के बम विस्फोटों के खिलाफ व्यापक प्रतिरोधक होगा। राष्ट्रीय आईईडी डेटा प्रबंधन प्रणाली (एनआईडीएमएस) को संघीय आतंकवाद-रोधी कमांडो बल राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) द्वारा गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-दिल्ली, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की मदद से विकसित किया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये लिंक के माध्यम से मंच का उद्घाटन किया। यह केंद्र मानेसर स्थित राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) छावनी में स्थित है। मंत्री ने कहा कि एनआईडीएमएस आतंकवादी घटनाओं के खिलाफ एक ढाल और राष्ट्रीय संपत्ति के रूप में काम करेगा क्योंकि यह पुलिस, विभिन्न जांच एजेंसियों, राज्य आतंकवाद-रोधी दस्तों, एनआईए जैसी संघीय एजेंसियों तथा केंद्रीय बलों को विभिन्न प्रकार के बम विस्फोटों के तौर-तरीके और कार्यप्रणाली का विश्लेषण करने के लिए व्यापक डेटा प्रदान करेगा। शाह ने कहा कि यह मंच आईईडी विस्फोटों के लिए एक राष्ट्र एक डेटा भंडार के रूप में कार्य करेगा।

आओ करें पतंगबाजी...

लोहड़ी और मकर संक्रांति का पर्व करीब है। इस पर्व पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। क्या बड़े और क्या छोटे, सबको रंगबिरंगी पतंगें लुभाती हैं और वे जमकर पतंगबाजी में हाथ भी आजमाते हैं। शुक्रवार को पंजाब के अमृतसर में लोहड़ी के त्योहार से पहले पतंगों के एक स्टॉल पर जुटे ग्राहक।

राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय मान्यता देने के खिलाफ दायर याचिका रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

- हिंद साम्राज्य पार्टी ने चुनाव चिह्न आदेश 1968 को दी थी चुनौती
- दलील दी कि निर्वाचन आयोग मान्यता देने के लिए अधिकृत नहीं

दिल्ली उच्च न्यायालय ने निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय पार्टियों के रूप में मान्यता दिए जाने के खिलाफ दायर याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति नितिन वी सांब्रे और न्यायमूर्ति अनीश दयाल की पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के पिछले फैसलों में इस मुद्दे को संबोधित किया जा चुका है। याचिकाकर्ता हिंद साम्राज्य पार्टी ने चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) आदेश 1968 की वैधता को चुनौती दी थी, जिसके तहत राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय पार्टियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

उसने दलील दी थी कि निर्वाचन आयोग किसी राजनीतिक दल को राष्ट्रीय या राज्य स्तर की पार्टी के रूप में मान्यता प्रदान करने के लिए अधिकृत नहीं है। हिंद साम्राज्य पार्टी ने कहा था कि चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) आदेश के उपभाग 6ए, 6बी और 6सी इस तरह का दर्जा देने के लिए निर्धारित मानदंड अनुचित और बिना किसी आधार के थे। पार्टी ने कहा था कि उसे चुनाव के हर चरण में भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि मौजूदा राजनीतिक दल, जिन्हें अवैध रूप से राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के रूप में मान्यता दी गई है, विशेष अधिकारों और सुविधाओं का लाभ उठाते हैं।

आप के चार विधायक विस सत्र से निलंबित

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए आप के चार विधायकों को निलंबित कर दिया। गुप्ता ने कहा कि सदन की कार्यवाही में लगातार बाधा डालने और इसकी मर्यादा का उल्लंघन करने के कारण विपक्षी सदस्य (आप) सोम दत्त, जरनैल सिंह, संजीव झा और कुलदीप कुमार को शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए सदन से निलंबित किया जाता है। इससे पहले झा, सिंह और कुमार को कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में शीतकालीन सत्र से तीन दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया था।

ये कानून-व्यवस्था का मुद्दा, पहले प्राथमिकी दर्ज कराएं

नई दिल्ली, एजेंसी

- कुत्तों को खाना खिलाने वाली महिलाओं को परेशान करने के आरोपों पर सुनवाई से न्यायालय का इन्कार

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह कुत्तों को खाना खिलाने और उनकी देखभाल करने वाली महिलाओं को परेशान करने के आरोपों पर विचार नहीं करेगा, क्योंकि यह कानून-व्यवस्था का मुद्दा है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने कहा कि पीड़ित इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज करा सकती हैं।

आवारा कुत्तों से जुड़े मामले में दलीलें सुनने के दौरान, उच्चतम न्यायालय ने मुद्दे में महिलाओं पर की अपमानजनक टिप्पणियों के दावों पर भी विचार करने से मना कर दिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की विशेष पीठ ने पाया कि उसके समक्ष पेश की गईं दलीलें वास्तविकता से कोसों दूर थीं तथा आवारा कुत्तों द्वारा बच्चों और बुजुर्गों पर हमला करने के कई वीडियो हैं।

न्यायालय उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिनमें कुत्ता प्रेमियों द्वारा दायर याचिकाएं भी हैं, जिनमें पहले के आदेशों में संशोधन करने और निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के लिए निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता महालक्ष्मी पावनी ने कुत्तों को खाना खिलाने और उनकी देखभाल करने वाली महिलाओं की दशा का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसकी आड़ में वे महिलाओं को परेशान कर रहे हैं और उनकी पिटाई कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराइए। आपको कौन रोकता है? यदि कोई महिलाओं को परेशान कर रहा है या छेड़छाड़ कर रहा है, तो यह अपराध है, और पीड़ित प्राथमिकी दर्ज करा सकता है। पीठ ने कहा कि यह सब आपराधिक मामला है। आप इसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराएं। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, हम ऐसे व्यक्तिगत मामलों को नहीं ले सकते, जहां कहीं कुछ गलत हो रहा हो।

बार चुनाव लड़ने के इच्छुकों के लिए नैतिक मूल्यों के मानदंड उच्च

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वकीलों के लिए नैतिक मूल्यों के मानदंड उच्च हैं। न्यायालय ने यह टिप्पणी तेलंगाना के वकील की याचिका खारिज करते हुए की जिसे लंबित आपराधिक शिकायतों के कारण आगामी राज्य बार काउंसिल चुनाव लड़ने से रोका गया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने टिप्पणी की कि वह ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसे तेलंगाना राज्य बार काउंसिल चुनाव लड़ने की अनुमति दी जानी चाहिए।

हमारी प्रत्येक कृति छैनी बन कर हमारा जीवन रूपी पत्थर गढ़ती है।
-विनोबा भावे, संत

ट्रंप का टैरिफ टूल

अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्तावित 500 प्रतिशत टैरिफ वाला विधेयक वैश्विक शक्ति-संतुलन को प्रभावित करने वाला जियो-इकोनॉमिक औज़ार बनता दिख रहा है। यह सीनेट से पास हो जाएगा, पर इसको लेकर डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर मतभेद और रिपब्लिकन पार्टी के कई सांसदों की नाराजगी के चलते इसके कांग्रेस से पारित होने की राह किंचित कठिन हो सकती है। फिर ट्रंप के टैरिफ थोपने को लेकर अदालती फैसला भी आने ही वाला है। ट्रंप के लिए टैरिफ महज़ व्यापारिक हथियार नहीं, बल्कि 'स्विस मिलिट्री नाइफ' की तरह बहुउद्देशीय औज़ार है— आर्थिक सौदेबाज़ी, कूटनीतिक दबाव, जियो-पॉलिटिकल इशारे और यहां तक कि सुरक्षा रणनीति का हिस्सा भी, लेकिन यही बहुपयोगिता इसे विवादास्पद भी बनाती है। 500 प्रतिशत जैसा अतिरेकी टैरिफ विश्व व्यापार संगठन के नियमों की भावना के विपरीत है। इसके लिए उसे कानूनी चुनौतियों और अंतर्राष्ट्रीय आलोचना का सामना करना पड़ सकता है। इस विधेयक के तहत रूसी मूल के तेल, पेट्रोलियम उत्पाद या यूरेनियम की खरीद और कारोबार करने वाले देशों पर भी 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही गई है। भारत और चीन इस दायरे में आते हैं।

ट्रंप चीन के साथ व्यापार घटाना चाहते हैं, लेकिन इस प्रावधान और अमेरिकी चाहत के चलते भारत ज्यादा निशाने पर है, क्योंकि अमेरिका भारत पर कृषि और डेयरी बाजार खोलने का दबाव बनाकर, चीन के साथ घटे व्यापार की भरपाई करना चाहता है। भारत के लिए इसके निहितार्थ गहरे हैं। ऐसा टैरिफ भारत की ऊर्जा नीति, व्यापार संरचना, रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक स्थिति को सीधे प्रभावित करेगा। रूसी क्रूड पर निर्भर भारतीय रिफाइनरियों के मार्जिन दबाव में आ सकते हैं और यदि मिडिल ईस्ट या अन्य स्रोतों से महंगा तेल खरीदना पड़ा, तो घरेलू ईंधन कीमतों में उछाल तय है। निर्यात के मोर्चे पर, 500 प्रतिशत टैरिफ का अर्थ होगा कि अमेरिकी बाज़ार में भारतीय उत्पाद लगभग अप्रतिस्पर्धी हो जाएंगे विशेषकर टेक्सटाइल, जेम्स-ज्वेलरी, केमिकल्स और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे क्षेत्रों में, हालांकि भारत ने जोखिम को भांपते हुए बाजार विविधीकरण की रणनीति अपनाई है। दिलचस्प यह है कि इतना कठोर टैरिफ भारत या चीन से अधिक अमेरिकी अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचा सकता है। इससे अमेरिकी उपभोक्ताओं पर महंगाई का बोझ बढ़ेगा, उद्योगों की लागत बढ़ेगी और रोजगार पर दबाव आएगा। यही कारण है कि 500 प्रतिशत टैरिफ की बात को राजनीतिक बयानबाजी अधिक मालूम होती है और इसके लागू होने की संभावना कम। यदि अदालतें इसके खिलाफ जाती हैं, तो इसकी वैधता पर वैसे भी प्रश्नचिह्न लग जाएगा।

इस संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र की ताज़ा रिपोर्ट का उल्लेख उत्साहजनक है, जिसके अनुसार 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। यह संकेत देता है कि भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत है। 50 प्रतिशत टैरिफ भारत की रफ्तार नहीं रोक सका, तो 500 प्रतिशत जैसे अतिरेकी कदम से भी भारत उबरने की क्षमता रखता है— बशर्ते नीति-निर्माण में सतर्कता, कूटनीतिक संतुलन और बाज़ार विविधीकरण की रणनीति बनी रहे।

सिर्फ बातें क्यों बना रहे हैं रूस और चीन

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी
यूएई एंबेसी

पिछली तीन जनवरी 2026 को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में अमेरिकी सेना ने एक स्पेशल ऑपरेशन चलाया और वेनेजुएला के प्रेसिडेंट निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी कोकेरायका से उठाकर अमेरिका ले गए। ट्रंप ने तो साफ-साफ कहा कि अब वेनेजुएला का तेल और दौलत अमेरिका को मिलेगी। ये एक तरह से सैन्य हमला था, जिसमें कुछ मौतें भी हुईं और अब अमेरिका वहां तेल टैंकरों पर कब्जा कर रहा है। पूरी दुनिया में हंगामा मच गया, लेकिन रूस और चीन ने बस सांकेतिक निंदा की। ज्यादा कुछ किया नहीं।

इतने बड़े मसले को ये दोनों सुपर पॉवर इतने हल्के में क्यों ले रहे हैं? इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं? सबसे पहले तो ये समझ लें कि रूस और चीन, दोनों ही वेनेजुएला के पुराने दोस्त हैं। मादुरो की सरकार को उन्होंने हमेशा सपोर्ट किया है। रूस ने तो वेनेजुएला में अरबों डॉलर का निवेश किया है, खासकर तेल और हथियारों में। चीन का भी वहां बड़ा खेल है। उसने करीब 10-12 बिलियन डॉलर का कर्ज दिया है और उससे तेल आयात करता है। जब अमेरिका ने हमला किया, तो रूस ने यूएन सिक्योरिटी काउंसिल में कहा कि ये अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है, आक्रामकता है।

चीन ने भी कहा कि वो सदमे में हैं। चीन ने मादुरो को फौरन रिलीज करने की मांग भी की। ईरान, क्यूबा, साउथ अफ्रीका जैसे देशों ने भी निंदा की, लेकिन नोटिस करें, ये सब बस बातें हैं— कोई सैन्य मदद नहीं, कोई बड़ा एक्शन नहीं, कोई जंग की धमकी नहीं। क्यों? ये सांकेतिक निंदा है, जैसे फॉर्मेलिटी निभा रहे हों। असली कारण क्या है? पहला बड़ा कारण है उनकी अपनी कमजोरियां और व्यस्तताएं। रूस तो अभी यूक्रेन युद्ध में फंसा हुआ है। जंग 2022 से चल रही है। जंग के कारण रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव है। आर्थिक प्रतिबंध लगे हैं, सैनिक मर रहे हैं और अब अगर वो वेनेजुएला में कूदता, तो अमेरिका के साथ सीधा टकराव होने का खतरा है। रूस के पास इतनी ताकत नहीं कि वो अमेरिका को लैटिन अमेरिका में चैलेंज कर सके। वो अपना यूरोपियन फ्रंट संभाल रहा है, जहां यूक्रेन के जरिए नाटो से लड़ रहा है। वेनेजुएला दूर है, लॉजिस्टिक्स मुश्किल है। सो, रूस ने बस यूएन में बोलकर अपनी इज्जत बचा ली, लेकिन एक्शन नहीं लिया।

चीन की सेना दुनिया की सबसे बड़ी है, लेकिन वो साउथ चाइना सी और ताइवान पर फोकस्ड है। अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर चल रहा है, इकोनॉमी स्लो हो रही है। चीन नेवेनेजुएला में पैसे लगाए हैं, लेकिन वो जानता है कि अगर वो सैन्य तरीके से इन्वॉल्व होता तो अमेरिका ताइवान स्ट्रेट में और जहाज भेज देता, या ट्रेड रेस्ट्रिक्शंस बढ़ा देता। चीन अपने को कूटनीतिक विरोध जताने तक सीमित रखेगा, क्योंकि उसके लिए वेनेजुएला से ज्यादा जरूरी है अपना एशिया प्रभुत्व बनाए रखना। दूसरा कारण है आर्थिक हित।

दोनों देशों के पास वेनेजुएला में निवेश है। चीन का तेल आयात वेनेजुएला से है, लेकिन वो सऊदी अरब, रूस और अन्य जगहों से भी लेता है। अगर अमेरिका वेनेजुएला का तेल कंट्रोल करता है, तो चीन को नुकसान होगा, लेकिन वो नए विकल्प ढूंढ लेगा। रूस भी वेनेजुएला को हथियार बेचता है, लेकिन उसकी मुख्य कमाई यूरोप और एशिया से है। अब अगर वो ज्यादा विरोध करता है, तो अमेरिका उनके निवेशों को टारगेट कर सकता था।

ट्रंप ने साफ कहा कि वेनेजुएला की दौलत अमेरिका को मिलेगी। रूस और चीन सोच रहे होंगे कि ज्यादा उछलने से नुकसान होगा। वो संयुक्त राष्ट्र में निंदा करके दिखा रहे हैं कि मादुरो के साथ हैं, लेकिन असल में वो वेट एंड वॉच पर हैं। शायद सोच रहे हैं कि नई सरकार से डील कर लेंगे, क्योंकि वेनेजुएला की एक्टिंग प्रेसिडेंट डेल्सी रोड्रिगेज ने अमेरिका को सहयोग का ऑफर दिया है। तीसरा पॉइंट है वैश्विक रणनीति।

रूस और चीन दोनों ही अमेरिका को चैलेंज करना चाहते हैं स्मार्ट तरीके से। वो अमेरिका की डॉलर डोमिनेंस को कम करना चाहते हैं, लेकिन सीधी जंग से नहीं। वेनेजुएला का मामला उनके लिए एक टेस्ट केस है। अगर वो ज्यादा कुछ नहीं करते, तो दुनिया देखेगी कि अमेरिका अभी भी सुपर पॉवर है, लेकिन अगर वो एक्शन लेते हैं, तो तीसरा विश्व युद्ध का खतरा बढ़ सकता है। ट्रंप की पॉलिसी है अमेरिका फर्स्ट और वो ग्रीनलैंड, कनाडा जैसी जगहों पर भी आंखें गड़ा रहा है।

रूस और चीन जानते हैं कि अमेरिका की आर्मी अभी सबसे मजबूत है, एफ-35 जैसे प्लेन से रडार जैम किए जा सकते हैं। सो, वो सांकेतिक निंदा से अपनी इमेज बचा रहे हैं। ईरान ने भी निंदा की, लेकिन वो खुद इजराइल से लड़ रहा है। क्यूबा ने कहा कि उसके 32 लोग मारे गए, लेकिन वो भी कुछ कर नहीं सकता। चौथा कारण है इंटरनेशनल लॉ और पब्लिक ओपिनियन। यूएन में निंदा करके वो दिखा रहे हैं कि अमेरिका बिगड़ैल देश है, अंतर्राष्ट्रीय कानून तोड़ रहा है।

ब्रिटेन, फ्रांस जैसे अमेरिका के सहयोगी भी चुप हैं या हल्की निंदा कर रहे हैं, लेकिन रूस और चीन के लिए ये एक मौका है दुनिया को दिखाने का कि अमेरिका हाइपोक्रेट है। वह यूक्रेन में रूस की निंदा करता है, लेकिन खुद वेनेजुएला में घुस गया, लेकिन रूस और चीन जानते हैं कि संयुक्त राष्ट्र में कुछ नहीं होगा, क्योंकि अमेरिका वीटो कर देगा, इसलिए, सांकेतिक निंदा करके ही खुश हैं।

इस बीच रूस और चीन ब्रिक्स से अमेरिका को जवाब दे रहे हैं, लेकिन मिलिट्री तरीके से नहीं। वेनेजुएला में अगर अमेरिका का नियंत्रण हो जाता है, तो कच्चे तेल के दाम गिर सकते हैं, जो रूस के लिए बुरा है, क्योंकि रूस तेल बेचकर कमाता है, लेकिन वो सोच रहे होंगे कि अमेरिका की इस तरह की कार्रवाई उसे अलग-थलग कर देगी। दुनिया में कई देश जैसे ब्राज़ील, कोलंबिया ने भी निंदा की है। रूस और चीन इंतजार कर रहे हैं कि अमेरिका खुद अपने खेल में फंस जाए।

रूस और चीन, दोनों ही वेनेजुएला के पुराने दोस्त हैं। अब सवाल ये है कि अमेरिकी हरकत को ये दोनों सुपर पॉवर इतने हल्के में क्यों ले रहे हैं? इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं?

सोशल फोरम

रुमानियत शोर नहीं करती

कुछ रातें होती हैं, जो दिल से नहीं, उसके पीछे वाले कमरे से बात करती हैं, वहां जहां हम खुद से सच बोलते हैं, मगर आवाज़ नहीं निकालते, दिन भर हम अपने ही ऊपर कितनी परतें चढ़ाते रहते हैं, ठीक व्यवहार की परत, ठीक शब्दों की परत, ठीक प्रतिक्रिया की परत, हर मुलाकात में थोड़ा सा अभिनय, हर मुस्कान में थोड़ी सी थकान और फिर एक पल आता है, जब आदमी अचानक समझता है कि वह अपने ही जीवन में देर से पहुंचा है।

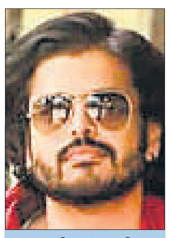

असीम तिवारी
ब्लॉगर

रुमानियत मुझे हमेशा वही लगी है, जो शोर नहीं करती, जो मेज पर हथेली पटककर प्रेम का दावा नहीं करती, जो रोज़ राज़ हक़ नहीं जताती। वह बस साथ बैठ जाती है। कभी किसी छत पर। कभी किसी खिड़की के पास। कभी किसी खाली सड़क के किनारे। वह कहती नहीं कि मैं तुम्हें बचा लूंगी, वह बस इतना करती है कि तुम डूबो भी तो अपनी ही गहराई में डूबो, किसी झूठ में नहीं और यही सबसे बड़ा आराम है कि कोई तुम्हें बदलने की कोशिश नहीं कर रहा।

आजकल लोग प्यार को भी प्रोजेक्ट की तरह चलाते हैं। लक्ष्य, नियम, अपेक्षा, अपडेट, डिलिवरी, जैसे भावनाएं नहीं, रिपोर्ट लिख रहे हों। किसी ने देर से रिप्लाई किया तो प्रेम का नतीजा बदल जाता है। किसी ने कम ध्यान दिया तो रिश्ता कमजोर पड़ जाता है। हम प्रेम को इतना नापने लगे हैं कि प्रेम का वजन ही बदल गया है। प्रेम का सबसे सुंदर रूप वही है, जिसमें गणित नहीं होता, जिसमें आप किसी के साथ इसलिए नहीं रहते कि वह आपको पूरा करेगा, बल्कि इसलिए कि उसके पास बैठकर आप अपने अधूरेपन से भी डरना बंद कर देते हैं। और सुकून, मेरा मानना है, खुशी से भी ज़्यादा कीमती चीज़ है सुकून, खुशी अक्सर शोर करती है। सुकून चुप रहता है, खुशी बाहर के मौसम से बदल जाती है, सुकून भीतर की जलवायु है। यह तब आता है जब आप खुद से भागना बंद कर देते हैं। जब आप अपने भीतर बैठे उस जज को छुट्टी दे देते हैं, जो हर समय आपके फैसलों पर सीटी बजाता रहता है जब आप मान लेते हैं कि जीवन कोई परीक्षा नहीं, एक यात्रा भी नहीं, कई बार बस एक प्रतीक्षा है और उस प्रतीक्षा में अगर खुद का हाथ पकड़ा रह जाए, तो भी बहुत है।

जब भी लगे कि मैं बहुत बड़ा हो गया हूं, मैं बहुत जान गया हूं, उसी रात अपने भीतर का शोर बंद करके बाहर निकल जाना, आसमान की तरफ़ देखना, तारे गिनना नहीं, बस उन्हें रहने देना और फिर धीरे से अपने आप को समेट लेना, जैसे कोई अपने बच्चे को गोद में समेट लेता है। आदमी जितना अपने आप को छोटा करना सीख ले, उतना ही प्रेम करने लायक बड़ा हो जाता है!

-फेसबुक वाल से

प्रसंगवश

प्रवेश मुफ्त नहीं, किताबों को सस्ता कीजिए

जब दिल्ली में कड़ाके की सर्दी, कोहरे और दमघोंटू स्मॉग की मार चरम पर हो गई है, तब 10 जनवरी से नौ दिन के लिए दुनिया के सबसे बड़े पुस्तक मेलों में गिने जाने वाले नई दिल्ली पुस्तक मेले का आयोजन होगा। इस बार प्रगति मैदान, जो अब भारत मंडपम हो गया है, में प्रवेश के लिए टिकट नहीं लगेगा। भले ही इसे बड़े ज़ोर-शोर से प्रचारित किया जा रहा हो, लेकिन असली पुस्तक प्रेमियों के लिए निःशुल्क प्रवेश व्यवधान ही होता है। इससे पहले भी एक बार निःशुल्क प्रवेश किया गया, तो बेशुमार भीड़ से व्यवस्थाएं चरमराईं और किताबों से अधिक खान-पीने के स्टॉल पर लोगों ने खर्च किए। किताबों को चाहने वालों के सामने आज असली समस्या किताबों के बढ़ते दाम हैं। एक तो कागज की कीमत और ऊपर से कागज पर 12 प्रतिशत व मुद्रण पर 30 प्रतिशत जीएसटी की मार। वैसे भी दुनिया के बड़े पुस्तक मेलों से तुलना करें तो नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला भीड़ तो खींचता है, लेकिन इसे अंतर्राष्ट्रीय कहे जाने वाले न तो प्रकाशक होते हैं न ही लेखक।

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

54 साल पहले 18 मार्च से चार अप्रैल 1972 तक नई दिल्ली के विंडसर पैलेस के मैदान में कोई 200 भागीदारों के साथ शुरू हुआ नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला तब 'बसंतोत्सव' के रूप में शुरू हुआ था। बसंत के सुखद मौसम में, जब न ज्यादा ठंड, न गर्मी, ज्ञान की देवी सरस्वती को समर्पित। तब दो साल में एक बार पुस्तक मेला लगता था और देश-विदेश के प्रकाशक इसके लिए खासी तैयारी करते थे। सन 2016 में चीन अतिथि देश के रूप में आमंत्रित किया गया था, चूंकि चीन में फरवरी के महीने में सालाना जश्न होता है और वहां प्रायः सभी जगह अवकाश होता है, सो उनके लिए बसंतोत्सव की परंपरा को तोड़ कर जनवरी में पुस्तक मेले का आयोजन शुरू हुआ।

लेखकों, प्रकाशकों, पाठकों को बड़ी बेसब्री से इंतज़ार होता है नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का, हालांकि फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स (एफआईपी) भी हर साल अगस्त में दिल्ली के प्रगति मैदान में ही पुस्तक मेला लगा रहा है और इसमें लगभग सभी ख्यातिलब्ध प्रकाशक आते हैं, बावजूद इसके नेशनल बुक ट्रस्ट के पुस्तक मेले की मान्यता अधिक है। हमारे यहां केवल किताब खरीदने के लिए तो दर्जनों वेबसाइट उपलब्ध हैं, जिस पर घर बैठे आदेश दो और घर बैठे डिलेवरी लो, इसके बावजूद यहां 1200 से 1400 प्रतिभागी होते हैं और कई चाह कर भी हिस्सेदारी नहीं कर पाते, क्योंकि जगह नहीं होती या फिर यहां भागीदारी का खर्च बहुत अधिक होता है। एक स्टाल लगाने का कम से कम एक लाख रुपये।

यह बात भी चर्चा में है कि इस पुस्तक मेले में विदेशी भागीदारी लगभग न के बराबर होती जा रही है। यदि श्रीलंका और नेपाल को छोड़ दें तो विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र श्रम संगठन, स्वास्थ्य, यूनीसेफ आदि के स्टाल विदेशी मंडप में अपनी प्रचार सामग्री प्रदर्शित करते दिखते हैं। फेंकफर्ट और अबुधाबी पुस्तक मेला के स्टाल भागीदारों को आकर्षित करने के लिए होते हैं। दो-तीन देश के भारत दूतावास किताबें प्रदर्शित कर देते हैं। इक्का-दुक्का स्टालों पर विदेशी पुस्तकों के नाम पर केवल 'रिमेंडर्स' यानी अन्य देशों की फालतू या पुरानी पुस्तकें होती हैं। ऐसी पुस्तकों को प्रत्येक रविवार को दरियागंज में लगने वाले पटरी-बाजार से आसानी से खरीदा जा सकता है। पहले पाकिस्तान से दस प्रकाशक आते थे, लेकिन बीते 15 सालों से पाकिस्तान के साथ बाकी तिजारत तो जारी है, लेकिन एक दूसरे के पुस्तक मेलों में भागीदारी बंद हो गई।

आमने सामने

हम सिर्फ सरकार पर ही निर्भर रहें, यह भी ठीक नहीं है। जनता की भी बराबर की जवाबदेही बनती है। सभी को इंदौर की घटना से सबक लेते हुए अपने घरों की टंकी की सफाई करनी चाहिए। सरकार के साथ-साथ हम सब लोगों की भी जिम्मेदारी बनती है।

-ज्ञानेश्वर पाटिल
भाजपा सांसद, मध्य प्रदेश

जब सरकार सुरक्षित पानी तक नहीं दे सकती और मौतों के बाद भी जवाबदेही से बचती है, तो ऐसी सत्ता को कुर्सी पर बने रहने का अधिकार नहीं है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही पीड़ित परिवारों को न्याय भी मिलना चाहिए।

-अरुण यादव
कांग्रेस नेता

कचरा, शोर व प्रकाश प्रदूषण से दिमाग को हानि

एसएम प्रसाद
विज्ञान लेखक

राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न वैज्ञानिक एवं चिकित्सा प्रयोगशालाओं में ह्यूमन डिजेनरेटिव डिजिज पर निरंतर किए गए अध्ययनों व वर्तमान में जारी तमाम अनुसंधानों के अनुसार धूल, धुंआ, ध्वनि व प्रकाश प्रदूषण में 10 मिनट से अधिक रहने पर सभी नाजुक अंगों, फेफड़े, हृदय व मस्तिष्क में होने वाली गंभीर बीमारियां तेजी से असाध्य रोगों में बदलती जा रही हैं। बार-बार व ज्यादा समय तक उनके सीधे संपर्क और करीब रहने पर बच्चों व बुजुर्गों में बहुत तेजी से प्रतिरोधक क्षमता व स्मरण शक्ति कमजोर होती जा रही है। खासकर दिमागी कार्य क्षमता तेजी से घटती जा रही है। इसका दुष्प्रभाव समूचे परिस्थितिकी तंत्र पर पड़ रहा है और लाइलाज होता जा रहा है।

मस्तिष्क हमारे शरीर का सबसे जटिल और संवेदनशील अंग है। यह न केवल विचारों और भावनाओं को नियंत्रित करता है, बल्कि स्मृति, निर्णय क्षमता और रचनात्मकता का भी आधार है। आधुनिक जीवन शैली में बढ़ते वातावरणीय अन्य प्रदूषणों के साथ-साथ कचरा, शोर व प्रकाश प्रदूषण को वैज्ञानिक और चिकित्सा दृष्टि से इनका कुप्रभाव समझना और बचाव करना अत्यंत आवश्यक है।

कचरे से निकलने वाले रसायन और धातुएं (जैसे- माइक्रो प्लास्टिक, कार्बनिक पदार्थ व सीसा, पारा, कैडमियम) हवा, पानी और भोजन में मिलकर शरीर में प्रवेश करते हैं। ये तत्व न्यूरॉन्स को क्षति पहुंचाते हैं और न्यूरोइन्फ्लेमेशन (मस्तिष्क में सूजन) को बढ़ाते हैं। लगातार ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के कारण स्मृति और ध्यान क्षमता और तेजी से घटती है। चारों तरफ घर से बाहर तक अस्वच्छ वातावरण मानसिक असहजता और तनाव को अनियंत्रित ढंग से जानलेवा बनाता जा रहा है, जो दीर्घकालिक अवसाद का कारण है।

लगातार बढ़ते वाहनों, मशीनों, लाउडस्पीकर, ढोल-नगाड़ों और भीड़भाड़ से उत्पन्न शोर से नींद की गुणवत्ता बिगड़ती जा रही है। स्मृति, भावनात्मक व चिंतन असंतुलन बढ़ रहा है। शोर से कोर्टिसोल और एड्रेनालिन जैसे तनाव हार्मोन बढ़ जाते हैं, जो लंबे समय तक मस्तिष्क की कार्य क्षमता को इतना कमजोर कर देते हैं, जिससे बचाव और उपचार में कृत्रिम उपकरणों का अनावश्यक उपयोग का बोझ बढ़ता जा रहा है। बच्चों में सीखने, पठन-पाठन की क्षमता, महिलाओं व वयस्कों में ध्यान केंद्रित करने की क्षमता खासकर ऐसे अधिकांश प्रदूषण की अधिकता वाली जगहों पर रहने वाले लोगों में घट रही है।

चकाचौंध की चाहत में प्रकाश प्रदूषण खासकर रात में अत्यधिक कृत्रिम रोशनी, विशेषकर स्क्रीन और एलईडी व फ्लड लाइट्स शरीर की जैविक घड़ी (सरकेडियन रिदम) को बिगाड़ रही हैं। मेलाटोनिन हार्मोन का उत्पादन कम हो जाता है, जिससे नींद की गहराई घटती जा रही है। नींद की लगातार कमी से मानसिक थकान, चिड़चिड़ापन और स्मृति ह्रास बढ़ा कारण हो रहा है। शोध बताते हैं कि प्रकाश प्रदूषण अवसाद और चिंता जैसी मानसिक बीमारियों से जुड़ा बड़ा कारक है।

इन सब से बचने और निपटने के लिए बेहद जरूरी है कि व्यक्तिगत, परिवारिक व सामाजिक स्वच्छता को और अधिक गंभीर हो कर अपनाना है। साथ में सघन जन भागीदारी के लिए विशेष जनता बैठकें जरूरी हैं। गीला व सूखा कचरे का सही निपटान व पुनर्चक्रण को बढ़ावा दें। कानों की सुरक्षा के लिए, तेज आवाज वाले ध्वनि विस्तारक उपकरणों का न्यूनतम ही उपयोग करें। रात में स्क्रीन का उपयोग कम करें और हल्की रोशनी का उपयोग करें। मानसिक शांति पाने के लिए, ध्यान, योग, मौन व क्रोध रहित कार्यों को दिनचर्या में निश्चित रूप से शामिल करें।

हर रोज प्रकृति से जुड़ें। अहिंसक पशु-पक्षियों, जल जीवों, हरियाली, प्राकृतिक वातावरण और आकाश में तारों, चंद्रमा व उगते और अस्त होते सूर्य का अवलोकन मस्तिष्क को पुनः ऊर्जा देता है। इसी के साथ यह भी व्यवहार में लाना जरूरी है कि प्लास्टिक की वस्तुओं व उपकरणों का अत्यधिक उपयोग न करें। हर संभव इनके स्थान पर कागज, धातु, मिट्टी, पत्तों से बने दोना-पत्तल, कप कटोरी व सभी बायोडिग्रेडेबल सामग्रियों को फिर से बढ़ावा दें। लगातार शोर वाले वातावरण में लंबे समय तक न रहें और संवैधानिक तरीके से नियंत्रित कराएं।

आधुनिक युग में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नये-नये उत्पाद व तकनीकें कचरा, शोर और प्रकाश प्रदूषण अब केवल साधारण दैनिक समस्या कह कर उपेक्षा करते नहीं करनी चाहिए, बल्कि स्पर्धा के दौर में हमारे मस्तिष्क की शक्ति और मानसिक स्वास्थ्य को तेजी से कमजोर कर रहे हैं। राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक शोधों और उनके निष्कर्षों के अनुसार जानलेवा प्रदूषणों से बचाव और निराकरण के लिए व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामूहिक प्रयास नितांत आवश्यक हैं। स्वच्छता, शांति और प्राकृतिक जीवन शैली अपनाकर हम न केवल अपने मस्तिष्क को सुरक्षित रखें, वर्तमान पीढ़ी के हर वर्ग तथा दूषित प्रकृति के लिए भी स्वस्थ वातावरण उत्पन्न करें। संकल्प के तौर पर व्यवहारिक वैज्ञानिक सोच, दृष्टिकोण व व्यवहार को बढ़ाएं और बच्चों को वैज्ञानिक सोच का बनाएं।

रिसर्च के मुताबिक धूल, धुंआ, ध्वनि व प्रकाश प्रदूषण में 10 मिनट से अधिक रहने पर सभी नाजुक अंगों, फेफड़े, हृदय व मस्तिष्क को भारी नुकसान हो रहा है।

सामयिकी

गांवों तक योजना तो पहुंची पर रोशनी नहीं

भारत के गांवों में रात का अंधेरा सिर्फ अंधेरा नहीं, बल्कि सुरक्षा-संकट, अवसरों का नुकसान, स्वतंत्र आवाजाही में बाधा और रोजमर्रा की जिंदगी को जोखिम में डालने वाला अनुभव बन जाता है। यह वह मुश्किलें हैं, जो उत्तराखंड जैसे पहाड़ी गांव में रोज झेलनी पड़ती है। रात के समय कच्चे रास्ते पर चलते हुए डर और असहजता आम बात है। बच्चों से लेकर पुरुष, महिलाएं और बुजुर्ग सभी को अंधेरे से जूझना पड़ता है, क्योंकि रास्तों पर पर्याप्त रोशनी नहीं होती।

सड़क पर लाइट की व्यवस्था न होने से रात में चलना जोखिम भरा हो जाता है। जंगली जानवरों से लेकर ठोकर खाकर गिरने तक के भय के साथ लोगों को इस रास्ते पर से गुजर होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई बार सोलर लाइट की व्यवस्था की जाती है, लेकिन अभी भी गांव के सभी रास्तों पर लोगों को इस सुविधा का इंतज़ार रहता है।

कविता हुलेरिया
एक्टिविस्ट

अटल ज्योति योजना के तहत अब तक 257 जिलों में लगभग 2.72 लाख सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई जा चुकी हैं और यह प्रक्रिया अभी भी जारी है, ताकि उन इलाकों को रोशन किया जा सके, जहां ग्रिड-बिजली भरोसेमंद नहीं है। राज्य स्तर पर भी कई योजनाएं चल रही हैं। हरियाणा में बिजली पहुंचाने के प्रयासों के तहत सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं, लेकिन कई गांवों में अभी भी पर्याप्त संख्या में रोशनी नहीं पहुंची है।

उत्तराखंड राज्य के उदाहरण को देखें तो यह राज्य हिमालयी भौगोलिक क्षेत्र में बसा हुआ है, जहां बिजली की निरंतरता चुनौतीपूर्ण रही है। उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) और अन्य विभागों ने ग्रामीण हिस्सों में सोलर लाइटों की स्थापना के लिए कदम उठाए हैं। चंपावत जिले के ग्रामीण इलाकों के लिए उरेडा को लगभग 72 लाख रुपये की धनराशि मिली है, जिससे चार विकास खंडों में एलईडी-आधारित सोलर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह धनराशि सोलर लाइटें लगाने और ग्रामीण रास्तों, सार्वजनिक स्थानों को रोशन करने के लिए आवंटित की गई है, जिससे अंधेरे में आवाजाही आसान हो सके।

अप्रैल 2025 में अल्मोड़ा जिले में लगभग 90 लाख रुपये की लागत से गांवों में सोलर लाइट लगाई गई, जो छह ब्लॉकों में 72 स्थानों तक रात की आवाजाही को आसान बनाने में मदद कर रही है। इस तरह की पहल से यह क्षेत्र न सिर्फ अंधेरे को कम करता है, बल्कि रात में स्कूलों, बाज़ारों और चिकित्सकीय सेवाओं तक पहुंच भी सुलभ बनाता है। पिछले कुछ महीनों में नैनीताल जिले के लिए निजी कंपनी के CSR फंड और सांसद के सहयोग से लगभग 1400 सोलर स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था की गई, ताकि गांवों की गलियों और सड़क किनारों को उजाला मिल सके। स्थानीय प्रशासकों ने कहा है कि पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा योग्य स्थलों का चुनाव किया जाना चाहिए, ताकि रोशनी का लाभ सभी तक समान रूप से पहुंचे।

इन आंकड़ों और परियोजनाओं को देख कर यह समझ में आता है कि उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्य में सोलर लाइट की आवश्यकता सिर्फ एक तकनीकी समाधान नहीं है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक बदलाव लाने वाली आवश्यकता भी है। जहां बिजली का ग्रिड की समुचित व्यवस्था नहीं पहुंच रहे है, वहां सोलर स्ट्रीट लाइट गांवों को रात में सुरक्षित महसूस कराने का एक सरल और टिकाऊ उपाय बन रहे हैं, जो स्थानीय लोगों की आवाजाही, बच्चों की पढ़ाई, महिलाओं की स्वतंत्रता तथा बुजुर्गों की रात की सुरक्षा को बेहतर बनाते हैं।

स्वामी- रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत* 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

गांधी तीर्थ, जलगांव
तकनीक और विचार से जुड़ने का अद्भुत अनुभव

हिंसा, असहिष्णुता और वैचारिक विभाजन के इस दौर में महात्मा गांधी को नए सिरे से समझने की जरूरत और गहरी हो जाती है। महाराष्ट्र के जलगांव में स्थित 'गांधी तीर्थ' इसी तलाश का उत्तर देता है। यह स्थल हमें बताता है कि गांधी को समझना केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि उनके विचारों से सीधे जुड़ने की एक जीवंत प्रक्रिया है। आधुनिक तकनीक, शोधपूर्ण प्रस्तुति और संवेदनशील क्यूरेशन के माध्यम से 'गांधी तीर्थ' महात्मा गांधी के जीवन, संघर्ष और मूल्यों को जिस तरह सजीव करता है, वह इसे एक साधारण दर्शनीय स्थल से कहीं आगे ले जाता है। 'गांधी तीर्थ' का बड़ा आकर्षण यह है कि यह महात्मा गांधी को केवल 'महापुरुष' के रूप में नहीं, बल्कि मोहनदास करमचंद गांधी एक जिज्ञासु बालक, प्रयोगशील युवा, संघर्षरत वकील और सतत साधक के रूप में सामने रखता है। इस तीर्थ की सबसे अनोखी विशेषता इसकी ऑडियो गाइड तकनीक है। हेडफोन के माध्यम से जैसे ही हम एक-एक खंड में प्रवेश करते हैं, गांधी का जीवन, उनके विचार और उनके समय की परिस्थितियां हमारे भीतर उतरने लगती हैं। यह यात्रा पोरबंदर के एक सामान्य से घर से शुरू होकर दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह और भारत के स्वतंत्रता संग्राम तक पहुंचती है।

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

स्पष्टता और संदर्भ की गहराई

महात्मा गांधी के जीवन कार्यों पर आधारित विश्व का पहला आडियो गाइड संग्रहालय भ्रमण के अनुभव को विशेष बनाती है। यह साधारण जानकारी नहीं, बल्कि एक तरह का संवाद है, जो दर्शक को भीतर तक छू लेता है। आवाज, संगीत, ऐतिहासिक उद्धरण और दृश्य एक साथ मिलकर ऐसा अनुभव रचते हैं कि दर्शक केवल देख नहीं रहा होता, बल्कि उस समय को जी रहा होता है। यह तकनीक गांधी के विचारों से भावनात्मक और बौद्धिक दोनों स्तरों पर जोड़ देती है। संग्रहालय के 31 से अधिक खंड टच स्क्रीन, बाइस्कोप, डिजिटल बुक्स, थ्री-डी मैंपिंग, एनिमेशन, ऐतिहासिक तस्वीरें, दुर्लभ फुटेज, गांधी के भाषणों की आवाज और समकालीन घटनाओं का दृश्यांकन आदि सब मिलकर ऐसा वातावरण रचते हैं, मानो इतिहास किताबों से निकलकर हमारे सामने खड़ा हो गया हो। चरखा, नमक सत्याग्रह, दांडी यात्रा, असहयोग आंदोलन ये सब केवल घटनाएं नहीं रह जातीं, बल्कि मानवीय संवेदना और नैतिक साहस की कहानियां बन जाती हैं। इन प्रस्तुतियों में भावुकता नहीं, बल्कि विचार की स्पष्टता और संदर्भ की गहराई दिखाई देती है।

साधन की पवित्रता और साध्य की नैतिकता

'गांधी तीर्थ' में यह बात बार-बार उभरकर आती है कि गांधी का जीवन किसी एक दिन, एक घटना या एक आंदोलन से परिभाषित नहीं होता। उनका जीवन सतत प्रयोगों की प्रयोगशाला था सत्य के प्रयोग, अहिंसा के प्रयोग, आत्मसंयम और सामाजिक न्याय के प्रयोग। दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ उनके संघर्ष से लेकर भारत में किसानों, मजदूरों और महिलाओं के प्रश्नों तक हर जगह गांधी का आग्रह एक ही रहाः साधन की पवित्रता और साध्य की नैतिकता। गांधी तीर्थ यह भी स्पष्ट करता है कि गांधी के लिए राजनीति सत्ता का खेल नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी थी। सत्य, अहिंसा, आत्मसंयम और करुणा ये उनके लिए नारे नहीं, जीवन की पद्धति थे। प्रदर्शनी में यह बात उभरकर आती है कि गांधी के प्रयोग केवल स्वतंत्रता आंदोलन तक सीमित नहीं थे, बल्कि शिक्षा, समाज, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण तक फैले हुए थे। यहां यह भी प्रभावी ढंग से दिखाया गया है कि गांधी केवल राजनीतिक नेता नहीं थे, बल्कि समाज सुधारक, शिक्षाविद्। और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील चिंतक भी थे। बुनियादी शिक्षा, स्वदेशी, ग्राम स्वराज और श्रम की गरिमा इन विचारों को आज की चुनौतियों से जोड़कर प्रस्तुत किया गया है।

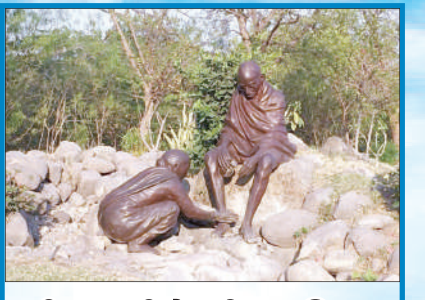

जीवन जीने की पद्धति सत्य और अहिंसा

डिजिटल माध्यमों से यह सवाल भी उठाया जाता है कि उपभोक्तावाद, हिंसा और असमानता से भरी आज की दुनिया में गांधी की प्रासंगिकता कहां और कैसे है। इन सवालों के सीधे उत्तर नहीं दिए जाते, बल्कि दर्शक को सोचने के लिए प्रेरित किया जाता है और शायद यही गांधी की सबसे बड़ी शिक्षा है। 'गांधी तीर्थ' का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि यहां महात्मा गांधी के साथ उनके समय के अन्य व्यक्तित्वों और आंदोलनों का संदर्भ भी मिलता है। गोखले, टॉलस्टॉय, टैगोर, नेहरू इन सबके साथ गांधी का संवाद और मतभेद ईमानदारी से प्रस्तुत किए गए हैं। इससे गांधी किसी देवतुल्य, आलोचना से परे छवि में नहीं, बल्कि एक विचारशील और आत्मालोचन करने वाले मनुष्य के रूप में उभरते हैं। भ्रमण के दौरान सबसे गहरा प्रभाव गांधी के नैतिक साहस ने छोड़ा। सत्ता, लोकप्रियता या तात्कालिक लाभ के आगे झुकने से इंकार करने का साहस आज के समय में दुर्लभ होता जा रहा है। 'गांधी तीर्थ' यह याद दिलाता है कि परिवर्तन की शुरुआत बाहर से नहीं, भीतर से होती है। सत्य और अहिंसा केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि जीवन जीने की पद्धति है।

विस्तृत और शांत परिसर

'गांधी तीर्थ' लगभग 40 एकड़ में फैला हुआ एक विस्तृत और शांत परिसर है। हरियाली, खुले स्थान और सादगी से भरा यह वातावरण स्वयं गांधी के जीवन-दर्शन की याद दिलाता है। यह परिसर बीते करीब दो दशकों से सक्रिय है और गांधीवादी विचारों के अध्ययन, शोध और प्रसार का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। पद्मश्री डॉ. भंवरलाल जैन के अथक परिश्रम और उनके अद्भुत कल्पना का साकार रूप लेता गांधी रिसर्च फाउंडेशन न केवल गांधी के जीवन और कर्म पर कार्य कर रहा है, बल्कि गांधी के विचारों को समकालीन संदर्भों से जोड़ने का भी सतत प्रयास कर रहा है, जहां गांधी के विविध रचनात्मक कार्यों को धरातल पर उतरते आप देख सकते है। यह भी उल्लेखनीय है कि गांधी तीर्थ केवल अतीत की ओर देखने वाला स्थल नहीं है। यहां शोध, अध्ययन और संवाद के लिए व्यापक संसाधन उपलब्ध हैं। यह स्थान युवाओं, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए प्रेरणा का केंद्र बन सकता है। यहां से निकलते समय मन में यह भाव बना रहता है कि गांधी को 'पढ़' लेने से अधिक जरूरी है, उन्हें 'जीना' अपने छोटे-छोटे निर्णयों, व्यवहार और सामाजिक जिम्मेदारियों में। आज जब समाज हिंसा, नफरत, संप्रदायिकता, असहिष्णुता और पर्यावरणीय संकटों से जूझ रहा है, तब गांधी तीर्थ हमें यह याद दिलाता है कि समाधान कहीं बाहर नहीं, बल्कि हमारे भीतर मौजूद नैतिक विवेक में छिपा है। यही इस तीर्थ की सबसे बड़ी उपलब्धि और सबसे गहरी सीख है। यहां आकर यह सवाल बार-बार मन में उठता है कि क्या इन समस्याओं का समाधान केवल कानून और शक्ति में है या फिर नैतिक विवेक और संवाद में? गांधी तीर्थ यह रास्ता जरूर दिखाता है कि अहिंसा, सह-अस्तित्व और सत्य के मार्ग पर चलकर विकल्प खोजे जा सकते हैं। इस अर्थ में गांधी तीर्थ केवल अतीत का संग्रहालय नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए एक वैचारिक प्रयोगशाला है। यदि आज की दुनिया में बढ़ती हिंसा और संप्रदायिकता का कोई टिकाऊ समाधान तलाशना हो, तो गांधी तीर्थ की यात्रा आवश्यक लगती है। यहां से लौटते समय यह एहसास गहरा हो जाता है कि गांधी कोई इतिहास का अध्याय नहीं, बल्कि हमारे समय की जरूरत हैं और उन्हें समझने की शुरुआत यहीं से हो सकती है।

सक्सेस स्टोरी

नोएडा से वैनगार्ड तक: एआई नवाचार और आत्मनिर्भरता की प्रेरणादायक यात्रा

आयुष श्रीवास्तव की कहानी दर्शाती है कि अगर आपके पास समर्पण, योजना और परिश्रम है, तो आप कहीं से भी शुरू होकर किसी भी ऊंचाई को छू सकते हैं। उनका अनुभव न केवल तकनीकी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, बल्कि हर उस युवा या पेशेवर को प्रेरणा देगा, जो खुद को बदलना चाहता है।

भारत से अमेरिका तकः संघर्ष और संकल्प की कहानी- आयुष ने अपने करियर की शुरुआत एनटीटी डाटा सर्विसेज (पूर्व में डेल इंटरनेशनल सर्विसेज) में नोएडा से की थी। वहां उन्होंने डेटा माइनिंग, ETL प्रोसेस और सांख्यिकीय विश्लेषण के ज़रिए टेलीकॉम क्षेत्र में लागत में उल्लेखनीय बचत की। परंतु उनका सपना था एक वैश्विक स्तर पर एआई और डेटा विज्ञान में अग्रणी बनना और इसके लिए उन्होंने उठाया पहला कदमः GMAT (ग्रेजुएट मैनेजमेंट एडमिशन टेस्ट) की तैयारी।

GMAT सफलता और विश्वस्तरीय शिक्षा- आयुष ने GMAT की कठोर तैयारी स्वयं की, बिना किसी कोचिंग के। इसके बलबूते उन्होंने प्रवेश पायाः साउदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी (SMU), कॉक्स स्कूल ऑफ बिजनेस (QS वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप 100 में शामिल बिजनेस एनालिटिक्स प्रोग्राम) यहां से उन्होंने बिजनेस एनालिटिक्स में मास्टर्स किया और अमेरिका में AI व मशीन लर्निंग के क्षेत्र में एक सशक्त आधार तैयार किया।

एंटरप्राइज AI में उत्कृष्टता- वैनगार्ड में भूमिका वर्तमान में आयुष वैनगार्ड ग्रुप में मशीन लर्निंग इंजीनियर (स्पेशलिस्ट) के रूप में कार्यरत हैं, जहां वे जेनरेटिव एआई (GenAI) मॉडल्स को डिजाइन और तैनात करते हैं। उनके द्वारा बनाए गए समाधानों का उपयोग Vanguard की 70 से ज्यादा टीमें कर रही हैं।

आयुष की विशेषज्ञता

- Retrieval-Augmented Generation (RAG) और Prompt Engineering
- Large Language Models (LLMs) का फाइन-ट्यूनिंग
- AWS Neptune और NetworkX के माध्यम से ग्राफ डेटाबेस डिज़ाइन
- AWS SageMaker, Lambda, PySpark, Glue, Docker, Kubernetes का उपयोग
- Ernst & Young में बहु-उद्योगीय AI समाधान
- वैनगार्ड से पहले आयुष ने Ernst & Young में मैनेजर – डेटा एवं
- एनालिटिक्स के रूप में कार्य किया। उन्होंने Fortune 500 कंपनियों के लिए AI समाधान विकसित किए।
- Citibank, Goldman Sachs, DTCC जैसी कंपनियों के लिए अनुपालन और ऑटोमेशन समाधान
- कोविड काल में रिटर्न-टू-ऑफिस AI मॉडल विकसित किया
- क्लाउड-आधारित डेटा मार्केटप्लेस और डेटा फैब्रिक प्लेटफ़ॉर्म डिजाइन किए।

आखिर क्यों विशेष है आयुष की कहानी

आयुष ने साधारण पृष्ठभूमि से असाधारण ऊंचाई तक का सफर तय किया। GMAT जैसी कठिन परीक्षा स्वयं की तैयारी से उत्तीर्ण की। इसके साथ ही भारत से अमेरिका तक पुनः खुद को तकनीकी रूप से खड़ा किया। आज वे AI/ML के क्षेत्र में एक मार्गदर्शक और प्रेरणा स्त्रोत हैं।

जॉब का पहला दिन

सेवा, संकल्प और संतोष

बेसिक शिक्षा विभाग में मेरी सेवा का शुभारंभ 17 दिसंबर 2009 को हुआ। मेरी पहली नियुक्ति जनपद संभल में हुई थी। पवासा ब्लॉक के अंतर्गत मेरा विद्यालय मुख्य मार्ग से लगभग सात किलोमीटर भीतर स्थित एक ग्रामीण क्षेत्र में था। नियुक्ति के पहले दिन जब मैं विद्यालय की ओर जा रहा था, तो मन में एक अजीब-सी बेचैनी और असमंजस था। यह सोचकर अनेक प्रश्न मन में उठ रहे थे कि इतने दूर-दराज क्षेत्र में कार्य कैसे होगा, यहां नौकरी कैसे निभा पाऊंगा। आशंकाएं स्वाभाविक थीं। लेकिन जैसे ही मैं विद्यालय पहुंचा, मेरे भीतर एक नया आत्मविश्वास जाग उठा। दरअसल, अध्यापक बनना मेरा बचपन का सपना रहा है। मेरी माताजी स्वयं अध्यापन कार्य से जुड़ी रही हैं। उन्हें बच्चों को पढ़ाते हुए देखकर मेरे मन में भी यह लालसा जन्म लेती रही कि मैं भी एक दिन शिक्षक बनूं और बच्चों के जीवन में शिक्षा का प्रकाश फैलाऊं। शिक्षण मेरे लिए कभी केवल एक नौकरी नहीं रहा, बल्कि यह मेरा जुनून है। बच्चों को पढ़ाना, उनके भविष्य को संवारना और उनके जीवन को दिशा देना-यही मेरे जीवन का उद्देश्य रहा है। वर्ष 2009 से 2016 तक मैं संभल जनपद में कार्यरत रहा। इसके पश्चात 2016 में मेरा स्थानांतरण बरेली हुआ, जहां आंवला स्थित प्राथमिक विद्यालय देवी में मैंने प्रधानाध्यापक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उस विद्यालय से मेरा गहरा भावनात्मक जुड़ाव हो गया। मैंने विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए पूरे मनोयोग से कार्य किया। विद्यालय के भौतिक कायाकल्प से लेकर शैक्षिक वातावरण के सुदृढ़ीकरण तक अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। अपने इन प्रयासों से मुझे गहरा आत्मसंतोष प्राप्त हुआ।

जुलाई 2025 में पदोन्नति के उपरांत मैं जूनियर विद्यालय सिउलिया में कार्यरत हुआ। यहां मैं कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों को शिक्षण कार्य करता हूं। अपने कार्य से मुझे आज भी उतना ही लगाव और प्रेम है। विद्यार्थियों के साथ समय बिताना, उनकी जिज्ञासाओं को समझना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना मुझे आंतरिक आनंद प्रदान करता है। विद्यालय का समस्त स्टाफ अत्यंत सहयोगी, सकारात्मक और समर्पित भावना से कार्य करने वाला है।

मैं बेसिक शिक्षा विभाग में अध्यापक के रूप में कार्य करने को केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि समाज सेवा का सर्वोत्तम माध्यम मानता हूं। हम ऐसे बच्चों को शिक्षा प्रदान करते हैं जो साधन-संपन्न नहीं हैं, जिन्हें निजी विद्यालयों में पढ़ने की सुविधा उपलब्ध नहीं है और जिनकी ओर प्रायः समाज का ध्यान नहीं जाता। यह कार्य न केवल हमारे जीवन-यापन का माध्यम है, बल्कि उन बच्चों के जीवन-कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त करता है। हम उनके भीतर छिपी प्रतिभाओं को पल्लवित करते हैं और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। बेसिक शिक्षा विभाग के अध्यापक जहां एक ओर अपना जीवन-यापन करते हैं, वहीं दूसरी ओर बच्चों को शिक्षित कर पुण्य का अर्जन भी करते हैं। इसलिए इस सेवा को केवल रोजगार नहीं, बल्कि समाज सेवा और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य के रूप में देखना चाहिए। जब शिक्षा इस भावना के साथ प्रदान की जाती है, तो निश्चय ही उससे अधिक गुणवत्तापूर्ण, संवेदनशील और प्रभावशाली शिक्षा का सृजन होता है।

विकल्प सक्सेना
बरेली

हिंदी के वैश्वीकरण में डिजिटल संसाधनों का योगदान

विश्व हिंदी दिवस

भाषा किसी भी समाज की आत्मा होती है। वह केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा, विचारधारा और सामूहिक चेतना की संवाहक होती है। हिंदी भाषा भारतीय समाज की ऐसी ही जीवंत अभिव्यक्ति है, जिसने सदियों से जनसाधारण की भावनाओं, संघर्षों और आकांक्षाओं को स्वर दिया है। समय के साथ समाज, जीवन-शैली और संचार के साधनों में व्यापक परिवर्तन आए हैं। आज हम डिजिटल युग में जी रहे हैं-एक ऐसा युग जहां तकनीक ने दूरी, समय और सीमाओं को लगभग समाप्त कर दिया है। इस डिजिटल परिवर्तन ने हिंदी भाषा के स्वरूप और प्रयोग को भी गहराई से प्रभावित किया है।

पूर्व में हिंदी का प्रचार पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं, सभाओं और मंचों तक सीमित था, किंतु आज वही हिंदी मोबाइल, कंप्यूटर, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से विश्व के कोने-कोने तक पहुंच रही है। डिजिटल उपकरणों ने हिंदी को नई पहचान दी है और उसे आधुनिक संदर्भों में अधिक उपयोगी व प्रासंगिक बनाया है।

डिजिटल उपकरण वे तकनीकी साधन हैं, जिनका उपयोग सूचना के निर्माण, संग्रह, प्रसंस्करण और प्रसार के लिए किया जाता है। कंप्यूटर, स्मार्टफोन, टैबलेट, इंटरनेट, सॉफ्टवेयर, मोबाइल ऐप्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म इसके प्रमुख उदाहरण हैं। भाषा के संदर्भ में इन उपकरणों का महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि इनके माध्यम से भाषा को लिखा, पढ़ा, सुना और देखा जा सकता है। आज डिजिटल उपकरणों का उपयोग केवल तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामान्य व्यक्ति भी मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से इनका सहज उपयोग कर रहा है।

हिंदी के क्षेत्र में डिजिटल उपकरणों का प्रयोग कई स्तरों पर हो रहा है। पहला स्तर लेखन और अभिव्यक्ति का है। आज लेख, कविता, कहानी, ब्लॉग और शोध-लेख डिजिटल माध्यमों से लिखे जा रहे हैं। डिजिटल टाइपिंग ने हस्तलेखन की कठिनाइयों को कम कर दिया है। दूसरा स्तर प्रकाशन और प्रसार का है। अब लेखक को अपनी रचना प्रकाशित कराने के लिए पत्र-पत्रिकाओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ता, ब्लॉग, वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से रचनाएं तुरंत पाठकों तक पहुंच जाती हैं।

तीसरा स्तर श्रव्य-दृश्य माध्यम का है। यूट्यूब, पॉडकास्ट और ऑडियो बुक्स ने हिंदी को सुनने और देखने की भाषा बना दिया है, जिससे निरक्षर और अर्ध-साक्षर वर्ग भी हिंदी सामग्री से जुड़ पा रहा है। चौथा स्तर शिक्षा और प्रशिक्षण का है। ऑनलाइन कक्षाओं, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल पाठ्य सामग्री ने हिंदी शिक्षण को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाया है। हिंदी में उपलब्ध प्रमुख डिजिटल उपकरण-हिंदी के डिजिटल विकास में यूनिकोड तकनीक का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। यूनिकोड ने हिंदी को वैश्विक डिजिटल मानक प्रदान किया, जिससे वह किसी विशेष फॉन्ट तक सीमित नहीं रही। इनस्क्रिप्ट कीबोर्ड, गूगल हिंदी इनपुट टूल और माइक्रोसॉफ्ट इंडिक टूल्स ने हिंदी टाइपिंग को सरल बना दिया है। अब रोमन लिपि में लिखकर भी हिंदी में परिवर्तित करना संभव है, जिससे हिंदी लेखन का दायरा व्यापक हुआ है।

प्रो. मीना यादव
बरेली

मोबाइल ऐप्स और हिंदी

स्मार्टफोन के व्यापक प्रसार ने हिंदी भाषा को जन-जन तक पहुंचाया है। आज समाचार, साहित्य, शिक्षा और मनोरंजन हर क्षेत्र के लिए हिंदी ऐप्स उपलब्ध हैं। हिंदी शब्दकोश ऐप्स ने भाषा को समझने में सहायता दी है। ई-बुक और ऑडियो बुक ऐप्स ने पढ़ने की आदत को डिजिटल रूप दिया है। हिंदी सीखने वाले ऐप्स ने गैर-हिंदी भाषियों को भी हिंदी से जोड़ा है।

डिजिटल प्रकाशन और हिंदी साहित्य

डिजिटल प्रकाशन माध्यमों ने हिंदी साहित्य को नई ऊर्जा दी है। ब्लॉग और ई-पत्रिकाओं के माध्यम से नए लेखक सामने आए हैं। अब साहित्य केवल स्थापित लेखकों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामान्य व्यक्ति भी अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्त कर सकता है। ई-बुक्स ने पुस्तकों को सस्ता, सुलभ और व्यापक बनाया है। इससे पाठक संख्या में वृद्धि हुई है और साहित्य का लोकतंत्रीकरण हुआ है। डिजिटल उपकरणों ने हिंदी के प्रचार-प्रसार को अभूतपूर्व गति दी है। इंटरनेट के माध्यम से हिंदी सामग्री कुछ ही क्षणों में विश्वभर में पहुंच जाती है। इससे प्रवासी भारतीयों और विदेशों में हिंदी सीखने वालों को भी अपनी भाषा से जुड़ने का अवसर मिला है। डिजिटल माध्यमों ने नई पीढ़ी को हिंदी से जोड़ा है। युवा वर्ग अब हिंदी में वीडियो बनाता है, ब्लॉग लिखता है और ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करता है। इससे हिंदी की छवि आधुनिक और उपयोगी भाषा के रूप में उभरी है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,576.24	25,683.30
गिरावट	604.72	193.55
प्रतिशत में	0.72	0.75

सोना 1,41,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,50,000 प्रति किलो

अमृत विचार
लखनऊ, शनिवार, 10 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

जेएसडब्ल्यू स्टील का उत्पादन 6% बढ़ा

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील का अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही में एकीकृत इस्पात उत्पादन सालाना आधार पर 6% बढ़कर 74.8 लाख हो गया। कंपनी का कच्चे इस्पात का उत्पादन अक्टूबर-दिसंबर 2024 में 70.3 लाख टन रहा था। जेएसडब्ल्यू स्टील ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि विजयनगर स्थित ब्लास्ट फर्नेस 3 (बीएफ3) की क्षमता को बढ़ाने के लिए सितंबर 2025 के अंत से इसे बंद कर दिया गया था। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही के अंत तक इसके चालू होने की उम्मीद है। इसके परिणामस्वरूप, चालू वित्त वर्ष की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में भारतीय परिचालन क्षमता प्रभावित हुई।

सॉफ्टबैंक ने ओला में 2.15% हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। जापान की बहुराष्ट्रीय निवेश कंपनी सॉफ्टबैंक ने अपनी निवेश कंपनी एसवीएफ II ऑस्ट्रिच (डीई) एलएलसी के जरिये ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में अपनी 2.15% हिस्सेदारी बेच दी है। इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता कंपनी ने बीएसई को बताया कि एसवीएफ II ऑस्ट्रिच (डीई) एलएलसी ने तीन सितंबर 2025 और पांच जनवरी 2026 के बीच कई चरणों में ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के कुल 94,628,299 शेयर बेचे हैं। पांच जनवरी 2026 को हुई बिक्री सेबी के नियमों के तहत 2% की सीमा का उल्लंघन करती है।

कीस्टोन की बिक्री बुकिंग 3% गिरी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी कीस्टोन रियल्टर्स लिमिटेड की चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बिक्री बुकिंग 3% घटकर 837 करोड़ रुपये रही। अक्टूबर-दिसंबर 2024 में यह 863 करोड़ रही थी। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि 2025-26 के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) में कंपनी की बिक्री सालाना आधार पर 2,174 करोड़ रुपये की तुलना में 23% बढ़कर 2,676 करोड़ रुपये हो गई। कीस्टोन रियल्टर्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं सीएमडी बोमन ईरानी ने कहा कि कंपनी मजबूत परिचालन गति प्रदर्शित कर रही है। अक्टूबर-दिसंबर की अवधि मजबूत प्रदर्शन की तिमाही रही, जिसने हमारे व्यापार मॉडल की मजबूती, अनुशासित क्रियान्वयन एवं निरंतर वृद्धि को और मजबूत किया।

भारत की वृद्धि दर रहेगी 6.6% : संरा

विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं रिपोर्ट जारी, चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में उच्च वृद्धि दर्ज करेगा भारत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- निजी उपभोग एवं मजबूत सार्वजनिक निवेश से अमेरिकी शुल्क के प्रभाव की करेगा भरपाई

संयुक्त राष्ट्र ने 2026 में भारत की वृद्धि दर के 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक तथा सामाजिक मामलों के विभाग ने विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं 2026 की रिपोर्ट जारी की है। इसके अनुसार, भारत चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में असाधारण रूप से उच्च वृद्धि' दर्ज करेगा। मजबूत निजी उपभोग एवं मजबूत सार्वजनिक निवेश से अमेरिकी शुल्क के उच्च प्रभाव की काफी हद तक भरपाई हो जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में आर्थिक वृद्धि दर 2025 में अनुमानित 7.4 से घटकर 6.6% रहने का अनुमान है। विभाग ने साथ ही कहा कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। निजी उपभोग में मजबूती, सार्वजनिक निवेश में वृद्धि, हालिया कर सुधार एवं कम ब्याज दरों से निकट भविष्य में वृद्धि को समर्थन मिलने की उम्मीद है। हालांकि, यदि मौजूदा दरें बनी रहती हैं तो अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क 2026 में निर्यात प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं क्योंकि भारत से होने वाले कुल निर्यात में अमेरिकी बाजार की हिस्सेदारी करीब 18% है। संयुक्त राष्ट्र विकास एजेंसी (यूएन डीईएसए) के आर्थिक विश्लेषक तथा नीति प्रभाग की वैश्विक आर्थिक निगरानी इकाई के वरिष्ठ अर्थशास्त्री एवं प्रभारी अधिकारी इंगो पिटर्ले ने कहा कि दक्षिण एशिया दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र बना रहेगा जिसकी दर 5.6% रहेगी। इस वृद्धि में सबसे अधिक योगदानभारत का रहेगा जहां मजबूत घरेलू मांग, अच्छी फसल से समर्थित मुद्रास्फीति में कमी और निरंतर नीतिगत समर्थन वृद्धि को गति दे रहे हैं।

यूएन डीईएसए के आर्थिक विश्लेषक एवं नीति प्रभाग के निदेशक शांतनु मुखर्जी ने कहा कि भारत के निर्यात बाजारों का यूरोपीय संघ और पश्चिम एशिया की ओर विविधीकरण हुआ है। मुखर्जी ने भी दोहराया कि भारत में वृद्धि के घरेलू कारक असाधारण रूप से मजबूत रहे हैं और इस समय भारत से होने वाले सबसे मजबूत निर्यातों में से एक सेवाओं का निर्यात है। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर के 2025 में 2.8% रहने का अनुमान है और यह 2026 में थोड़ा घटकर 2.7% हो सकती है। 2027 में इसके बढ़कर 2.9% होने का अनुमान है जो वैश्विक महामारी से पहले (2010-2019) के औसत 3.2 प्रतिशत से काफी कम है।

यूरोप, जापान और अमेरिका में वृद्धि दर स्थिर

यूरोप, जापान और अमेरिका में वृद्धि दर मोटे तौर पर स्थिर रहने के साथ ही मध्यम गति से बढ़ने का अनुमान है। मौद्रिक या राजकोषीय सहायता से मांग को निरंतर समर्थन मिलता रहेगा। चीन, भारत और इंडोनेशिया सहित कई बड़ी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में मजबूत घरेलू मांग या लक्षित नीतिगत उपायों के कारण ठोस वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। इसमें बताया गया कि अमेरिका को देशों के माल निर्यात के मूल्य में भी बदलाव आया है। चीन से आई भारी गिरावट (विशेष रूप से लैपटॉप और स्मार्टफोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामानों की) की भरपाई वियतनाम और अन्य दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) की अर्थव्यवस्थाओं से आयात में वृद्धि से हुई। इसमें साथ ही कहा गया है कि भारत ने वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी स्थिति को भी मजबूत किया है।

महंगाई कम होने पर ब्याज दर में कटौती गोली बर्बाद करने जैसा : पीडब्ल्यूसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- आरबीआई की अगले महीने होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में मुख्य नीतिगत दर में कटौती की संभावना नहीं

भारतीय रिजर्व बैंक के नीतिगत दरों को स्थिर रखने का समर्थन करते हुए पीडब्ल्यूसी (प्राइस वाटर हाउस कूपर्स- एक पेशेवर सेवाएं प्रदान करने वाली फर्म) के भागीदार और आर्थिक सलाहकार सेवा के प्रमुख रानेन बनर्जी ने कहा कि जब वृद्धि दर मजबूत है और मुद्रास्फीति नियंत्रण में है, उस समय किसी भी कटौती का मतलब गोली बर्बाद करने जैसा होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अगले महीने होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में मुख्य नीतिगत दर में कटौती की संभावना नहीं है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में एमपीसी की बैठक चार से 6 फरवरी, 2026 को होनी है। यह चालू वित्त वर्ष की आखिरी बैठक होगी। बनर्जी ने बताया कि यदि वृद्धि के आंकड़े स्थिर बने हुए हैं और आधार वर्ष में संशोधन भी होने वाला है, जिससे बेहतर अनुमान मिलने की उम्मीद है, तो ब्याज दर में कटौती की कोई आवश्यकता नहीं है। चूंकि निजी पूंजीगत व्यय ब्याज दरों के प्रति संवेदनशील नहीं है, इसलिए उसमें तेजी तब आएगी जब क्षमता उपयोग 85% के करीब होगा। मुझे नहीं लगता कि निजी पूंजीगत व्यय ब्याज दर की वजह से रुका हुआ है। इसका कारण यह है कि मांग को लेकर अनिश्चितता है या मांग में विश्वास या स्थिरता की कमी है। क्षमता उपयोग अभी भी 70-75 प्रतिशत के दायरे में है। जब तक क्षमता उपयोग 85 प्रतिशत के करीब नहीं पहुंच जाता, तब तक निजी क्षेत्र के लिए अतिरिक्त क्षमता बढ़ाने की कोई तत्काल आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने कहा कि एमपीसी इस समय ब्याज दर में और कटौती नहीं करेगी क्योंकि यह एक गोली बर्बाद करने जैसा होगा। बनर्जी ने कहा कि जब जरूरत न हो, तब गोली चलाने का कोई फायदा नहीं है क्योंकि हमारी वृद्धि दर अच्छी है और मुद्रास्फीति नियंत्रित है। इसलिए, इस समय दर में किसी भी बदलाव की आवश्यकता नहीं है।

पूर्वोत्तर के 33 उत्पादों के लिए जीआई टैग पाने के प्रयास तेज

गुवाहाटी, एजेंसी

- कपड़ा समिति और उत्तर पूर्वी हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास निगम में हुआ समझौता

पूर्वोत्तर के 33 बेजोड़ उत्पादों के लिए जीआई (भौगोलिक संकेतक) टैग हासिल करने के प्रयास किए जा रहे हैं और इस संबंध में गुवाहाटी में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार यह समझौता कपड़ा मंत्रालय के अधीन कपड़ा समिति और उत्तर पूर्वी हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास निगम (एनईएचएचडीसी) के बीच हुआ।

इन उत्पादों में 18 नगालैंड के और 15 मेघालय के हैं। हालांकि, तत्काल यह जानकारी नहीं मिल सकी कि ये उत्पाद कौन से हैं। जीआई टैग एक ऐसा नाम या चिन्ह होता है जो किसी उत्पाद की पहचान उसके एक विशिष्ट स्थान से तैयार होने के रूप में करता है। इसमें उस स्थान से जुड़ी अद्वितीय गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या विशेषताएं समाहित होती हैं। इस समझौते पर गुरुवार को गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनापुर में आयोजित कपड़ा क्षेत्र के पूर्वोत्तर राज्यों के एक सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षर किए गए। जीआई पंजीकरण के अलावा, यह सहयोग क्षमता निर्माण, ब्रांडिंग और बाजार संपर्कों पर ध्यान केंद्रित करेगा, ताकि पूर्वोत्तर के शिल्प का विकास और व्यापक पहचान सुनिश्चित की जा सके।

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 686.80 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि दो जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 9.81 अरब डॉलर घटकर 686.80 अरब डॉलर पर रहा। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार 3.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.61 अरब डॉलर पर रहा था।

केंद्रीय बैंक के अनुसार आलोच्य सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 7.62 अरब डॉलर घटकर 551.99 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त ये परिसंपत्तियां विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक हैं और इनमें यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। इस दौरान सोने के भंडार का मूल्य 2.06 अरब डॉलर घटकर 111.26 अरब डॉलर रहा।

नहीं संभला बाजार, सेंसेक्स 605 अंक टूटा

मुंबई, एजेंसी

- अमेरिकी शुल्क बढ़ने और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं पर निवेशक रहे सतर्क
- विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी बाजार की धारणा को किया प्रभावित

शेयर बाजार में शुक्रवार को लगातार पांचवें सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 605 अंक के नुकसान में रहा जबकि निफ्टी में 193 अंक की गिरावट आई। अमेरिकी शुल्क बढ़ने की चिंताओं और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। कारोबारियों ने कहा कि भारतीय बाजारों से विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी बाजार की धारणा को प्रभावित किया है।

शुरुआती कारोबार में मामूली सुधार के बाद बीएसई का सेंसेक्स 604.72 अंक गिरकर 83,576.24 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 778.68 अंक गिरा था। दूसरी ओर एनएसई का निफ्टी 193.55 अंक टूटकर 25,683.30 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, सन फार्मा और बजाज फाइनेंस में गिरावट रही। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। बीएसई स्मॉलकैप 1.74% टूटा और मिडकैप 0.90% नुकसान में रहा। क्षेत्रवार रियल्टी 2.22, सेवा 1.84, उपयोगिता 1.82, बिजली 1.79, दूरसंचार 1.41, ऑटो 1.22, उपभोक्ता विवेकाधीन वस्तु 1.14 और वित्तीय सेवा क्षेत्र में 1.09% की गिरावट आई।

विदेशी निवेशकों ने 3,367.12 करोड़ रुपये के शेयर बेचे

शेयर बाजार के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 3,367.12 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। दूसरी ओर घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 3,701.17 करोड़ के शेयर खरीदे। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे, जबकि अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत बढ़कर 62.10 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के शोध उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बढ़ती भू-राजनीतिक और व्यापार संबंधी चिंताओं, विशेष रूप से अमेरिकी शुल्क कार्रवाइयों को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच बाजार की धारणा कमजोर रही। विदेशी निवेशकों की बिकवाली और जोखिम वाली संपत्तियों में कमजोर रुख ने नकारात्मक रुझान को और बढ़ा दिया।

भारत और ईयू के बीच एफटीए वार्ता

किसानों और एमएसएमई के हितों की रक्षा का किया वादा

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्री ने ईयू के आर्थिक सुरक्षा आयुक्त से की उच्च स्तरीय चर्चा

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने शुक्रवार को ब्रसेल्स में प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने एक नियम-आधारित व्यापार ढांचे और आधुनिक आर्थिक साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जो किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की रक्षा करेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस वार्ता के लिए यूरोपीय संघ मुख्यालय की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। उन्होंने एक पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए सुनिश्चित करने के लिए ईयू के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविच के साथ उच्च स्तरीय चर्चा की।

गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा, इस वार्ता के दौरान हमने प्रस्तावित समझौते के प्रमुख क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया। हमने एक नियम-आधारित व्यापार ढांचे और एक आधुनिक आर्थिक साझेदारी के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो भारतीय उद्योगों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ते हुए किसानों और एमएसएमई के हितों की रक्षा करती है। यह मंत्री-स्तरीय वार्ता ब्रसेल्स में एक सप्ताह के गहन विचार-विमर्श के बाद हो रही है।

इसकी आधारशिला इस सप्ताह की शुरुआत में (6-7 जनवरी) भारत के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और यूरोपीय आयोग के व्यापार महानिदेशक सबाइन वेयंड के बीच हुई उच्च स्तरीय चर्चा के दौरान रखी गई थी। ये वार्ताएं महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि दोनों पक्ष जल्द से जल्द बातचीत को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं। भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन 27 जनवरी को यहां होने की संभावना है।

राउंड टॉप-बॉटम : कीमतों की चाल को समझने वाला संकेत

शेयर बाज़ार में कीमतों की चाल को समझने के लिए कैंडलस्टिक पैटर्न एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपकरण है। इन्हीं पैटर्नों में राउंड टॉप और राउंड बॉटम ऐसे चार्ट पैटर्न हैं, जो बाजार में धीरे-धीरे बदलती प्रवृत्ति (ट्रेंड) को दर्शाते हैं। ये पैटर्न अचानक नहीं बनते, बल्कि समय के साथ विकसित होते हैं और निवेशकों की मानसिकता में हो रहे बदलाव को प्रतिबिंबित करते हैं। राउंड टॉप आमतौर पर तेजी से मंदी की ओर बदलाव का संकेत देता है, जबकि राउंड बॉटम मंदी से तेजी की शुरुआत को दर्शाता है। दीर्घकालिक निवेशक और स्विंग ट्रेडर इन पैटर्नों का उपयोग ट्रेंड रिवर्सल पहचानने में करते हैं।

राउंड टॉप पैटर्न

राउंड टॉप एक बेयरिश (मंदी का संकेत) चार्ट पैटर्न है, जो तब बनता है जब किसी शेयर या इंडेक्स की कीमतें लंबे समय तक ऊपर जाने के बाद धीरे-धीरे अपनी गति खो देती हैं। इस पैटर्न की आकृति उल्टे कटोरे जैसी होती है। शुरुआत में खरीदारी मजबूत रहती है, लेकिन जैसे-जैसे कीमतें ऊंचाई पर पहुंचती हैं, मुनाफावसूली से धीरे-धीरे खरीदार कमजोर और विक्रेता मजबूत होते जाते हैं, जिससे कीमतों में गिरावट शुरू हो जाती है।

विशेषताएं

- यह पैटर्न बनने में अधिक समय लेता है।
- वॉल्यूम शुरुआत में अधिक और अंत में घटता हुआ दिखाई देता है।
- स्पष्ट ब्रेकडाउन के बाद गिरावट तेज हो सकती है।
- यह लंबे अपट्रेंड के अंत का संकेत देता है।

ट्रेडिंग रणनीति

ट्रेडर आमतौर पर तब शॉर्ट पोजिशन लेते हैं जब कीमत महत्वपूर्ण सपोर्ट लेवल को तोड़ती है। स्टॉप लॉस हाल के स्विंग हाई के ऊपर रखा जाता है। यह पैटर्न धैर्य की मांग करता है क्योंकि ब्रेकडाउन धीरे आता है।

राउंड बॉटम पैटर्न

राउंड बॉटम एक बुलिश (तेजी का संकेत) चार्ट पैटर्न होता है, जो लंबे समय से जारी गिरावट के बाद बनता है। इसकी आकृति कटोरे (U) जैसी होती है। शुरुआत में बाजार पर विक्रेताओं का दबाव अधिक होता है, लेकिन धीरे-धीरे बिकवाली कमजोर होती जाती है और खरीदार बाजार में लौटने लगते हैं। इससे कीमतों में स्थिरता आती है और बाद में तेज़ी शुरू होती है।

विशेषताएं

- यह पैटर्न लंबे समय के बाद बनता है। जो तेजी का संकेत देता है।
- न्यूनतम स्तर पर वॉल्यूम कम रहता है, जिससे खरीदारी का अवसर बनता है।
- ब्रेकआउट के समय वॉल्यूम बढ़ता है।
- यह नए अपट्रेंड की शुरुआत का संकेत देता है और निवेश का मौका मिलता है।

ट्रेडिंग रणनीति

जब बाजार में शेयर की कीमत रेजिस्टेंस लेवल को मजबूत वॉल्यूम के साथ तोड़ती है, तब निवेशकों के लिए खरीदारी का अवसर बनता है। स्टॉप लॉस इस पैटर्न के निचले स्तर के पास रखा जाता है।

कुशल रोजगार सृजन, गुणवत्ता में सुधार अल्पकालिक लक्ष्य : ईएसी-पीएम प्रमुख

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने शुक्रवार को कहा कि भारत के अल्पकालिक लक्ष्यों में कुशल रोजगार सृजन पर अधिक ध्यान देना शामिल है ताकि इस प्रक्रिया में रोजगार की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके। अहमदाबाद विश्वविद्यालय के 7वें वार्षिक अर्थशास्त्र सम्मेलन में देव ने स्वीकार किया कि देश रोजगार की गुणवत्ता में पिछड़ रहा है, जिसे उन्होंने समावेश वृद्धि प्राप्त करने के महत्वपूर्ण घटकों में एक बताया। आर्थिक वृद्धि को हासिल करने को अल्पकालिक लक्ष्यों पर देव ने कहा, कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद के वर्ष में 2022-23 से 2025-26 तक औसत वृद्धि दर 7.7% है। इसलिए हमने सुधार कर लिया है। भारत जुझारू है। हम सभी बाधाओं के बावजूद निवेश और निर्यात को बढ़ावा दे रहे हैं। हमारा ध्यान रोजगार सृजन एवं कुशल नौकरियों पर है। हम रोजगार की गुणवत्ता में पिछड़ रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था : वृद्धि, समावेशन एवं स्थिरता' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि 'विकसित भारत 2047' का मतलब केवल वृद्धि हासिल करना नहीं बल्कि समावेशी वृद्धि भी है।

शुन्य-धोखाधड़ी वाली बैंकिंग जरूरी

- इंडियन बैंकिंग टेक्नोलॉजी के समापन सत्र को आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने किया संबोधित

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर ने शुक्रवार को बैंकिंग सेवाओं और उत्पादों में पारदर्शिता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बैंकिंग उद्योग को शून्य-धोखाधड़ी वाला माहौल बनाने के लिए प्रयास करना चाहिए। शंकर ने इंडियन बैंकिंग टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस के 21वें संस्करण के समापन सत्र में कहा कि लोगों का भरोसा जीतना ही बैंक के ग्राहकों को प्रणाली के प्रति वफादार बनाए रखने की कुंजी है। अगर हम उत्पादों और सेवाओं की कीमत पारदर्शी तरीके से तय नहीं करेंगे तो संभव है कि ग्राहक अन्य विकल्पों की ओर रुख कर लें। उन्होंने कहा कि देश की बैंकिंग प्रणाली प्रभावी मूल्य निर्धारण के लिए निश्चित रूप से जानी जाती है, लेकिन अभी भी कुछ बुनियादी सिद्धांतों की आवश्यकता है, ताकि उपयोगकर्ता को यह भरोसा दिलाया जा सके कि वह जो कीमत चुका रहा है, वह वाजिब है।

भारत के लिए प्रमुख निर्यात गंतव्य बनकर उभरा चीन

- अप्रैल-नवंबर के दौरान निर्यात 33 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। चीन 2025-26 में अप्रैल से नवंबर के दौरान भारत के लिए प्रमुख निर्यात गंतव्य के रूप में उभरा है। इस दौरान निर्यात 33 बढ़कर 12.22 अरब डॉलर पहुंच गया है। वाणिज्य मंत्रालय से जारी आंकड़े द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में संरचनात्मक बदलाव का संकेत दे रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, निर्यात में वृद्धि तेल खली, समुद्री उत्पाद, दूरसंचार उपकरण और मसालों जैसे उत्पादों से हुई है। भारत ने अप्रैल-नवंबर 2024-25 के दौरान 9.2 अरब डॉलर मूल्य का सामान निर्यात किया। अप्रैल-नवंबर 2022-23 में यह 9.89 अरब डॉलर और 2023-24 में 10.28 अरब डॉलर था। 2025-26 में 12.22 अरब अमेरिकी डॉलर तक की तीव्र वृद्धि न केवल पिछले वर्ष की गिरावट के उलट है बल्कि पिछले चार वर्ष में सर्वाधिक भी है। इलेक्ट्रॉनिक खंड में अप्रैल से नवंबर के दौरान जिन मुख्य वस्तुओं में वृद्धि दर्ज की गई, उनमें पॉपुलेटेड प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (निर्यात 2.39 करोड़ डॉलर से बढ़कर 92.24 करोड़ डॉलर हो गया), फ्लैट पैनल डिस्प्ले मॉड्यूल और टेलीफोनी के लिए अन्य विद्युत उपकरण शामिल थे।

निवेश चर्चा

निश्चित आय वाले कोष से निकासी और सीमित बाजार-संबंधित मूल्य परिवर्तनों से आई कमी

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश छह प्रतिशत घटा, एसआईपी में बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति घटकर दिसंबर में 80.23 लाख करोड़ रह गई

इक्विटी म्यूचुअल फंड (एमएफ) में दिसंबर में निवेश मासिक आधार पर 6% घटकर 28,054 करोड़ रुपये रहा। उद्योग निकाय एम्फी ने शुक्रवार को आंकड़ा जारी किया। निकाय ने बताया कि इक्विटी निवेश में कमी के साथ एमएफ उद्योग के समग्र परिसंपत्ति आधार में मामूली गिरावट आई। इससे प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) नवंबर के 80.80 लाख करोड़ से घटकर दिसंबर में 80.23 लाख करोड़ रुपये रह गई। यह ऋण योजनाओं से भारी निकासी के प्रभाव को दर्शाता है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड ऑफ इंडिया (एम्फी) के सीईओ वेंकट एन. चालसानी ने कहा कि उद्योग के एयूएम में आई कमी मुख्य रूप से नकदी प्रबंधन के लिए बॉण्ड यानी निश्चित आय वाले कोष से निकासी व सीमित बाजार-संबंधित मूल्य परिवर्तनों से हुई। एम्फी के अनुसार, एमएफ उद्योग ने दिसंबर में 66,591 करोड़ की निकासी की जानकारी दी। इसका मुख्य कारण निश्चित आय वाली योजनाओं से निकासी थी, जबकि इक्विटी एवं गोल्ड फंड निवेशकों को आकर्षित करते रहे। इक्विटी निवेश में नवंबर के 29,911 करोड़ की तुलना में क्रमिक रूप से नरमी आई, फिर भी यह अक्टूबर के 24,690 करोड़ से अधिक रहा। सितंबर में इक्विटी में शुद्ध निवेश 30,421 करोड़ और अगस्त में 33,430 करोड़ रुपये था।

बाजार में बीच-बीच में आने वाली अस्थिरता के बावजूद, इक्विटी में प्रवाह स्थिर बना रहा। इसे व्यवस्थित निवेश योजनाएं (एसआईपी) के स्थिर योगदान और भारत के दीर्घकालिक वृद्धि दृष्टिकोण में निरंतर विश्वास का समर्थन मिला। एसआईपी के माध्यम से खुदरा निवेशकों की भागीदारी नवंबर में 29,445 करोड़ से बढ़कर दिसंबर में रिकॉर्ड 31,000 करोड़ के उच्च स्तर पर पहुंच गई। यह अनुशासित और दीर्घकालिक धन सृजन रणनीतियों के प्रति उनकी प्राथमिकता को दर्शाता है।

गिरावट को अवसर के रूप में निवेशकों ने किया इस्तेमाल

आनंद राठी वेल्थ के संयुक्त सीईओ फिरोज अजीज ने कहा कि निवेशकों ने बाजार में आई गिरावट को अधिक निवेश करने के अवसर के रूप में इस्तेमाल किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में कुल एसआईपी योगदान 3.34 लाख करोड़ रुपये रहा जो अल्पकालिक अटकलों के बजाय दीर्घकालिक इरादे एवं विश्वास को दर्शाता है। समीक्षाधीन माह के दौरान लाभांश प्रतिफल और इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) कोष के अलावा अधिकतर उप-श्रेणियों में दिसंबर में सकारात्मक रुझान देखने को मिला। फ्लेक्सी-कैप फंड सबसे पसंदीदा विकल्प बने रहे। इसमें 10,019 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ जो नवंबर के 8,135 करोड़ रुपये से अधिक है। यह अनिश्चित बाजार स्थितियों में इनकी बढ़ती अपील को दर्शाता है।

निवेशकों ने सुरक्षित निवेश विकल्पों में नए सिरे से दिखाई रुचि

मिड-कैप फंड में 4,176 करोड़, लार्ज एवं मिड-कैप फंड में 4,094 करोड़ और स्मॉल-कैप फंड में 3,824 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। लार्ज-कैप फंड में 1,567 करोड़ का निवेश आया। इसके विपरीत, ईएलएसएस और लाभांश प्रतिफल फंड में क्रमश: 718 करोड़ और 254 करोड़ की निकासी हुई। निश्चित आय वाले एमएफ ने दिसंबर में 1.32 लाख करोड़ की भारी निकासी देखी जबकि नवंबर में शुद्ध निकासी 25,693 करोड़ थी। इससे समग्र उद्योग नकारात्मक क्षेत्र में चला गया। निवेशकों ने सुरक्षित निवेश विकल्पों में भी नए सिरे से रुचि दिखाई। गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में शुद्ध निवेश दिसंबर में बढ़कर 11,647 करोड़ रुपये हो गया जो नवंबर के 3,742 करोड़ रुपये और अक्टूबर के 7,743 करोड़ रुपये से काफी अधिक है।

एजेंसियों की सहायता करना ट्रंप की वैधानिक जिम्मेदारी : संयुक्त राष्ट्र

- कई निकायों से अमेरिकी समर्थन वापसी पर बोले संरा महासचिव

न्यूयॉर्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि विश्व निकाय द्वारा संचालित 30 से अधिक पहलों से समर्थन वापस लेने की व्हाइट हाउस की घोषणा के बाद भी अमेरिका की यह वैधानिक जिम्मेदारी है कि वह संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों को वह धन दे जिसका वादा किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा कि उन्हें विश्व निकाय से संबंधित 31 एजेंसियों से अमेरिका को बाहर निकालने संबंधी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले पर खेद है। दरअसल ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र के कई निकायों और भारत-फ्रांस नीत अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) समेत 60 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से अमेरिका को बाहर निकालने का फैसला किया है।

ट्रंप ने इन संस्थाओं को अनावश्यक और अमेरिका के हितों के विरुद्ध बताया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान में कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अनुमोदित संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट और शांति स्थापना बजट के लिए आकलित योगदान सभी सदस्य देशों का कानूनी दायित्व है, जिसमें अमेरिका भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इस घोषणा के बावजूद संयुक्त राष्ट्र की वे संस्थाएं अपना काम करती रहेंगी। संयुक्त राष्ट्र की जिम्मेदारी है कि वह उन लोगों के लिए काम करे जो हम पर निर्भर हैं। दुजारिक ने बताया कि ट्रंप प्रशासन ने कोई औपचारिक सूचना नहीं दी।

मजबूत होगी आंतरिक सुरक्षा

नेशनल आईईडी डेटा सिस्टम

आईईडी जिसे इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस के नाम से भी जाना जाता है। आतंकवादियों और नक्सलियों ने इस अपरंपरागत विस्फोटक का इस्तेमाल करके देश में नागरिकों और सुरक्षाबलों के जवानों की जानें ली हैं। इससे पार पाने के लिए सुरक्षा एजेंसियां अपने स्तर पर प्रयास करती रही हैं लेकिन पहली बार नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) की ओर से एक कॉमन प्लेटफार्म बनाया गया, नेशनल आईईडी डेटा मैनेजमेंट सिस्टम (एनआईडीएमएस) को शुक्रवार को लांच किया गया। यह कदम देश की काउंटर-आईईडी और आंतरिक सुरक्षा संरचना को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। एनएसजी द्वारा विकसित इस प्लेटफार्म से सुरक्षा एजेसियों को लाभ मिलेगा।

जुगाड़ से बनाया गया बम

आईईडी का पूरा नाम इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस है। यह एक प्रकार का अपरंपरागत बम है जिसे किसी सैन्य मानक के बजाय स्थानीय स्तर पर उपलब्ध रसायनों या सामग्रियों का उपयोग करके जुगाड़ से बनाया जाता है। इसका मुख्य उपयोग किसी व्यक्ति या वाहन को नष्ट करने, घायल करने या ध्यान भटकाने के लिए किया जाता है। इसमें आमतौर पर पांच मुख्य भाग होते हैं, **स्विच :** विस्फोट को सक्रिय करने वाला बटन। **फ्यूज/इनिशिएटर :** विस्फोटक को शुरू करने वाला तंत्र। **कंटेनर :** वह मुख्य बॉडी जिसमें विस्फोटक भरा होता है। **विस्फोटक पदार्थ :** वह सामग्री जो धमाका करती है। **पावर स्रोत :** जैसे कि बैटरी, जो स्विच को बिजली देती है। इसका इस्तेमाल आतंकी और उपद्रवी हमले के लिए करते हैं।

एजेंसियों को लाभ

- एनआईडीएमएस के माध्यम से राज्य पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और अन्य केंद्रीय एजेंसियां डेटा को एक्सेस, विश्लेषण और साझा कर सकेंगी। इससे आतंकवाद और विद्रोही हमलों की रोकथाम में तेजी आएगी और जांच प्रक्रियाओं को सरल बनाया जा सकेगा। इस प्लेटफॉर्म से फोरेंसिक विश्लेषण, ट्रेनिंग मॉड्यूल और ऑपरेशन योजना में सुधार होगा। आईईडी अक्सर आतंकवादी और विद्रोही समूहों द्वारा सुरक्षा बल और आम जनता को निशाना बनाने के लिए उपयोग किए जाते हैं। एनआईडीएमएस के जरिए तेजी से प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी।

हालिया घटनाएं

- लाल किला मेट्रो धमाका : 10 नवंबर 2025 को दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में आईईडी विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम 8-13 लोगों की मौत हो गई।
- बीजापुर हमला : 6 जनवरी 2025 को छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने आईईडी प्लांट किया था, जिसकी चपेट में आने से 9 की जान चली गई।
- रामेश्वरम कैफे धमाका : 1 मार्च 2024 के बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में आईईडी से विस्फोट में 10 घायल हुए थे।

ऐतिहासिक बड़ी घटनाएं

- पुलवामा हमला : 14 फरवरी 2019 में एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटक से लदी गाड़ी को सीआरपीएफ के काफिले से टकरा दिया था, जिसमें 40 जवान शहीद हुए थे।
- मुंबई लोकल ट्रेन धमाके : 11 जुलाई 2006 में लोकल ट्रेनों में 7 आईईडी बम रखे गए, 189 लोगों की मौत हुई थी।
- दिल्ली सीरियल ब्लास्ट : वर्ष 2008 में कनॉट प्लेस और करोल बाग में पांच धमाकों में 26-30 की जान गई थी।
- हैदराबाद ट्विन ब्लास्ट : 21 फरवरी 2013 में दिल सुखनगर में दो आईईडी धमाके में 18 लोग मारे गए थे।

वर्ल्ड ब्रीफ

पाकिस्तान में 5.8 तीव्रता का भूकंप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शुक्रवार को 5.8 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसे देश के कई इलाकों में महसूस किया गया। इसके असर से देश के बड़े हिस्से हिल गए और कई शहरों में लोग डर से अपने घरों से बाहर निकलने लगे। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.8 आंकी गई और यह स्थानीय समयानुसार लगभग 2 बजे आया। भूकंप का केंद्र 159 किमी की गहराई में उपरिकेंद्र ताजिकिस्तान और चीन के शिनजियांग प्रांत के सीमा क्षेत्र के पास स्थित था।

वेनेजुएला पर अब और हमले नहीं करेगा यूएस

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वेनेजुएला पर अब और हमले नहीं किये जायेंगे और अमेरिका वहां 100 अरब डॉलर का निवेश करेगा। व्हाइट हाउस के आधिकारिक एक्स हैंडल पर ट्रंप के हवाले से कहा गया है कि वेनेज़ुएला बड़ी संख्या में राजनीतिक कैदियों को रिहा कर रहा है। यह शानदार कदम है। इस सहयोग की वजह से पहले से उम्मीद की जा रही हमलों की दूसरी लहर को मैंने रद्द कर दिया है।

तारिक रहमान नियुक्त हुए बीएनपी अध्यक्ष

ढाका। तारिक रहमान को बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) का अध्यक्ष बनाया गया है। बीएनपी की स्थायी समिति ने शुक्रवार रात पार्टी कार्यालय में हुई बैठक में नियुक्ति को मंजूरी दी। बैठक के बाद बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने मीडिया को इसकी पुष्टि की।

ईरान में महंगाई को लेकर आक्रोश बढ़ा, कई शहरों में विरोध प्रदर्शन

सरकार ने इंटरनेट और अंतर्राष्ट्रीय टेलीफोन सेवाओं पर लगाया प्रतिबंध

- हिंसात्मक विरोध प्रदर्शनों में कई लोगों के घायल होने की आशंका

दुबई, एजेंसी

ईरान में महंगाई को लेकर जनाक्रोश और बढ़ गया है। देश के निर्वासित युवराज द्वारा प्रदर्शनों के आह्वान के बाद ईरानी प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार सुबह सड़कों पर नारे लगाते हुए मार्च किया, हालांकि ईरान सरकार ने देश में इंटरनेट और अंतर्राष्ट्रीय टेलीफोन सेवाएं बंद कर दी हैं। प्रदर्शनकारियों द्वारा साझा किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि राजधानी तेहरान और अन्य क्षेत्रों की सड़कों पर मलबा बिखरा हुआ है और प्रदर्शनकारी अलाव जलाकर ईरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। हिंसा में कुछ लोगों के घायल होने की भी आशंका है।

ईरानी सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को इन प्रदर्शनों पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए आरोप लगाया कि अमेरिका और इजराइल के आतंकवादी एजेंटों ने आग लगाई और हिंसा भड़काई। उसने यह भी कहा कि कुछ लोग हताहत हुए हैं, लेकिन इसके बारे में विस्तार से नहीं बताया। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में अब तक कम से कम 42 लोग मारे गए हैं, जबकि 2,270 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। पहलवी ने गुरुवार रात को विरोध प्रदर्शनों का आह्वान किया था और उन्होंने शुक्रवार रात 8 बजे भी प्रदर्शनों का आह्वान किया।

वाशिंगटन इंस्टीट्यूट फॉर नियर ईस्ट पॉलिसी की वरिष्ठ फेलो होली डैग्रेस ने कहा कि विरोध प्रदर्शनों का रुख बदलने वाला कारक पहलवी का ईरानियों से सड़कों पर उतरने का आह्वान था। सोशल मीडिया पोस्ट से यह स्पष्ट हो गया कि ईरानियों ने इस आह्वान को गंभीरता से लिया और इस्लामी गणराज्य के विरोध में प्रदर्शन किया। कहा कि इंटरनेट को बंद करने का मकसद था, दुनिया को विरोध प्रदर्शन देखने से रोकना।

खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति पर साधा निशाना

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश प्रदर्शनों के आगे नहीं झुकेगा। सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक संबोधन में खामेनेई ने विदेशी समर्थित तत्वों पर देश को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। खामेनेई ने कहा कि सभी को यह जान लेना चाहिए कि इस्लामी गणतंत्र हजारों सम्मानित लोगों के खून के दम पर सत्ता में आया है और यह उपद्रवियों के सामने पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी अमेरिकी राष्ट्रपति को खुश करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर उन्हें देश चलाना आता होता तो वे अपना देश ठीक से चलाते।

प्रदर्शनकारी मारे गए तो हमला करेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बेहद सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर ईरान में प्रदर्शनकारियों को मारा जाएगा तो इसका बहुत कड़ा जवाब दिया जाएगा। द ह्यू हेविट शो को दिए एक साक्षात्कार में ट्रंप ने ईरान में चल रहे सरकार विरोधी प्रदर्शनों में हिंसा की ओर इशारा करते हुए कहा कि अगर वे लोगों को मारना शुरू करते हैं जैसा कि वे अक्सर दंगों के दौरान करते हैं, तो उन पर बहुत जोरदार हमला करेंगे। उन्होंने कहा कि तेहरान को यह संदेश बहुत स्पष्ट शब्दों में दे दिया गया है कि अगर उन्होंने ऐसा किया तो उन्हें भारी कीमत चुकानी होगी। ट्रंप के अलावा उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया और इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका उन लोगों के साथ खड़ा है, जो शांतिपूर्ण तरीके से अपने अधिकारों के लिए विरोध कर रहे हैं। वेंस ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि ईरान के लिए आगे बढ़ने का सबसे अच्छा रास्ता उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर वाशिंगटन के साथ गंभीर बातचीत करना है। वेंस ने कहा कि बातचीत करना तेहरान के लिए समझदारी होगी।

प्रदर्शनकारियों को सजा देगा ईरान

दुबई। ईरान के न्यायपालिका प्रमुख ने शुक्रवार को संकल्प लिया कि प्रदर्शनकारियों को निर्णायक, अधिकतम और कोई भी कानूनी रियायत दिए बिना सजा दी जाएगी। ईरान के सरकारी टेलीविजन चैनल ने बताया कि न्यायपालिका प्रमुख गुलामहुसैन मोहसनी-एजेई के सजा देने के इस बयान से यह संकेत मिलता है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ और कड़ी कार्रवाई होगी।

रणनीतिक स्वायत्तता बढ़ाने में फ्रांस भारत की साझेदारी का विशेष महत्व

- मैक्रों से मिले विदेशमंत्री एस जयशंकर, सकारात्मक भाव की सराहना की

पेरिस, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और समकालीन वैश्विक घटनाक्रमों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को लेकर मैक्रों की सकारात्मक भावनाओं की सराहना की। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि बहुध्रुवीयता और रणनीतिक स्वायत्तता को बढ़ावा देने में भारत-फ्रांस साझेदारी का विशेष महत्व है।

छह दिन की फ्रांस और लक्जमबर्ग यात्रा पर आए जयशंकर ने गुरुवार को फ्रांस के राजदूत सम्मेलन को भी संबोधित किया। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि आज फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात कर प्रसन्नता हुई और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि समकालीन वैश्विक विकास पर उनके विचारों और हमारी रणनीतिक साझेदारी के प्रति उनकी सकारात्मक भावना की गहराई से सराहना करता हूं। एक्स पर एक अन्य पोस्ट में विदेश मंत्री ने कहा कि फ्रांस के राजदूत सम्मेलन को संबोधित करना उनके लिए सम्मान की बात थी। उन्होंने कहा कि व्यापार, वित्त, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, संसाधन और संपर्क से प्रेरित समकालीन वैश्विक परिवर्तनों को रेखांकित किया। सोच में बदलाव एक अहम कारक रहा है। बुधवार को जयशंकर ने अपने फ्रांसीसी समकक्ष ज्यां-नोएल बैरोट से वार्ता के बाद कहा था कि भारत, यूरोप के साथ संबंध मजबूत कर रहा है।

पेरिस में भारत-फ्रांस संसदीय मैत्री समूह के सदस्यों के साथ भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर।

जयशंकर के लिए अमेरिका ने किए थे विशेष प्रबंध

न्यूयॉर्क। अमेरिका के विदेश विभाग ने नवंबर में सरकार के शटडाउन के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर की अमेरिका यात्रा के दौरान आई एक मिशन संबंधी चुनौती को रेखांकित करते हुए कहा कि भारतीय मंत्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक साहसिक वैकल्पिक योजना लागू की गई थी। पर्यवेक्षक विशेष एजेंट गेब्रियल मैसियास द्वारा 30 दिसंबर 2025 को लिखे गए एक लेख में कहा गया है कि पिछले वर्ष अमेरिकी सरकार के शटडाउन के कारण जब हजारों वाणिज्यिक उड़ानें रद्द कर दी गई थीं, तब डिप्लोमैटिक सिक्योरिटी सर्विस के गणमान्य व्यक्ति सुरक्षा प्रभाग के विशेष एजेंटों के सामने एक मिशन संबंधी चुनौती खड़ी हो गई थी।

यूनेस्को महानिदेशक खालिद से मिले विदेशमंत्री

पेरिस। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को यूनेस्को के महानिदेशक खालिद अल-एनानी से मुलाकात की और वैश्विक स्तर पर संस्कृति, शिक्षा एवं विरासत संरक्षण के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र की इस संस्था के साथ जुड़ाव को आगे बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। फ्रांस और लक्जमबर्ग की छह दिवसीय यात्रा कर रहे जयशंकर ने अल-एनानी से मुलाकात के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बहुपक्षीय दुनिया स्वाभाविक रूप से बहुसांस्कृतिक होती है।

पाकिस्तान के रूख में बदलाव तक निलंबित रहेगी सिंधु संधि

- भारतीय विदेश मंत्रालय ने जल संधि पर स्पष्ट किया अपना रूख

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने पाकिस्तान की सिंधु जल संधि को भारत के लिए बाध्यकारी बताने की टिप्पणी को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि यह संधि निलंबित है और सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान के रूख में बदलाव नहीं होने तक निलंबित ही रहेगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां साप्ताहिक ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में कहा कि सिंधु जल संधि पर भारत अपनी स्थिति कई बार स्पष्ट कर चुका है। यह संधि स्थगित है और तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद की गतिविधियों को बंद नहीं कर देता। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने कहा है कि सिंधु जल संधि भारत के लिए बाध्यकारी है और वह चिनाब तथा झेलम नदी पर भारत की विकास परियोजनाओं के मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठायेगा। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था।

सर्वश्रेष्ठ की दौड़ में कांतारा समेत 4 भारतीय फिल्में

- ऑस्कर के लिए 201 फिल्मों के बीच होगा मुकाबला

लॉस एंजिलिस, एजेंसी

एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने घोषणा की कि कन्नड़ ब्लॉकबस्टर कांतारा: ए लीजेंड- चैप्टर 1 और हिंदी फिल्म तन्वी द ग्रेट सहित चार भारतीय फिल्में ऑस्कर 2026 की सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार की दौड़ में शामिल है। इस श्रेणी में कुल 201 फिल्मों के बीच मुकाबला है।

अकादमी ने गुरुवार को 98वें पुरस्कारों के लिए पात्र फिल्मों की प्रारंभिक सूची जारी की। यह सूची सर्वश्रेष्ठ फिल्म समेत सामान्य श्रेणियों में विचार के लिए पात्र फिल्मों की है और नामांकन की घोषणा से पहले का चरण है। नामांकन की घोषणा 22 जनवरी को की जाएगी।

ऋषभ शेट्टी अभिनीत कांतारा और अनुपम खेर के निर्देशन में बनी तन्वी द ग्रेट के अलावा सूची में शामिल अन्य भारतीय फिल्मों में बहुभाषी एनिमेटेड फिल्म महावतार नरसिम्हा और अभिशान जीविंत की तमिल फिल्म टूरिस्ट फैमिली शामिल हैं। इसके अलावा, ब्रिटेन और भारत के सहयोग से निर्मित राधिका आप्टे अभिनीत हिंदी भाषी फिल्म सिस्टर मिडनाइट भी इस सूची में जगह बनाने में सफल रही है। एकेडमी के अनुसार, कुल 317 फिल्में 98वें अकादमी पुरस्कारों के लिए पात्र हैं, जिनमें से 201 फिल्में सर्वश्रेष्ठ फिल्म श्रेणी में विचार के लिए आवश्यक अतिरिक्त पात्रता मानदंडों को पूरा करती हैं।

सामान्य श्रेणियों में पात्रता के लिए फिल्मों का एक जनवरी से 31 दिसंबर 2025 के बीच अमेरिका के छह महानगरीय क्षेत्रों लॉस एंजिल्स काउंटी, न्यूयॉर्क सिटी, बे एरिया, शिकागो, डलास-फोर्ट वर्थ और अटलांटा में से किसी एक में सिनेमाघर में प्रदर्शित होना जरूरी है।

जन नायकन को सेंसर प्रमाणपत्र देने का निर्देश

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को विजय की आगामी फिल्म जन नायकन को सेंसर प्रमाणपत्र देने का निर्देश दिया और मामले को समीक्षा समिति को भेजने के बोर्ड के निर्देश को रद्द कर दिया। फिल्म का निर्माण करने वाली केवीएन प्रोडक्शंस की याचिका को स्वीकार करते हुए न्यायमूर्ति पी टी आशा ने कहा कि अगर बोर्ड ने प्रमाणपत्र देने का निर्णय ले लिया है तो अध्यक्ष के पास मामले को समीक्षा समिति के पास भेजने का अधिकार नहीं है। याचिका में सेंसर प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। बोर्ड ने तुरंत अपील दायर की और मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इसे स्वीकार कर लिया।

रूस ने यूक्रेन पर चलाई थी नई ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल

- राजधानी कीव में मारे गए थे 4 नागरिक, 16 हुए थे घायल

कीव, एजेंसी

रूस ने शुक्रवार को कहा कि उसने यूक्रेन पर भीषण हमले में अन्य हथियारों के साथ नई ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूसी हमले में राजधानी कीव में चार लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए।

रूस ने यह नहीं बताया कि ओरेश्निक ने कहां हमला किया। लेकिन रूसी मीडिया और सैन्य ब्लॉगरों ने कहा कि इसने यूक्रेन के पश्चिमी ल्वीव क्षेत्र में एक विशाल भूमिगत प्राकृतिक गैस भंडारण को निशाना बनाया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह हमला पिछले महीने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर कथित तौर पर यूक्रेन द्वारा किए गए ड्रोन हमले के जवाब में किया गया। हालांकि, यूक्रेन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन के आवास पर ड्रोन हमले के रूस के दावे को खारिज कर दिया है। ल्वीव के महापौर आंद्रिय सादोवी ने कहा कि रूस ने एक बैलेस्टिक मिसाइल से अहम ढांचे को निशाना बनाया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 10 जनवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, सप्तमी 08.23 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

(कुंडली चार्ट: 10, मं., 8, रा. 11, बु. सू. शु., 9, 7, श. 12, 6 चं., 3 गु., 1, 5 के., 2, 4)

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- हस्त 03.40 तक तत्पश्चात चित्रा।

मेष – आज अचल संपत्ति में निवेश कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन सराहनीय रहेगा। कानूनी मामलों में आपको सफलता मिल सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों के ऊपर कुछ दबाव हो सकता है। शरीर में थोड़ी थकावट रहेगी।

वृष – आज किसी नए प्रोजेक्ट्स में भागीदारी करनी पड़ेगी। नई जॉब में समस्या आ सकती है। बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में आप नये प्रयोग कर सकते हैं। महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखें।

मिथुन – आज सरकारी कार्यों में आपको लापरवाही नहीं करनी चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। आपको अपने खर्चों को कम करना पड़ेगा। व्यापार में नवप्रयोग करने से आपको बचना चाहिए। दांपत्य जीवन में कुछ अशांति हो सकती है।

कर्क – आज सामाजिक संस्थाओं को आप अत्यधिक सहयोग दे सकते हैं। आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। आपको उत्साहवर्धक सूचना मिल सकती है। आप लोगों को शुभ कार्यों के लिए प्रोत्साहित करेंगे। ऑफिस में सभी कार्य आसानी से पूर्ण हो जायेंगे।

सिंह – आज कार्यक्षेत्र में कुछ अस्थिरता हो सकती है। आपको किसी के साथ भी अभद्रता नहीं करनी चाहिए। अपने से बड़ों की बात न टालें। माता-पिता की सलाह से नया काम शुरू करना आपके लिए शुभ होगा। सर्दी और कफ बढ़ने से समस्या हो सकती है।

कन्या – आज नौकरीपेशा लोगों को नई जॉब का ऑफर मिल सकता है। आय की स्थिति बेहतर रहने वाली है। पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर रहने वाले हैं। कार्यक्षेत्र में आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। आपको उसका बेहतरीन परिणाम मिलेगा।

तुला – आज आर्थिक मामलों के लिए समय अच्छा नहीं है। मित्रों के साथ टकराव हो सकता है। ऑफिस के माहौल पर नजर बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में नई तकनीकों का प्रयोग उचित नहीं होगा। भावनाओं में बहकर अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक – आज परिजनों के साथ सार्थक समय बितायेंगे। उच्च अधिकारियों के माध्यम से आपको लाभ मिलेगा। सबके सामने आपकी प्रशंसा भी होगी। बेरोजगार लोगों को अच्छी कंपनी में जॉब मिल सकती है। व्यवसाय में उच्च आर्थिक लाभ होगा।

धनु – आज अपनी कार्यशैली में संदेह न करें। आज आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। जिसके लिए शायद आप तैयार न हों। नई संपति खरीदना चाह रहे हैं तो दिन बहुत शुभ है। रुका हुआ काम अचानक बनने की सम्भावना बन रही है। व्यवसाय में आपकी गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

मकर – आज जीवनसाथी के साथ थोड़ी नोक-झोंक हो सकती है। यदि आप किसी जिम्मेदार पद पर हैं तो आपके पास आज दोहरी जिम्मेदारी रहेगी। आपको अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखना चाहिए। डायबिटीज के रोगियों को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

कुंभ – आज धन संबंधी मामलों को लेकर सावधानी रखें। आप बच्चों के भविष्य को लेकर चिन्तित रहेंगे। पुरानी उलझनों में आप दोबारा उलझ सकते हैं। विवादों से आपको दूर रहना चाहिए। जल्दबाजी में आपको नौकरी बदलने का निर्णय नहीं करना चाहिए।

मीन – आज किसी उत्सव और मांगलिक कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। बिगड़ी हुई बात या डील को आप समझदारी से संभाल लेंगे। किसी प्रोजेक्ट में आ रही आर्थिक बाधा दूर होगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आपको शानदार सफलता मिल सकती है। अपना काम आपको स्वयं ही करना चाहिए।

सुडोकू-28

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			2	7			3	
	8	3	4		6	1		
7	9					2		6
3			9			8	7	
	6	1			5			9
9		8					1	5
		2	3		7	4	9	
	4			1	9			

सुडोकू - 27 का हल

2	5	6	8	1	4	7	9	3
9	8	1	3	6	7	2	4	5
7	3	4	9	2	5	6	1	8
3	4	9	1	5	6	8	2	7
8	7	2	4	9	3	1	5	6
6	1	5	7	8	2	4	3	9
5	6	3	2	4	8	9	7	1
1	2	8	5	7	9	3	6	4
4	9	7	6	3	1	5	8	2

जब मैं चार साल की थी तो खेलों में मेरा सफर शुरू हुआ। जैसा कि आप सभी जानते हैं, मेरे पिता एक ज्योतिषी हैं। उन्होंने मेरी कुंडली देखी और कहा कि मुझे या तो खेलों में जाना चाहिए या चिकित्सा के क्षेत्र में।
–वैष्णवी शर्मा

स्टेडियम

लखनऊ, शनिवार, 10 जनवरी 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

विश्व कप के लिए फीफा का वीडियो कंटेंट पार्टनर बना टिकटॉक

जिनेवा। फुटबॉल की संचालन संस्था फीफा ने 11 जून से 19 जुलाई तक चलने वाले पुरुष फुटबॉल विश्व कप में सोशल मीडिया पर वीडियो कंटेंट के लिए टिकटॉक को अपना प्रमुख प्लेटफॉर्म चुना है। इस साझेदारी के अंतर्गत 'कंटेंट क्रिएटर्स' को 48 टीम वाले विश्व कप में विशेष अनुमति मिलेगी। यह टूर्नामेंट 16 शहरों में आयोजित होगा। इनमें अमेरिका के 11, मेक्सिको के तीन और कनाडा के दो शहर शामिल हैं। फीफा ने बताया कि विश्व कप के प्रसारण अधिकार रखने वाले ब्रॉडकास्टर टिकटॉक ऐप पर बने एक विशेष 'हब' के जरिए 104 मैच के कुछ हिस्सों का लाइव प्रसारण कर सकेंगे। अमेरिका में टिकटॉक के 17 करोड़ से अधिक यूजर हैं।

किस्मत में लिखा था क्रिकेटर बनना : वैष्णवी

नई दिल्ली। वैष्णवी शर्मा ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज में टी20 अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में भारत के लिए पदार्पण किया था और ग्वालियर की 20 साल की बाएं हाथ की स्पिनर का कहना है कि उनके ज्योतिषी पिता नरेंद्र शर्मा ने उनके भविष्य के बारे में बता दिया था कि वह क्रिकेटर बनेंगी। उनका कहना है कि खिलाड़ी बनना उनकी किस्मत में लिखा था। उन्होंने कहा उसके बाद, यह सवाल था कि मेरी दिलचस्पी किसमें है। कुछ समय बाद, उन्हें समझ आया कि मेरी दिलचस्पी खेलों में है। जब मैं सात साल की थी तो मैंने और गंभीरता से खेलना शुरू किया जैसे शाम को अभ्यास सत्र के लिए जाना।

मैराथन में 60,000 से ज्यादा धावक भाग लेंगे

मुंबई। टाटा मुंबई मैराथन (टीएमएम) के 21वें सत्र का आयोजन यहां 18 जनवरी को होगा जिसमें भाग लेने के लिए 60,000 से अधिक धावकों ने पंजीकरण कराया है। आयोजकों के अनुसार, विश्व एथलेटिक्स 'गोल्ड लेबल' दौड़ में रिकॉर्ड 69,100 प्रतिभागी शामिल होंगे। इसमें 65,400 से अधिक प्रतिभागी प्रत्यक्ष रूप से और 3,700 वर्चुअल (ऑनलाइन) रन में भाग लेंगे। पहली बार रिकॉर्ड 14,059 धावक पूर्ण मैराथन में प्रतिस्पर्धा करेंगे। हाफ मैराथन और ओपन 10 किमी दौड़ में भी भागीदारी में भारी वृद्धि हुई है।

जादुमणि सिंह, पवन बर्तवाल फाइनल में

ग्रेटर नोएडा। बॉक्सिंग वर्ल्ड कप फाइनल के सिल्वर मेडलिस्ट जादुमणि सिंह ने शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा की गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में एलीट पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में पुरुषों की 50-55किग्रा कैटेगरी के सेमीफाइनल में 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट अमित पंघाल को हराकर पवन बर्तवाल के साथ एक रोमांचक फाइनल मुकाबले के लिए जगह बनाई। यह पहली बार है जब पुरुष और महिला नेशनल चैंपियनशिप एक ही जगह पर एक साथ हो रही हैं और देश भर से 600 बॉक्सर पुरुष और महिलाओं के लिए 10-10 वेट कैटेगरी में हिस्सा ले रहे हैं। सेमीफाइनल में, जादुमणि ने अमित पर 5:0 से शानदार जीत दर्ज की।

डी क्लार्क के हरफनमौला खेल से बेंगलुरु की मुंबई पर रोमांचक जीत

महिला प्रीमियर लीग : चार विकेट झटकने के बाद नडिन ने 63 रनों की बेहतरीन पारी खेली

नवी मुंबई, एजेंसी

नडिन डी क्लार्क के हरफनमौला खेल से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मौजूदा सत्र के बेहद रोमांचक शुरुआती मैच में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को तीन विकेट से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया।

प्लेयर ऑफ द मैच डी क्लार्क ने चार विकेट झटकने के बाद दबाव के क्षणों में 44 गेंद में नाबाद 63 रन की पारी से टीम को जीत दिलाई। आरसीबी को आखिरी ओवर में जीत के लिए 18 रन की जरूरत थी और नैट सिवर-ब्रंट की शुरुआती दो गेंद पर चुकने के बाद उन्होंने दो छक्के और दो चौके लगाकर टीम को यादगार जीत दिला दी। प्रेमा रावत चार गेंद पर आठ रन के साथ नाबाद रही। मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सजीवन सजना की 25 गेंद में 45 रन की पारी के दम पर छह विकेट पर 154 रन बनाए। आरसीबी ने 25 साल की डि क्लार्क की सात चौके और दो छक्के जड़ित पारी से आखिरी ओवर में जीत दर्ज कर सत्र का शानदार आगाज किया।

मुंबई की तरफ से निकोला कैरी और अमेलिया केर ने दो-दो विकेट लिए, जबकि स्किवर-ब्रंट, शबनिम इस्माइल और अमनजोत कौर ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले सजना ने सात चौके और एक छक्का जड़ने के अलावा पांचवें विकेट के लिए निकोला कैरी (40 रन) के साथ 49 गेंद में 82 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। कैरी ने 29 गेंद की पारी में चार चौके जड़े। यह साझेदारी ऐसे समय आई जब पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर मुंबई की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवा रही थी और 11वें ओवर में टीम का स्कोर चार विकेट पर महज 67 रन था। शीर्ष क्रम में गुनालन कमलिनी ने 28 गेंदों में 32 रन बनाए, जबकि मुंबई और भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 20 रनों का योगदान दिया। आरसीबी को कप्तान स्मृति मंधाना और ग्रेस हैरिस ने अच्छी शुरुआत दी लेकिन टीम इसका ने जल्दी-जल्दी विकेट गंवाकर अपनी मुश्किलें बढ़ा ली। हैरिस (25 रन और मंधाना (18 रन) ने पहले ओवर में सिवर-ब्रंट की गेंद पर चौके लगाए और फिर दूसरे ओवर में इस्माइल के खिलाफ भी वही किया। तीसरे ओवर में दोनों ने निकोला कैरी से 20 रन जोड़े। हैरिस ने एक छक्का और चौका लगाया, जबकि मंधाना ने दो चौके मारे। मंधाना चौथे ओवर में आउट हो गईं, इसके बाद हैरिस भी सिवर-ब्रंट की गेंदबाजी पर आउट हुईं। टीम का स्कोर पांचवें ओवर में दो विकेट पर 47 रन से आठवें ओवर में पांच विकेट पर 65 रन हो गया। दयालन हेमलथा (सात), ऋचा घोष (छह) और राधा यादव (एक) के सस्ते में पवेलियन लौटने से टीम की मुश्किलें बढ़ गयी। दक्षिण अफ्रीका की क्लर्क ने अपनी पारी से आरसीबी की उम्मीदें जिंदा रखीं। अरुंधती रेड्डी (20) उनके साथ अच्छी साझेदारी की जिससे वह टीम को लक्ष्य के करीब ले जाने में सफल रही। डब्ल्यूपीएल 2026 की शुरुआत लॉरेन बेल के मेडन ओवर से हुई, जिसमें मुंबई की सलामी बल्लेबाज अमेलिया केर खाता नहीं खोल सकीं। कमलिनी ने हालांकि दूसरे ओवर में लिंडसे स्मिथ की गेंदों पर दो चौके जड़ते हुए 10 रन बटोरकर पहले ओवर की भरपाई की। केर संघर्ष करती नजर आई और 11वीं गेंद पर अपना खाता खोल सकीं।

आखिरी ओवर में तूफानी पारी के दौरान शॉट लगाती रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की नडिन डी क्लार्क। एजेंसी

यूपी और गुजरात की नजरें लय हासिल करने पर

नवी मुंबई। यूपी वॉरियर्स और गुजरात जायंट्स की टीम शनिवार को यहां अपने महिला प्रीमियर लीग अभियान की शुरुआत करेंगी और पिछले सत्र में विपरीत प्रदर्शन के बाद दोनों टीमें पहले खिताब की तलाश में होंगी। यूपी वॉरियर्स नई कप्तान मेग लैनिंग पर बहुत अधिक निर्भर रहेंगी क्योंकि उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स लगातार तीन फाइनल में पहुंची थी। टीम पिछले तीन सत्र में तीसरे, चौथे और फिर तालिका में निचले स्थान पर रही थी और उसकी निगाहें इस लगातार गिरावट को रोकने की है। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के आने से टीम में स्पष्टता आने की उम्मीद है। टीम पिछले साल कप्तान एलिसा हीली की गैरमौजूदगी में संतुलन और निरंतरता के लिए संघर्ष कर रही थी।

मुकाबले के लिए तैयार

दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले शुक्रवार को यहां हुए अभ्यास सत्र में शानदार लय में नजर आए। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार से तीन मैचों की वनडे और फिर पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। कोहली और रोहित ने भारतीय तेज गेंदबाजों, स्पिनरों और थ्रो-डाउन विशेषज्ञों के खिलाफ लगभग डेढ़ घंटे तक बल्लेबाजी का अभ्यास किया। ● एजेंसी

फाइनल में आमने-सामने होंगी पाइपर्स और बंगाल

महिला हॉकी इंडिया लीग

रांची, एजेंसी

एसजी पाइपर्स और श्राची बंगाल टाइगर्स दो हफ्तों तक चले 12 मुकाबलों के बाद शनिवार को यहां होने वाले महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के फाइनल में आमने सामने होंगी।

लीग जीतने वाली टीम को 1.50 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी जबकि उप विजेता को एक करोड़ रुपये दिए जाएंगे। तीसरे स्थान पर रहने वाली रांची रॉयल्स को 50 लाख रुपये मिलेंगे। फाइनल में पहुंची इन दोनों टीमों ने इस सत्र में अपना दबदबा बनाए रखा और दोनों का खेलने का तरीका काफी हद तक एक जैसा ही रहा है। एसजी पाइपर्स ने तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि श्राची बंगाल टाइगर्स ने दूसरा स्थान पक्का किया। दोनों टीमें लीग चरण में दो बार आमने-सामने हुईं और दोनों ही मौकों पर श्राची बंगाल टाइगर्स ने पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की।

जीत के साथ अवध का सफर समाप्त

नोएडा, एजेंसी

उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग सीजन-2 के करो-या-मरो सप्ताह के अंतिम दिन की शुरुआत अवध रामदूत्स के प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ हुई। नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अवध रामदूत्स ने पूर्वांचल पैंथर्स को 47-33 से पराजित किया।

चूंकि दोनों टीमें पहले ही टॉप-4 की दौड़ से बाहर हो चुकी थीं, इसलिए यह मुकाबला सम्मान, लय और लीग चरण को सकारात्मक अंदाज में समाप्त करने को लेकर अहम था। मैच की शुरुआत सतर्कता के साथ हुई, जहां दोनों टीमों ने शुरुआती मिनटों में एक-दूसरे को परखने की कोशिश की। अवध रामदूत्स ने धीरे-धीरे अपनी लय हासिल की, जिसमें कप्तान अभिमन्यु रघुवंशी की भूमिका अहम रही। उनकी सटीक और तेज रेड्स ने लगातार पूर्वांचल की डिफेंस को परेशान किया। वहीं दूसरी ओर, अवध की रक्षात्मक इकाई ने भी मजबूती दिखाई और समय पर किए गए टैकल्स के जरिए पूर्वांचल के स्कोरिंग मौकों को सीमित रखा। पहले हाफ का निर्णायक मोड़ तब आया, जब अवध रामदूत्स ने अपनी डिफेंस को और सख्त किया और पूर्वांचल पैंथर्स को ऑल-आउट कर स्कोरबोर्ड पर बड़ा अंतर बना लिया। इसी बढ़त को आगे बढ़ाते हुए अवध ने हाफटाइम से पहले एक और ऑल-आउट किया, जिससे उनकी बढ़त 20 अंकों तक पहुंच गई और मुकाबले पर उनका पूरा नियंत्रण हो गया। दूसरे हाफ में पूर्वांचल पैंथर्स ने अधिक आक्रामक रुख अपनाया और अवध रामदूत्स को एक बार ऑल-आउट कर वापसी की हल्की उम्मीद जगाई।

अवध रामदूत्स (लाल ड्रेस) और पूर्वांचल पैंथर्स के खिलाड़ी। एजेंसी

फ्रांस व क्रोएशिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगा ब्राजील

साओ पाउलो। ब्राजील फुटबॉल टीम इस साल होने वाले विश्व कप की तैयारी के अंतर्गत अमेरिका में फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगी।

पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील 11 जून से 19 जुलाई के बीच होने वाले विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 13 जून को मोरक्को के खिलाफ करेगी। फिर टीम का सामना छह दिन बाद फिलेडेल्फिया में हैती से होगा। ब्राजील 24 जून को फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में स्कॉटलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण का समापन करेगी। प्रमोटरों ने घोषणा की कि ब्राजील की टीम 26 मार्च को मैसाचुसेट्स के फॉक्सबोरो में फ्रांस से भिड़ेगी और फिर पांच दिन बाद फ्लोरिडा के ऑरलैंडो में क्रोएशिया से दोस्ताना मैच खेलेगी। क्रोएशिया 26 मार्च को ऑरलैंडो में कोलंबिया से भिड़ेगा और कोलंबिया 29 मार्च को मैरीलैंड के लैंडोवर में फ्रांस का सामना करेगा।

तमीम इकबाल को भारतीय एजेंट कहने पर बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने जताई नाराजगी

ढाका, एजेंसी

पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के एक बड़े अधिकारी द्वारा 'भारतीय एजेंट' कहे जाने पर देश के खिलाड़ियों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

बीसीबी की वित्त समिति के अध्यक्ष नजमुल ने फेसबुक पोस्ट में बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को 'भारतीय एजेंट' करार देते हुए कहा इस बार बांग्लादेश की जनता अपनी आंखों से एक भारतीय एजेंट को उभरते हुए देख रही है।

इस पोस्ट के सामने आते ही मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई। तस्कीन अहमद, मोमिनुल हक और ताइजुल इस्लाम समेत कई खिलाड़ियों ने इसका विरोध किया। 'बांग्लादेश क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन (सीडब्ल्यूएबी)' ने भी नजमुल की टिप्पणी पर रोष व्यक्त किया। सीडब्ल्यूएबी ने कहा, बीसीबी निदेशक एम नजमुल इस्लाम द्वारा पूर्व राष्ट्रीय कप्तान तमीम इकबाल को लेकर की गई टिप्पणी हमारे संज्ञान में आई है। हम इससे स्तब्ध, आहत और बेहद आक्रोशित हैं।

उन्होंने कहा तमीम ने 16 वर्षों तक देश का प्रतिनिधित्व किया है और वह देश के इतिहास के सबसे सफल सलामी बल्लेबाज है। उनके बारे में बोर्ड के एक अधिकारी द्वारा ऐसी टिप्पणी पूरी तरह निंदनीय है। यह केवल तमीम से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि किसी भी बांग्लादेशी क्रिकेटर के बारे में इस तरह की टिप्पणी अस्वीकार्य है और पूरे क्रिकेट समुदाय का अपमान है। छत्तीस साल के तमीम ने अंतरराष्ट्रीय करियर में बांग्लादेश के लिए 70 टेस्ट, 243 वनडे और 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। सीडब्ल्यूएबी ने कहा हम इस टिप्पणी का कड़ा विरोध करते हैं। जब बोर्ड का कोई जिम्मेदार निदेशक सार्वजनिक मंच पर इस तरह के बयान देता है, तो यह बोर्ड अधिकारियों की आचार संहिता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। हमने बीसीबी अध्यक्ष को एक विरोध पत्र सौंप दिया है, जिसमें संबंधित निदेशक से सार्वजनिक माफी की मांग की गई है। बांग्लादेश ने इस बीच आईसीसी को पत्र लिखकर अपने टी20 विश्व कप मैच भारत से बाहर कराने का अनुरोध किया है।

भविष्य को ध्यान में रखने की अपील की थी पूर्व कप्तान ने

ढाका। बांग्लादेश के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाजों में शामिल पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने हाल ही में बीसीबी को सलाह दी थी कि भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी को लेकर कोई भी फैसला भावनाओं में बहकर नहीं, बल्कि सोच समझकर लिया जाना चाहिए।

मलेशिया ओपन : सिंधु सेमीफाइनल में पहुंचीं, सात्विक और चिराग हारे

कुआलालंपुर, एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शुक्रवार को यहां जापान की अकाने यामागुची के चोट के कारण क्वार्टरफाइनल से रिटायर होने के बाद मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली जबकि पुरुष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी क्वार्टर फाइनल हार गए। सिंधु ने पहला गेम 21-11 से जीत लिया था लेकिन इसके बाद तीन बार की विश्व चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त यामागुची ने मैच से हटने का फैसला किया। वह घुटने में ब्रेस पहने हुए थीं।

इससे विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज सिंधु का यामागुची के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 15-12 हो गया। चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद सिंधु अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही हैं। अब सेमीफाइनल में उनका सामना चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झीयी से होगा जिन्होंने इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वरदानी को 21-17, 21-18 से हराया। वहीं दो बार विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक विजेता भारत के सात्विक और चिराग पुरुष युगल में इंडोनेशिया के फजर अल्फेन और मुहम्मद फिकरी की निचली रैंकिंग वाली जोड़ी से 10-21, 21-23 से हार गए।

पिछले साल हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स में फाइनल तक पहुंचे तीसरी वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग पहले गेम में ही दबाव में नजर आए। इंडोनेशिया की जोड़ी ने लगातार पांच अंक बनाये जिसके बाद भारतीय जोड़ी ने खाता खोला।

इंडोनेशियाई जोड़ी ने जल्दी ही 12-4 से बढ़त बना ली और फिर आखिरी पांच अंक लेकर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने वापसी की कोशिश की और दो बार बढ़त भी बनाई। स्कोर एक समय 19-19 से बराबरी पर था लेकिन इंडोनेशियाई जोड़ी ने आखिरी दो अंक लेकर जीत दर्ज की।

साक्षात्कार भारतीय पहलवान की जापानी युई सुसाकी से भिड़ंत तय, जिन्हें माना जाता है दुनिया की सबसे दमदार पहलवान

प्रो कुश्ती लीग की चुनौती के लिए तैयार अंतिम पंघाल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल आगामी प्रो कुश्ती लीग (पीडब्ल्यूएल) के लिए तैयारियों में जुटी हैं और उनके फोन पर हर दिन दो बार की ओलंपिक पदक विजेता युई सुसाकी के मैच चल रहे हैं ताकि उन्हें रणनीति बनाने में मदद मिले।

अंतिम का पीडब्ल्यूएल में जापानी पहलवान से भिड़ना तय है जिन्हें दुनिया की सबसे दमदार पहलवान माना जाता है। अंतिम ने कहा वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ पहलवान हैं। उनके पास मुझसे ज्यादा अनुभव है लेकिन वह 50 किग्रा वर्ग की हैं और मैं 53 किग्रा वर्ग की हूं। मैं उनसे छोटी हूं। इसलिए मैं उनके मुकाबले बहुत ध्यान से देख रही हूं कि वह कैसे खेलती हैं, कैसे बचाव करती हैं, किस तरह की गलतियां नहीं करती।

चार बार की विश्व चैंपियन सुसाकी को महिला 53 किग्रा वर्ग में हरियाणा थंडर ने 60 लाख रुपये में खरीदा जिससे वह हाल में हुई पीडब्ल्यूएल नीलामी में बिकने वाली सबसे महंगी खिलाड़ी बन गईं।

उन्होंने कहा आप इस लीग में ज्यादा देर तक शांत नहीं रह सकते। अगर आपके दो या चार अंक हैं तो विरोधी को सिर्फ एक चाल की जरूरत होती है। इसलिए रणनीति अलग होनी चाहिए। भारतीय पहलवान मानती हैं कि नीलामी में मिली रकम उनकी कल्पना से कहीं ज्यादा थी। यूपी डोमिनेटर्स का मालिकाना हक रूबिक्स ग्रुप के पास है। उन्होंने कहा मुझे इतनी उम्मीद नहीं थी। मुझे लगा था कि यह करीब 30 लाख रुपये होगी। मुझे लगा था कि यह उससे थोड़ा ऊपर जा सकती है, लेकिन इतनी ज्यादा नहीं। जब बोली लग रही थी, तब अंतिम एक मंदिर से घर लौट रही थीं। उन्होंने कहा बोली करीब सात बजे शुरू हुई। मैं खाटू श्याम मंदिर से घर लौटी थी। किसी ने नहीं सोचा था कि मेरे लिए इतनी ज्यादा बोली लगेगी। विनेश ने हाल में संन्यास से वापसी की घोषणा की है और अब जब बात सीनियर पहलवान की आती है तो अंतिम प्रतिद्वंद्विता के बजाय सहानुभूति से बात करती हैं। विनेश सबसे सफल भारतीय पहलवानों में से एक हैं। उन्हें पेरिस ओलंपिक में 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण 50 किग्रा फाइनल से डिस्क्वालिफाई कर दिया गया था।

अंतिम ने कहा विनेश के पास मुझसे कहीं ज्यादा अनुभव है। वह वापसी कर रही हैं तो इसका मतलब है कि वह बहुत कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार हैं। जब कोई खिलाड़ी इस मानसिकता के साथ वापसी करता है तो वापसी हमेशा जोरदार होती है। अंतिम जूनियर चैंपियन से सीनियर दावेदार बनने तक के सफर में काफी परिपक्व हुई हैं।

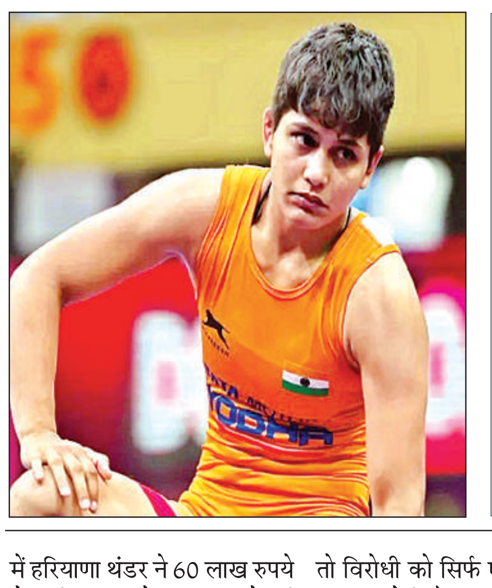

प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ रणनीति पर कर रहीं काम

यूपी डोमिनेटर्स ने अंतिम को 52 लाख रुपये में खरीदा था और 21 साल की भारतीय पहलवान जानती हैं कि इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीतना आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा उनका डिफेंस बहुत मजबूत है। वह आसानी से पैर से मिलने वाले अंक नहीं देतीं। ज्यादातर वह हमला करती हैं और इंतजार करती हैं। इसलिए मुझे अच्छा बचाव करना होगा और ज्यादा हमले करने होंगे। मुझे पक्का करना होगा कि उन्हें मुझ पर हावी होने का मौका नहीं मिले। सुसाकी का दबदबा सीनियर स्तर पर सिर्फ एक बार 2024 पेरिस ओलंपिक के दौरान विनेश फोगाट के खिलाफ कम हुआ और अंतिम ने उस मुकाबले को फ्रेम दर फ्रेम देखा है। अंतिम ने कहा वह शानदार मुकाबला था।